प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

इंसान हमेशा अपने भाग्य को कोसता है
यह जानते हुए भी कि भाग्य से भी ऊंचा
उसका कर्म है जिसके स्वयं के हाथों में है!!

श्रीमद् भगवद् गीता

www.purvanchalsurya.com

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची ➤दिल्ली➤देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 17 | अंक 259 | दैनिक | रांची | शनिवार 4 मई 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

नहीं मिल रहा साथ बंगाल पुलिस बाधा डाल रही मीलॉर्ड

- संदेशखाली केस में सीबीआई ने कलकत्ता हाईकोर्ट में की शिकायत

कोलकाता (एजेंसी)। संदेशखाली कांड को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार से मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखली में केंद्रीय जांच एजेंसी को सहयोग करने के लिए राज्य सरकार अधिक पुलिस बल को भेजे। अदालत की निगरानी में हो रही जांच पर सीबीआई की अंतरिम रिपोर्ट पर हुई सुनवाई में शामिल वकीलों ने यह बात बताई। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम की खंडपीठ ने सीबीआई से शाहजहां शेख पर आरोप लगाने वाली महिलाओं के बीच विश्वास पैदा करने और महिला अधिकारियों को संदेशखली भेजने के लिए भी कहा। बता दें सीबीआई ने अदालत के सामने उल्लेख किया कि वह जमीन हड़पने की शिकायतों की ठीक से जांच नहीं कर पा रही है, क्योंकि राज्य के अधिकारी सहयोग नहीं कर रहे हैं।

महिला का रेप-मर्डर 4 दिन बाद आरोपी का घर फूंका

- 6 महीने की प्रेग्नेंट थी पीड़िता

दौसा (एजेंसी)। प्रेग्नेंट महिला से रेप और उसकी हत्या के आरोपी के घर को पूरे गांव ने जलाकर फूंक दिया। गुस्साए लोगों ने आरोपी के रिश्तेदारों के घर भी जमकर तोड़फोड़ की। इससे पहले ग्रामीणों ने मीटिंग कर हमले का फैसला किया। उन्होंने मौके पर पहुंची पुलिस पर भी जमकर पथराव किया। घटना दौसा के मेहंदीपुर बालाजी के नांदरी गांव में गुरुवार रात 10 बजे की है। इस पूरे घटनाक्रम में आगजनी करने वाले तीन लोग भी झुलस गए हैं। जिन्हें हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। बताया जा रहा है कि रेप और मर्डर से गुस्साए पीड़ित पक्ष के लोगों ने गुरुवार को मीटिंग की।

महाराष्ट्र में बाल-बाल बचीं उद्धव गुट की प्रमुख नेता

- लैंडिंग के वक्त क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में तीसरे चरण के चुनाव प्रचार के बीच डरा देने वाली घटना सामने आई है। हेलीकॉप्टर क्रैश में उद्धव ठाकरे गुट की नेता सुषमा अंधारे बाल-बाल बचीं। राज्य में रायगढ़ जिले के महाड में शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) की नेता सुषमा अंधारे को लेने पहुंचा हेलीकॉप्टर लैंडिंग के वक्त क्रैश हो गया। अंधारे को इसी हेलीकॉप्टर में सवार होकर दूसरे स्थान के लिए रवाना होना था। शिवसेना यूबीटी नेता ने हेलीकॉप्टर की लैंडिंग के वीडियो को फेसबुक पर साझा करके घटना की जानकारी दी है। सुषमा अंधारे की गिनती फायरब्रांड नेताओं में है।

रांची में पीएम मोदी के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब :बड़ी संख्या में समर्थक और बीजेपी कार्यकर्ता रहे मौजूद

अबकी बार 400 पार के नारे लगे

रांची,एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवारक को झारखंड की राजधानी रांची में रोड शो किया। पीएम मोदी ने भारत माता चौक हरमू से रोड शो की शुरुआत की। इससे पहले उन्होंने एयरपोर्ट से निकलने के बाद बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद उनका काफिला आगे बढ़ा।

काफिले में रांची लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ, भाजपा विधायक दल के नेता अमर कुमार बावरी ने खुली जीप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। इसके बाद रोड शो की शुरुआत हुई। काफिला जैसे-जैसे अपने निर्धारित कार्यक्रम स्थल रातू रोड चौराहे के करीब पहुंच रहा था लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस दौरान लोगों ने अबकी बार 400 पार के नारे लगाए। वहीं, खुली जिप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों को नमस्कार करते हुए जा रहे थे। साथ ही हाथ में कमल का निशान लिए थे, जो लोगों को दिखाते हुए और मुस्कुराते हुए मतदान की अपील कर रहे थे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रातू रोड चौराहे के पास स्वागत कार्यक्रम रखा गया था। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत ढोल नगाड़े और लोकल डांस के साथ किया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री का काफिला राजभवन की ओर बढ़ गया। बता दें कि रांची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार रोड शो किया। पहली बार साल 2019 में उन्होंने रोड शो किया था। दूसरी बार साल 2023 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के मौके पर आए थे, तब उन्होंने रोड शो किया था।

ना-ना करते आखिर यूपी से 'लड़' ही गए राहुल गांधी

अखिलेश ने किया असल खेल,कांग्रेस के साथ सपा कैंप में भी राहत

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की रायबरेली सीट से गांधी परिवार के राहुल गांधी के उतरते ही कांग्रेस ही नहीं सपा कैंप ने भी राहत की सांस ली है। राहुल गांधी के फैसले से अमेठी और रायबरेली सीट पर महीनों से चला आ रहा सस्पेंस भी खत्म हो गया है। दोनों ही सीटें कांग्रेस खासकर गांधी परिवार का गढ़ कही जाती हैं। पिछले कुछ दिनों से दोनों सीटों को लेकर जबरदस्त उथल-पुथल मची थी। स्थिति यह हो गई थी कि नामांकन खत्म होने से एक दिन पहले तक दोनों सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी तय नहीं हो पा रहे थे। अंततः नामांकन वाले दिन ही रायबरेली से राहुल व अमेठी से केएल शर्मा का नाम फाइनली घोषित हो गया। इस दौरान पिछले तीन दिनों में पर्दे के पीछ बहुत कुछ हो गया। खुद अखिलेश ने खड़गे से लेकर सोनिया और प्रियंका समेत कांग्रेस के थिंक टैंक कहे जाने वाले नेताओं से कई बार बात की।

राहुल गांधी ने रायबरेली सीट से किया नामांकन

रायबरेली/अमेठी (एजेंसी)। राहुल गांधी ने रायबरेली से नामांकन कर दिया है। उनके साथ सोनिया गांधी, बहन प्रियंका गांधी, जीजा रॉबर्ट वाड्रा मौजूद रहे। किशोरी लाल शर्मा ने भी अमेठी से नॉमिनेशन कर दिया है। कांग्रेस ने नॉमिनेशन के आखिरी दिन रायबरेली से राहुल और अमेठी से किशोरी लाल के नाम का ऐलान किया। किशोरी सोनिया गांधी के भरोसेमंद माने जाते हैं। शुक्रवार सुबह 9 बजे राहुल परिवार के साथ दिल्ली से रायबरेली के लिए रवाना हुए। साढ़े 10 बजे अमेठी-रायबरेली बॉर्डर पर स्थित फुरसतगंज एयरपोर्ट पर उतरे। एयरपोर्ट से सोनिया, राहुल और रॉबर्ट वाड्रा रायबरेली कांग्रेस कार्यालय पहुंचे, जबकि प्रियंका और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत अमेठी गए। यहां किशोरी लाल के साथ रोड शो किया।

सोनिया डर कर राजस्थान चली गई,अब राहुल भी भागे

कांग्रेस नेता के अमेठी से ना लड़ने पर पीएम मोदी ने बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी पर बड़ा हमला किया है। इस बार राहुल अमेठी से चुनाव नहीं लड़ रहे हैं, उसकी जगह वे रायबरेली से प्रत्याशी बन गए हैं। इस दांव पर तंज कसते हुए एक रैली में पीएम मोदी ने कहा कि सोनिया गांधी भी डर कर राजस्थान चली गई थीं। पश्चिम बंगाल के बर्धमान-दुर्गापुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैंने पहले ही ये भी बता दिया था कि शहजादे वायनाड में हार के डर से अपने लिए दूसरी सीट खोज रहे हैं। अब इन्हें अमेठी से भागकर रायबरेली सीट चुननी पड़ी है। ये लोग घूम-घूम कर सबको कहते हैं डरो मत। मैं भी इन्हें यही कहूंगा डरो मत, भागो मत। आज मैं एक और बात कहूंगा कांग्रेस इस बार पहले से भी कम सीटों पर सिमटने जा रही है। वैसे पीएम मोदी ने अपना हमला सिर्फ कांग्रेस तक सीमित नहीं रखा, उनकी तरफ से तो ममता बनर्जी पर भी जमकर निशाना साधा गया। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि टीएमसी ने संदेशखाली मामले में कार्रवाई सिर्फ इसलिए नहीं की क्योंकि वो शख्स दूसरे समुदाय से ताल्लुक रखता था। पीएम ने कहा कि बंगाल में टीएमसी की सरकार ने यहां हिंदुओं को दोयम दर्जे का नागरिक बनाकर रख दिया है। ये कैसे लोग हैं कि जय श्रीराम के उद्घोष से भी इन्हें आपत्ति है। मैं टीएमसी सरकार से पूछना चाहता हूं कि यहां संदेशखाली में हमारी दलित बहनों के साथ इतना बड़ा अपराध हुआ। पूरा देश कार्रवाई की मांग करता रहा, लेकिन टीएमसी गुनहगार को बचाती रही। क्या सिर्फ इसलिए, क्योंकि उस गुनाहगार का नाम शाहजहां शेख था। पीएम मोदी ने अपने बयान में ये भी कहा कि टीएमसी, लेफ्ट और कांग्रेस के पास विकास का विजन ही नहीं है। लेफ्ट, कांग्रेस और टीएमसी किसी राज्य का क्या हाल कर सकती हैं, ये आप अच्छी तरह जानते हैं। यहां पास में ही त्रिपुरा लेफ्ट वालों ने तबाह कर रखा था लेकिन पिछले 5 साल में बीजेपी ने पूरे त्रिपुरा की जिंदगी बदल दी।

कहीं भीषण गर्मी का 'कहर' तो कहीं बारिश ने घोला 'जहर'

- उत्तर पूर्वी राज्यों में बारिश का तांडव,लोगों का जीना हुआ मुहाल
- तीन राज्यों का देश के बाकी हिस्सों से टूटा संपर्क, कई लोग मरे

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण से लेकर उत्तर भारत तक गर्मी का कहर जारी है। इस बीच उत्तर पूर्वी राज्य असम में बारिश ने तांडव मचाया हुआ है। भारी बारिश के कारण असम के दिमा हसाओ जिले के कई इलाकों में भूस्खलन हुआ है। इसके कारण त्रिपुरा, मिजोरम और मणिपुर के साथ-साथ असम के बराक घाटी के कुछ हिस्से का देश के बाकी हिस्सों से अस्थायी संपर्क टूट गया है। आपदा प्रबंधन अधिकारियों के अनुसार गुरुवार को कछार और दिमा हसाओ में बिजली गिरने और भूस्खलन के कारण तीन युवकों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, कछार जिले में बिजली गिरने से दो नाबालिग लड़कों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि दो अन्य नाबालिग लड़कों को चोटें आईं और उनका एसएमसीएच में इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मृत लड़कों की पहचान दिलवर हुसैन (17) और जियाउल हुसैन (14) के रूप में की गई है। दोनों कचुदरम पुलिस स्टेशन के तहत गंगानगर भाग-2 गांव के निवासी थे। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, बिजली गिरने की

घटना दोपहर करीब 2 बजे हुई जब वे सभी मैदान पर खेल रहे थे। अगरतला से गुवाहाटी जा रही एक बस बुधवार रात दिमा हसाओ जिले के दिटोकचेरा में दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 27 वर्षीय त्रिपुरा निवासी डी देवबर्मन की मौत हो गई।

हाफलोंग-सिलचर सड़क का एक हिस्सा बहा

अधिकारियों के अनुसार, दिमा हसाओ जिले में मियुंगख्रो और हरंगाजाओ के बीच तेज बारिश के पानी से हाफलोंग-सिलचर सड़क का एक हिस्सा बह गया है, जबकि लुमडिंग और बदरपुर मार्ग के बीच रेलवे ट्रैक बह गया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने कहा कि बराक घाटी और त्रिपुरा को लुमडिंग से जोड़ने वाली अधिकांश ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है या पुनर्निर्धारित किया गया है। सिलचर-गुवाहाटी एक्सप्रेस, गुवाहाटी-बदरपुर टूरिस्ट एक्सप्रेस, रंगिया-सिलचर एक्सप्रेस, गुवाहाटी-दुल्लभचेरा एक्सप्रेस, सिलचर-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस, सिलचर-नाहरलागुन स्पेशल ट्रेन सहित कम से कम छह ट्रेनें 6 या 7 मई तक रद्द कर दी गई हैं। अगरतला-सिकंदराबाद स्पेशल समेत कुछ ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। सब्यसाची डे ने कहा कि विभाग क्षतिग्रस्त इलाकों की मरम्मत के लिए 24 घंटे काम कर रहा है। उन्होंने बताया, हमने मरम्मत कार्यों के कारण अधिकांश ट्रेनों को रद्द कर दिया है या उनके समय में बदलाव किया है।

पूरा क्षेत्र देश के बाकी हिस्सों से पूरी तरह से अलग

परिणामस्वरूप, असम और तीन पड़ोसी राज्यों के एक बड़े हिस्से सहित पूरा क्षेत्र देश के बाकी हिस्सों से पूरी तरह से अलग होने के कगार पर है। यात्रियों के मुताबिक, इसके कारण फ्लाइट का किराया काफी ज्यादा हो गया है। यात्रियों के अनुसार, सिलचर-गुवाहाटी और सिलचर-कोलकाता के बीच उड़ान का किराया प्रति टिकट 16,000 से अधिक हो गया है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, असम और पड़ोसी राज्यों में शुक्रवार को और रविवार से चार दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में बार-बार बिजली गिरने की सूचना मिली है।

राम मंदिर पर पाकिस्तान ने यूएन में फिर उगला जहर

- भारत की स्थायी प्रतिनिधि ने दिया ऐसा जवाब कि बोलती हो गई बंद

जिनेवा (एजेंसी)। पाकिस्तान का भारत के खिलाफ जहर उगलना लगातार जारी है। पड़ोसी मुल्क ने फिर एकबार संयुक्त राष्ट्र में राम मंदिर का मुद्दा उठाया। हालांकि, इस बार उसे ऐसा जवाब मिला कि बोलती बंद हो गई है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान द्वारा गए बयान को विनाशकारी और हानिकारक बताया। साथ ही पाकिस्तान को तीखा जवाब देते हुए कहा कि पाकिस्तान का सभी पहलुओं पर सबसे संदिग्ध ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। आपको बता दें कि संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम ने 'शांति की संस्कृति' पर महासभा में अपने संबोधन के दौरान कश्मीर, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम और अयोध्या में राम मंदिर जैसे मामलों का जिक्र करते हुए भारत के खिलाफ लंबी टिप्पणी की थी। रुचिरा कंबोज ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई

पूर्व आईएएस समेत अन्य की 205 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग (धनशोधन) मामले में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने छत्तीसगढ़ के पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, रायपुर के महापौर के भाई और कुछ अन्य लोगों की 205 करोड़ रुपए की सम्पत्तियां कुर्क कर ली हैं। ईडी की तरफ से जारी एक बयान में बताया गया कि कुर्क की गई संपत्तियों में टुटेजा की 15.82 करोड़ रु की 14 संपत्तियां, रायपुर के मेयर और कांग्रेस नेता ऐजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर की 116.16 करोड़ रु की 115 संपत्तियां, विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू की 1.54 करोड़ रु की और अरविंद सिंह से जुड़ी 12.99 करोड़ रुपए की 33 संपत्तियां शामिल हैं। इनके अलावा भारतीय दूरसंचार सेवा के अधिकारी और एक्साइज विभाग के विशेष सचिव अरुणपति त्रिपाठी की 1.35 करोड़ रु की संपत्ति, त्रिलोक सिंह ढिल्लन की 28.13 करोड़ रु की नौ संपत्तियां, नवीन केडिया के 27.96 करोड़ रु के आभूषण और आशीष सौरभ केडिया/दिशिता वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की 1.2 करोड़ रु की चल संपत्तियां को कुर्क किया गया है। ईडी ने बताया कि अनवर ढेबर कुर्क की गई सम्पत्तियों में रायपुर स्थित होटल वेनिंग्टन कोर्ट भी शामिल है, जो उनकी फर्म ढेबर बिल्डकॉन द्वारा चलाया जा रहा है। इसके अलावा एक व्यवसायिक इमारत अकॉर्ड बिजनेस टॉवर भी शामिल है। कुर्क की गई सभी सम्पत्तियों की कुल कीमत 205.49 करोड़ रुपए है। इससे पहले शराब घोटाले की जांच के सिलसिले में विधु गुप्ता को गिरफ्तार किया था।

कश्मीर की शक्सगाम घाटी में चीन की नापाक हरकत

- बना डाली सड़क, भारत सरकार ने भी उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर की शक्सगाम घाटी में चीन की नापाक हरकत सामने आई है। ताजा सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि चीन दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र के करीब पक्की सड़क बना रहा है। दरअसल चीन सियाचिन कॉरीडोर के करीब अवैध रूप से कब्जे वाले कश्मीर में कंक्रीट सड़क का निर्माण कर रहा है। अब इसको लेकर भारत ने बड़ा कदम उठाया है। भारत ने जमीन पर स्थिति को बदलने के अवैध प्रयास के तहत शक्सगाम घाटी में निर्माण गतिविधियों को अंजाम देने को लेकर चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जायसवाल ने कहा कि शक्सगाम घाटी भारत का हिस्सा है और 1963 के तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को कभी स्वीकार नहीं किया।

आर. जी.एस+2हाई स्कूल चुरचू के बच्चों ने इंटर आर्ट्स में किया बेहतर प्रदर्शन

प्रतिनिधि,चुरचू। जैक द्वारा इंटर आर्ट्स के घोषित परीक्षा परिणाम में आर. जी.एस+2हाई स्कूल चुरचू के बच्चों ने इस वर्ष बेहतर प्रदर्शन किया। इस कॉलेज से इंटर आर्ट्स की परीक्षा में कुल 62 विधार्थी शामिल हुए थे जिसमें सभी विधार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए। इसमें 50विधार्थी प्रथम श्रेणी से एवं 12 विधार्थी द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। इसमें अंजनी कुमारी 381 अंक प्राप्त कर कॉलेज टॉपर रही। दूसरे स्थान पर रिंकी कुमारी को 372 अंक, तीसरे स्थान पर रही अनीशा मुर्मू को 370 अंक, चतुर्थ टॉपर मुस्कान खातून को 364अंक पांचवे टॉपर सेहाना परवीन को 354 अंक रिया कुमारी को 353 अंक हासिल हुआ है। किरण कुमारी एवं खुशबू कुमारी 351 अंक लाकर संयुक्त रूप से छठे स्थान पर रहीं। राधिका कुमारी 342, सातवें, स्थान में महिमा मुर्मू 340, रानी कुमारी 332, चांदनी गुप्ता 330, प्रमिला हंसदा 326,विकास कुमार 314 अंक लाकर , आठवें, नौवें, दसवें, ग्यारहवें एवं बारहवें स्थान पर रहे।विद्यालय के निर्देशक चंद्रदेव कुमार ने सभी सफल छात्र-छात्रओं को बधाई दी है। एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद ने कांग्रेस प्रत्याशी को सौंपा छह सूत्री मांग पत्र

- आदिवासी युवा सम्मेलन में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय
- आदिवासियों को समुचित मान-सम्मान और उनके हितों का संरक्षण जरूरी -प्रेम शाही मुंडा

वरीय संवाददाता

रांची/कांके। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय शुक्रवार को कांके प्रखंड अंतर्गत चौड़ी बस्ती मैदान में अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के तत्वावधान में आयोजित आदिवासी युवा सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री सहाय ने कहा कि आदिवासियों के मान-सम्मान और उनके हितों के संरक्षण के प्रति कांग्रेस पार्टी हमेशा तत्पर रही है। आगे भी आदिवासियों को समुचित सम्मान देने की दिशा में वह सतत प्रयासरत रहेंगे।

आदिवासी युवा सम्मेलन में काफी संख्या में विभिन्न आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधिगण शामिल हुए।

आदिवासी युवा सम्मेलन के माध्यम से रांची संसदीय सीट के लिए कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के नाम छह सूत्री मांग पत्र भी सौंपा गया।

मांग पत्र में मुख्य रूप से सरना कोड लागू करने, संविधान में बदलाव रोकने, आदिवासियों के सामाजिक व धार्मिक जमीनों की सुरक्षा करने, आदिवासी अगुवा नेता जब अपनी जमीन बचाने जाते हैं तो थाना पुलिस नहीं सुनती, उल्टा झूठा केस कर दिया जाता है, इस पर रोक लगाने, आदिवासी संगठनों के अगुवा को समुचित मान-सम्मान देने, चुनाव जीतने पर आदिवासी समाज से हर क्षेत्र के लिए एक-एक सांसद प्रतिनिधि या सलाहकार बनाने की मांग की गई। मौके पर श्री सहाय का आदिवासी संगठनों की ओर से पारंपरिक तौर तरीके से भव्य स्वागत किया गया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए आदिवासी जन परिषद के अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा ने कहा कि झारखंड में आदिवासी समुदाय हाशिए पर धकेले जा रहे हैं। इस पर रोक लगाने की दिशा में समुचित कदम उठाया जाना जरूरी है। श्री मुंडा ने सम्मेलन के माध्यम से सभी आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों का आह्वान करते हुए कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय आदिवासी समुदाय की समस्याओं के प्रति गंभीर हैं। कांग्रेस पार्टी द्वारा आदिवासियों को समुचित सम्मान मिलता रहा है।

इस अवसर पर आदिवासी लोहरा समाज के अभय भुटकुवर,अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के रांची जिला अध्यक्ष कुदरशी मुंडा, उपाध्यक्ष कजरू मुंडा, केंद्रीय सरना समिति के सचिव राजू मुंडा, नारायण उरांव, लक्ष्मण उरांव, लाला महली, शिवटहल नायक, केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिवा कच्छप, बोड़ेया पंचायत के सरपंच अमर तिर्की, सरना समिति कांके के पूर्व अध्यक्ष चमन तिर्की, नगड़ी की सीता कच्छप सहित काफी संख्या में आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधिगण मौजूद थे।

वी का इंटरनेशनल यात्रा को लेकर पोस्टपेड रोमिंग पैक पेश

रांची। प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने इंटरनेशनल यात्रा को चिंतामुक्त बनाने के लिए पेश किए अज़रबैजान एवं चुनिंदा अफ्रीकी देशों के लिए पोस्टपेड रोमिंग पैक पेश किया है। मात्र रु 749 की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध इंटरनेशनल रोमिंग पैक के साथ कनेक्टिविटी का सहज अनुभव पाएं। अज़रबैजान और 12 अन्य अफ्रीकी देशों के लिए नए इंटरनेशनल रोमिंग पैक लाया गया है। अज़रबैजान और अफ्रीकी देशों जैसे कैमरून, सूडान, रवांडा, आइवरी कोस्ट, लाइबेरिया, (इक्वाटोरियल) गिनीया, स्वाज़िलैण्ड, साउथ सूडा, युगांडा, ज़ाम्बिया और गिनिया बिसाउ की यात्रा करने वाले वी के पोस्टपेड उपभोक्ता अब मात्र रु 749 से शुरू होने वाले इंटरनेशनल रोमिंग पैक के साथ सहज कनेक्टिविटी का लाभ उठा सकते हैं। वी अपने पोस्टपेड उपभोक्ताओं के लिए इंटरनेशनल रोमिंग पैक के कई विकल्प लाए गए हैं जैसे 24 घण्टे का पैक, 10 दिन का पैक, 14 दिन का पैक और 30 दिन का पैक। इनके साथ वे विदेश यात्रा के दौरान भी अपने प्रियजनों के साथ जुड़े रह सकते हैं। साथ ही वी का 'ऑलवेज़ ऑन' फीचर उन्हें किसी भी पैक की एक्सपायरी के बाद उन्हें उंचे इंटरनेशनल रोमिंग शुल्क से सुरक्षित रखता है।

सैमसंग के समर सेल फैब ग्रैब फेस्ट की घोषणा

रांची। सैमसंग ने अपनी सबसे बड़े समर सेल फैब ग्रैब फेस्ट की घोषणा की है। इस सेल में सैमसंग.इन, सैमसंग शॉप ऐप और सैमसंग के एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर ग्राहक सैमसंग के प्रॉडक्ट्स को असाधारण डील्स और रोमांचक कैशबैक के साथ खरीद सकते हैं। फैब ग्रैब फेस्ट के दौरान, ग्राहक गैलेक्सी एस सीरीज, गैलेक्सी जेड सीरीज और गैलेक्सी ए सीरीज के स्मार्टफोन के चुनिंदा मॉडलों पर 64 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। गैलेक्सी टैबलेट, एक्सेसरीज़ और वियरेबल्स के चुनिंदा मॉडल 77 प्रतिशत तक की छूट पर उपलब्ध होंगे, वहीं गैलेक्सी बुक4 सीरीज के लैपटॉप के चुनिंदा मॉडलों की खरीद पर ग्राहक 24 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। सैमसंग टीवी के चुनिंदा मॉडल जैसे फ्लैगशिप नियो-क्यूएलईडी 8के, नियो क्यूएलईडी, ओएलईडी, द फ्रेम टीवी और क्रिस्टल यूएचडी सीरीज 43 प्रतिशत तक की छूट पर उपलब्ध होंगे। नियो क्यूएलईडी 8के, नियो क्यूएलईडी और ओएलईडी टीवी के चुनिंदा मॉडलों की खरीद पर ग्राहक 20,000 रुपये तक के बैंक कैशबैक का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, ग्राहक सभी टीवी की खरीद पर एक्सचेंज बोनस के रूप में 5000 रुपये तक का लाभ उठा सकते हैं। फैब ग्रैब फेस्ट% 2024 के तहत ग्राहक रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव, मॉनिटर और एयर कंडीशनर जैसे कई डिजिटल उपकरणों पर छूट और बेजोड़ कीमतों का लाभ उठा सकते हैं।

हमारे बाय मोर, सेव मोर प्लेटफॉर्म के साथ, ग्राहक सैमसंग.इन या सैमसंग शॉप एप के माध्यम से दो या दो से अधिक उत्पादों की खरीद पर अतिरिक्त 5त्न की बचत कर पाएंगे। बाय मोर, सेव मोर प्लेटफॉर्म उपभोक्ताओं को सैमसंग के कई प्रॉडक्ट्स पर बंडल ऑफर का लाभ उठाने का मौका देता है।

श्रमिकों के सम्मान में एनटीपीसी पकरी बरवडीह की ओर से अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर दिवस का आयोजन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बड़कागांव। एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना के द्वारा अपनी परियोजना के श्रमिकों के सम्मान में अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया गया। सीकरी स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस मनोरंजन कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख फैज तैयब के अलावा विभिन्न विभागों के विभाग अध्यक्ष कर्मचारी गण एवं संविदा पर कार्यरत सैकड़ो कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम में सबसे पहले विभिन्न विभागों के विभाग अध्यक्ष के द्वारा श्रमिक दिवस की बधाई दी गई। तत्पश्चात सभी ने एक एक कर अपनी बातें रखी। सभी विभागाध्यक्षों ने मुख्य रूप से इसी बात पर जोर दिया कि आप अपनी सुरक्षा और सेहत का बखूबी ख्याल रखें और अपने दायित्वों का निर्वहन यथासंभव करें। इस मौके पर परियोजना प्रमुख फैज तैयब ने भी इसी बात को दोहराते हुए कहा कि आपका स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है स्वस्थ रहेंगे और खुश होकर किसी काम को करेंगे तो यह हमारे कारगर सिद्ध होगा। और हम आप सब के सहयोग से सफलता की नई बुलंदियों को छुएंगे। उन्होंने सभी संविदा पर कार्यरत श्रमिकों को उनकी सेवा के लिए धन्यवाद देते और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज जितने भी कीर्तिमान हमारी परियोजना रच रही है उसमें आप सबका सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। परियोजना प्रमुख ने उम्मीद जताते क हुए श्रमिकों को कहा की हम आगे द्वा भी साथ मिलकर ऐसे ही सफलता क हासिल करते रहेंगे। इस मौके पर क श्रमिकों को प्रोत्साहित करने के लिए स स्मृति चिन्ह भेंट की गई जिससे कि उनके चेहरे पर एक मुस्कान और उम प्रोत्साहन देखने को मिला। मौके पर कृ मानव संसाधन अपर महाप्रबंधक क अमित अस्थाना के अलावा कई लोगन शामिल थे।

हजारीबाग लोकसभा निर्वाचन का नामांकन तिथि समाप्त

20 नामांकन प्रपत्र की हुई बिक्री 19 प्रत्याशी किया नामांकन

प्रतिनिधि,हजारीबाग।हजारीबाग लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 14 का नामांकन प्रपत्र भरने की तिथि समाप्त हो गई। लोकसभा चुनाव हजारीबाग के प्रत्याशीयो 20 आवेदन प्रपत्र की कुल बिक्री हुई। जिसमें 1 उम्मीदवार ने नामांकन नहीं किया और 3 मई को अंतिम समय सीमा के अंदर 19 प्रत्याशी चुनाव मैदान के लिए अपना-अपना आवेदन प्रपत्र जमा किया। जिसमें संजय कुमार मेहता निर्दलीय उम्मीदवार (जेबीकेकेएस), जयप्रकाश भाई पटेल (इंडियन नेशनल कांग्रेस) राजकुमार प्रसाद उर्फ बबलू (झारखंड पार्टी), श्याम बिहारी प्रजापति (निर्दलीय), कुंज बिहारी कुमार (निर्दलीय), मनीष कुमार जायसवाल (भारतीय जनता पार्टी), निशांत कुमार सिन्हा (पीपुल्स पार्टी ऑफ़ इंडिया डेमोक्रेटिक), अनिरुद्ध कुमार (कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया) शशि भूषण केसरी (निर्दलीय), मोहम्मद मोइनुद्दीन अहमद (बहुजन समाज पार्टी), मोहम्मद सिराज (निर्दलीय), सुरेश राम उर्फ सुरेश ठाकुर (भारतीय संवर्जन विकास पार्टी) छठी देवी (अखिल भारतीय परिवार पार्टी) भुवनेश्वर बेदिया (समता पार्टी) विनोद कुमार राणा (निर्दलीय),प्रकाश कुमार (निर्दलीय) के रूप में अपना नामांकन प्रपत्र निर्वाची पदाधिकारी हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय के सुपुर्द किया। वहीं उम्मीदवारों की नाम वापसी की तिथि 6 मई 2024 को 3 बजे संध्या तक है। इसके बाद जो अभ्यर्थी निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन किए हैं उनका नाम वापस नहीं होने के बाद 7 मई को चुनाव चिन्ह आवंटित किया जाएगा। 12 दिन बाद लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं को लुभाने के लिए चुनाव प्रचार प्रसार कार्य के बाद 20 मई 2024 को सुबह 7 से संध्या 5 बजे तक मतदान करने का समय है। वही मतगणना की तिथि 4 जून 2024 को चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित किया गया है।

सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव मंडल के सदस्य अतुल कुमार अंजन का निधन

पूर्व सांसद बीपी मेहता ने कहा किसान के लिए जीवन कर दिया समर्पित

प्रतिनिधि, हजारीबाग।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता और पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मंडल के सदस्य अतुल कुमार का निधन लंबे बीमारी के बाद लखनऊ में हो गया। हजारीबाग भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी कार्यालय में 2 मिनट मौन धारण कर उनके आत्म शांति के लिए हजारीबाग के पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता सहित पार्टी के अन्य सदस्यों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।भुनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि अतुल कुमार अंजान लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे। लखनऊ अस्पताल में उनके निधन हुई। अतुल कुमार अंजन प्रारंभ से ही राजनीति के क्षेत्र में जिज्ञासा रखते थे और बिहार के बांका जिले से निकलकर लखनऊ में एक राजनीति का मिसाल कायम किया। छात्र जीवन में ही लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्यक्ष चुने गए और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से एआईएसएफ के लिए अध्यक्ष चुने गए। अपनी पूरी जिंदगी किसानों पर न्योछावर कर दी। दिल्ली में किसान आंदोलन जब चल रहा था तो पूरे देश का नेतृत्व किसान आंदोलन के लिए अतुल कुमार अंजान ने किया और पूरे देश को आईना दिखाने का काम किया। उनके निधन से हिंदी भाषी क्षेत्र नेता विहीन हो चुका है जिसकी भरपाई करना असंभव है। सबसे बड़ी बात है कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं ने अतुल कुमार अंजान को पूरे देश में किसान सभा गठन करने की बात कही थी जिस पर देश का काला कानून किस बल के खिलाफ उन्होंने पूरे देश में मोर्चा खड़ा कर आंदोलन किया और इसके बाद उन्हें सफलता मिली और आज पूरा देश का किसान उनके निधन पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हैं। मौके पर अधिवक्ता शंभू कुमार, निजाम अंसारी, महेंद्र राम, गणेश कुमार सीटू, जमील खान, माजिद अंसारी, बिपिन बिहारी सिन्हा, शौकत अनवर, खतियानी परिवार के हकीम अंसारी, जमाल खान, राजू खंडेलवाल, साबिर खान, प्रेमचंद राम, अनवर हुसैन सहित अन्य पार्टी कार्यकर्तृता मौजूद थे।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में फैशन शो का आयोजन

अनेकता में एकता भारत की खूबसूरती - डॉ मुनीष गोविंद

प्रतिनिधि, हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस सभागार में फैशन शो का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शो के दौरान विभिन्न संस्कृति और पोशाक की झलक देखने को मिली। विश्वविद्यालय के फैशन शो में अलग-अलग परिधानों को पहनकर जब प्रतिभागियों ने रैंप पर वॉक किया तो पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस शो में विभिन्न राज्यों की संस्कृति और परिवेश के विविध रंग देखने को मिले। शो के दौरान जज के रूप में डॉ रोजीकांत, डॉ विनिता कुमारी व डॉ अरविंद कुमार मौजूद रहे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है। यहां के अलग-अलग भाषा, वेशभूषा और संस्कृति भारत को खास बनाती है, वहीं अनेकता में एकता के देश भारत की विभिन्न संस्कृतियां, इसकी पहचान है। उन्होंने कहा कि फैशन शो प्रतियोगिता से जहां विद्यार्थी विभिन्न संस्कृतियों से रूबरू होते हैं, वहीं विभिन्न क्षेत्रों या राज्यों के वेशभूषा को भी समझने का मौका मिलता है।

बता दें कि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर बीते 26 अप्रैल से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 16 मई को स्थापना दिवस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। फैशन शो में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में प्रणीत कुमार राणा, शिवम कुमार,ओम सिंह,कुंदन कुमार, विशाल, वासू कुमारी, रौशनी,तन्नू श्री, रविंद्र कुमार,सोनी कुमारी,मिकी राज, हेरा फातिमा, रौशनी सिंह, जेपी सिंह, किशोर कुमार, राज सौरभ, विवेक कुमार सहित अन्य विद्यार्थियों के नाम शामिल हैं। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक समिति प्रमुख डॉ प्रीति कुमारी, डॉ अरविंद कुमार, डॉ रोजीकांत, रितेश कुमार, सीमा कुमारी, सबीता कुमारी, एकता कुमारी, रविकांत कुमार, अमित कुमार सहित अन्य की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

मनीष जायसवाल के पक्ष में प्रचार में उतरी निशा जायसवाल, बहन लूना और देवरानी ट्विंकल ने भी झोंकी ताकत

दुसरे दिन विष्णुगढ़ प्रखंड का किया दौरा, नुक्कड़ के साथ मतदाताओं से जुड़कर वोट देने का कर रहीं हैं अपील

पुप्पू प्रतिनिधि

हज़ारीबाग़।हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के एनडीए उम्मीदवार मनीष जायसवाल के पक्ष में चुनाव प्रचार में सहयोग कर रही है उनकी धर्मपत्नी निशा जायसवाल मैदान में हैं। निशा जायसवाल ने गुरुवार को बरही और चौपारण क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया तो दूसरे दिन शुक्रवार को सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल की बहन लूना जायसवाल और देवरानी ट्विंकल जायसवाल के साथ मांडू विधानसभा क्षेत्र के विष्णुगढ़ प्रखंड के कई इलाकों का भ्रमण कर नुक्कड़ नाटक के जरिए मतदाताओं तक पहुंच बनाई और मतदाताओं को भाजपा के प्रति जागरुक करते हुए, मतदान करने का अपील किया। निशा जायसवाल के साथ बड़ी संख्या में चल रही महिलाएं अनोखे तरीके से मतदाताओं को जागरूक भी कर रही हैं ताकि मतदान का प्रतिशत भी बढ़ाया जा सके। भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष रेणुका साहू के नेतृत्व में भाजपा महिला मोर्चा की नेत्रियों संग निशा जायसवाल ने विष्णुगढ़ स्थित अखाड़ा चौक,कसेरा मुहल्ला, बनासो चौक, कुसुम्भा और भूताही मुरगाओ में नुक्कड़ नाटक कराया और आसपास के मतादाताओं से संपर्क साधा।

उनके साथ विशेषरूप से भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष रेणुका साहू, भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री सत्यभामा जिला मंत्री मनोरमा राणा, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता रानी शुक्ला, कंचन शर्मा, इंदु? देवी और विष्णुगढ़ पश्चिम की मंडल अध्यक्ष अंजू देवी सहित निशा जायसवाल की सहेली रूपा सिंह, रीना गुप्ता, मीता अग्रवाल, सुनिता अग्रवाल, दिसी अग्रवाल, मेघा अग्रवाल सहित अन्य शामिल रही ।

चौपारण प्रखंड के ढाब-सलोनिया में चल रहे अवैध खदान धसने से एक मजदूर की मौत

40 से अधिक वैध-अवैध क्रेशर और दर्जन भर पत्थर खदान हैं संचालित

संचालित क्रेशर मालिक फरार, उचित मुआवजे की कर रहें मांग

प्रतिनिधि,चौपारण। हजारीबाग-कोडरमा जिला के सीमावर्ती भटबीघा ढाब सलोनिया में गुरुवार को खदान धसने से नजीरगंज निवासी जयप्रकाश ऊर्फ छोटन सिंह की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। सूचना सुन मौके पर पहुंच बीडीओ सह सीओ संजय यादव,थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में रेस्क्यू किया गया,खदान काफी गहरा होने के कारण बड़ी मस्सकत के बाद लगभग आठ घंटे के बाद प्रशासन को शव निकालने में सफलता मिली,घटनास्थल पर डीएमओ हजारीबाग भी पहुंचे। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है और मुआवजे की कर रहें है मांग।

बता दें जानकारों के अनुसार भटबीघा से सटे ढाब सालोनिया में आदी जगहों पर खनन तथा स्थानीय प्रशासन की लापरवाही से बड़े पैमाने पर वैध तथा अवैध खनन होता है। आबादी वाले इलाके में भी भारी विस्फोट किया जाता है सुरक्षा के मापदंड का इस्तेमाल नहीं होता है। अवैध खनन का नेटवर्क बहुत लम्बा है जिसके परिणाम स्वरुप आये दिन घटना घटित होती है।गुरुवार की घटना इसी का परिणाम है की ड्रिल करते समय मिट्टी पत्थर के धसने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। जिला प्रशासन और प्रखंड प्रशासन कि लापरवाही साफ़ झलकता है कि अवैध खनन यहाँ पनपा हुआ है। सूत्रों से यह पता चला है कि यहाँ उगाही भी की जाती है जिसके चलते निडरता से पत्थर के कारोबारी कार्य कर रहें हैं।

भद्रकाली महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस का हुआ आयोजन

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो,इटखोरी (चतरा)। भद्रकाली महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई 1एवम 2 के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर दुलार ठाकुर ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन के साथ की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि मजदूरों को सम्मान देने और उन्हें उनका अधिकार दिलाने के लिए दुनिया भर में प्रतिवर्ष 1मई को मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका काफी लंबा इतिहास रहा है जिसमें मजदूरों को पूंजीपतियों के शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए समय समय पर दुनिया के अलग अलग देशों में किए गए आंदोलनों की कहानी है। किसी देश के विकास में मजदूरों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। प्रो0 ललित मोहन चौधरी ने कहा कि मजदूर दिवस की शुरुआत 1886 ईस्वी से न्यूयार्क से की गई जबकि भारत में चेन्नई से 1923 से इसका प्रारंभ हुआ। वामपंथी पार्टियों ने मजदूरों के हितों में कार्य करने के लिए औद्योगिक प्रबंधकों तथा सरकारों को मजबूर किया। कार्ल मार्क्स ने मजदूरों को संगठित होने के लिए दुनिया के मजदूरों एक हो का नारा दिया। मजदूर ही किसी राष्ट्र के नवनिर्माण और विकास के रीढ़ होते हैं। कार्यक्रम को अन्य वक्ताओं एवम छात्र छात्राओं ने भी संबोधित करते हुए मजदूर दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन एवम धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस इकाई एक के कार्यक्रम प्रभारी प्रो0 संदीप कुमार ने की।

मारुति सुज़ुकी ने शुरू की अपनी बहुप्रतीक्षित कार एपिक न्यू स्विफ्ट की प्री-बुकिंग

रांची। मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड ने अपनी बहुप्रतीक्षित कार चौथी पीढ़ी की एपिक न्यू स्विफ्ट के लिए प्री-बुकिंग शुरू करने की घोषणा की है। ग्राहक 11,000/- रुपए का भुगतान कर एपिक न्यू स्विफ्ट की प्री-बुकिंग करा सकते हैं। इस ऑल न्यू जेनेरेशन, एपिक न्यू स्विफ्ट को पहले से बेहतर डायनेमिज्म और मजेदार ड्राइविंग के अनुभव के साथ इसकी बहुचर्चित सिग्नेचर स्पोर्टी डिज़ाइन के साथ तैयार किया गया है।

मारुति सुज़ुकी की स्विफ्ट भारत की नंबर 1 प्रीमियम हैचबैक कार रही है। लॉन्च के बाद से इसकी 29 लाख से अधिक कारें बिक चुकी हैं। अपने बेशुमार प्रशंसकों के साथ, इस स्पोर्टी प्रीमियम हैचबैक ने स्विफ्ट और डायनेमिक ड्राइविंग परफॉर्मेंस के मामले में अपने सेगमेंट के बेंचमार्क को नए सिरे से परिभाषित किया है। अब, एपिक न्यू स्विफ्ट दमदार तरीके से अपनी इस समृद्ध विरासत को आगे ले जाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड के सीनियर एग्जिक्यूटिव ऑफिसर, मार्केटिंग एंड सेल्स, श्री पार्थो बनर्जी ने कहा, ÷ एपिक न्यू स्विफ्ट को अपने बहुचर्चित स्पोर्टी डीएनए के साथ पेश किया गया है। इसी के साथ ही जहां नई पीढ़ी का अत्यधिक जोर पर्यावरण सुरक्षा की ओर है, इस दिशा में बेहद कम उत्सर्जन के साथ यह कार इस अपेक्षा को भी पूरा करती है। हमेशा की तरह, अगली पीढ़ी की स्विफ्ट प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में नए मानक स्थापित करने और %जॉय ऑफ मोबिलिटी% की सोच को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

कांके स्थित लक्ष्मण चौक पर शहीद लक्ष्मण महतो की प्रतिमा पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने किया माल्यार्पण

कहा, अमर शहीदों का बलिदान व्यर्थ न जाने दें

विशेष संवाददाता,रांची। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने शुक्रवार को कांके प्रखंड के लक्ष्मण चौक स्थित शहीद लक्ष्मण महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मौके पर अपने संबोधन में श्री सहाय ने कहा कि समाज के लिए समर्पित शख्सियत अमर शहीद लक्ष्मण महतो का बलिदान अविस्मरणीय है। समाज सेवा के प्रति उनका उल्लेखनीय योगदान भुलाया नहीं जा सकता।

तत्पश्चात सुंदर नगर व कांके चौक पर श्री सहाय ने इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लिए जनहित सर्वोपरि है। कांग्रेस पार्टी द्वारा बनाई गई जनकल्याणकारी नीतियों से काफी संख्या में जनता लाभान्वित हो रही है। उन्होंने छह मई को कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के नामांकन में शामिल होकर चुनावी तैयारियों में जुट जाने की कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया।

इस अवसर पर सहदेव सिंह मुंडा, जमील अख्तर, सज्जाद अंसारी, सुरेश बैठा, संजर खान, लाला महली, तरुण पाहन, तस्लीम अंसारी, शमीम, राहुल, लालचंद सोनी, सीताराम, शुक्रा उरांव, विनोद साहू, अर्जुन मुंडा, कुलदीप महली, शालिग्राम महतो, राधा नायक, अशोक महतो, बुद्धेश्वर लोहरा, गौरी शंकर महतो, जावेद अख्तर, रामदेव सिंह, अनिता देवी, किरण देवी, बसंती देवी, संजू देवी, फूलमनी देवी, जितेंद्र उरांव, सहित काफी संख्या में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता मौजूद थे।

मतदान केंद्रों पर साफ-सफाई, पेयजल व अन्य सुविधाएं सुनिश्चित कराने में करें सहयोग : उपायुक्त

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गढ़वा। जिले में मतदान प्रतिशत दर बढ़ाने के उद्देश्य से स्वीप गतिविधियों के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में समाहरणालय गढ़वा स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, गढ़वा शेखर जमुआर द्वारा मतदाताओं को जागरूक कर शतप्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से सभी मुखिया एवं वार्ड सदस्य जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक किया गया। बैठक में मुख्य रूप से स्वीप कार्यक्रम के तहत चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचने में सभी जन प्रतिनिधियों को सहयोग करने को कहा गया, जिससे अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान करने हेतु प्रेरित किया जा सके। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने 13 मई 2024 को मतदान के दिन अपने-अपने क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित कर शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने को कहा। उन्होंने क्षेत्र के मतदाताओं से उक्त मतदान की तिथि को सुबह 7ः00 से संध्या 5ः00 के बीच मतदान केन्द्रों पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करने का अपील किया। साथ ही उपस्थित सभी मुखिया, वार्ड सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को मतदान के दिन अपने-अपने क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने में सहयोग करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अबकी बार 80% के पार मतदान का नारा लोकसभा चुनाव 2024 के लिए दिया गया है, जिसके तहत हम मतदाताओं को जागरूक कर अधिक से अधिक मतदान कराना सुनिश्चित करें और गढ़वा जिला में एक अलग कीर्तिमान स्थापित करें। वहीं बैठक में जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से मतदान के लिए किए गए तैयारी की भी जानकारी सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों को दी गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर एवं आवश्यकता अनुसार वाहनों की व्यवस्था भी की जाएगी एवं मतदान केन्द्रों पर मतदान कर्मी एवं मतदाताओं के लिए चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति भी की जाएगी, जिससे तेज धूप एवं गर्मी के बीच मतदान करने में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई जा सके। मतदान केन्द्रों पर पेयजल, शौचालय, विद्युत, शेड, रैंप, बैठने की व्यवस्था, महिला एवं पुरुषों का अलग-अलग कतार बनाने समेत अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई ताकि मतदान के लिए आने वाले मतदाताओं को समस्या न हो। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा भी विभिन्न प्रकार के सुझाव दिए गए एवं अपनी बातों को रखा गया तथा मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर अपेक्षित सहयोग करने की बात कही गई। मतदाता जागरूकता हेतु विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों से भी अपने-अपने क्षेत्र में रात्रि चौपाल, गीत-नाट्य, नुक्कड़-नाटक, गीत-संगीत, रैली, रंगोली आदि अन्य लोकप्रिय माध्यमों से मतदाताओं को जोड़ते हुए उन्हें अपने वोट के अधिकार का प्रयोग अवश्य करने हेतु प्रेरित करने की बात कही गई। बैठक में कहा गया कि आप सभी के वार्ड में स्वीप के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में जरूर सहभागिता दर्ज कराएं, जिससे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम और प्रभावी ढंग से क्षेत्र के मतदाताओं के बीच पहुंचे और उन्हें मतदान करने हेतु प्रेरित किया जा सके। इस बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त पशुपति नाथ मिश्रा, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, प्रमेश कुमार कुशवाहा समेत सभी मुखिया, वार्ड सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

नशे के सौदागरों के विरुद्ध इटखोरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई बड़ी मात्रा में अवैध शराब हुआ जप्त

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो,इटखोरी (चतरा)। इटखोरी पुलिस ने अवैध शराब के कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 16 पेटी अवैध शराब जब्त की। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की और एक स्काई ब्लू रंग की हुंडई सेंट्रो कार से 384 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की। बरामद शराब में मैकडॉवेल, स्टर्लिंग रिजर्व और रॉयल स्टैग कंपनी की बोतलें शामिल थीं। एक वीवो कंपनी का एंड्रॉइड मोबाइल और एक स्काई ब्लू रंग की हुंडई सेंट्रो कार भी जब्त की गई, बुधवार को इटखोरी चतरा रोड नगवां पुल के पास से एक स्काई ब्लू रंग का हुंडई सैंटरो कार जिसका रजिस्टर नंबर WB02T-1254- पर लदा 16 से पेटी में कुल-384 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है। इस संदर्भ में ईटखोरी थाना कांड- 51/2024/ धारा- 272/273 उत्पाद अधिनियम दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रहा रही है। बरामद सामान मेकडॉल्स कम्पनी का 375 एमएल का 08 पेटी में रखा 24 बोतल, कुल-192 पीस (क्र) कम्पनी का 375 एमएल का 04 पेटी में रखा 24 बोतल कुल- 96 पीस 3. रॉयल स्टेज कम्पनी का 375 एमएल का 04 पेटी में रखा 24 बोतल कुल- 96 पीस, कुल -384 बोतल,एक वीवो कम्पनी का एंड्रोयड मोबाईल, एक स्काई ब्लू रंग का हुंडई सेन्ट्रो कार छापामारी दल में शामिल पदाधिकारी पलिस उपाधीक्षक चतरा रोहित कुमार रजवार, थाना प्रभारी सुर्य प्रताप सिंह, इंस्पेक्टर मंजू कुमारी, पुलिस शास्त्रबल गोलकचन्द महतो,साबास आलम,चालक रविकांत सिंह अन्य शामिल थे।

चुनावी सभा पत्थलगड़ा पहुंचे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री

- चतरा लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह के पक्ष में मतदान करने का किया अपिल
- चुनावी सभा में हजारों की संख्या में पहुंचे ग्रामीणों

प्रतिनिधि,पत्थलगड्डा। चतरा लोकसभा क्षेत्र के पत्थलगड्डा के पावन धरती पर सभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा हमारे माननीय प्रधानमंत्री मोदी ने यह कहा है कि अगर 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प साकार करना है तो चतरा लोकसभा क्षेत्र से स्थानीय लोकसभा प्रत्याशी कालीचरण सिंह को भारी मतों से विजयी बनाकर 2047 तक विकसित भारत संकल्प में अपना अहम योगदान दें। वहीं उन्होंने कहा कि आज सभी कोई हाथ उठाकर यह संकल्प लें कि कालीचरण सिंह को पांच लाख मतों से विजयी बनाकर संसद भवन भेजने का काम करें जिससे प्रधानमंत्री के हाथों को मजबूत किया जा सके। वहीं उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने जो 60 साल में नहीं किया, वह मोदी ने 10 वर्षों में कर दिखाया है। इतना ही नहीं भ्रष्टाचार मुक्त भारत ही नहीं, झारखंड में भी डबल इंजन की सरकार बनाने की अपील किया। वहीं भाजपा की सरकार बनने के बाद झारखंड भी भ्रष्टाचार मुक्त होने की बात बताई। प्रखंड के प्रसिद्ध लालू मैदान में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष कहता है कि लोकतंत्र खतरे में है, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है। सिर्फ विपक्ष का नींद हराम हो गया है उसकी पार्टी खतरे में है, जिससे उसका मनोबल गिरता चला जा रहा है। वहीं राहुल गांधी कहते हैं की अगर हमारी सरकार बनी तो धारा 370 वापस ले आएंगे, हम आप सबको विश्वास दिलाते हैं की राहुल गांधी अपने जीवन में भी धारा 370 को वापस नहीं ला सकते हैं। उन्होंने कहा की कांग्रेस ने कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान को सौंप दिया था उस पाकिस्तान वाले कब्जे के कश्मीर क्षेत्र में तिरंगा फहराने के लिए चार सौ पार की आवश्यकता है। साथ ही गरीबों को मुफ्त में अनाज, बिजली,पानी और मकान मिलता रहे इसके लिए भी मोदी सरकार को 400 पर की आवश्यकता है। उ

न्होंने आगे कहा कि अगर मोदी नहीं होते तो सर्जिकल स्ट्राइक नहीं होता। आज यहां से संकल्प लेकर जाएं की राम के चरणों में इतना कमल चढ़ाया जाए जिससे झारखंड सहित भारत कांग्रेस मुक्त हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि अगर धारा 370 हटा है तो हर बूथ पर 370 वोट अधिक चाहिए। इस मौके पर भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह, पूर्व मंत्री रणधीर कुमार सिंह,विधायक किशुन कुमार दास, जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता, अशोक शर्मा, उज्जवल दास, सुजीत भारती, बालेश्वर कुशवाहा सहित सहित अन्य वक्ताओं ने सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सतीश कुमार व संचालन बासुदेव दांगी ने किया।

चौपारण पुलिस ने नशे के सौदागर को किया गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा जेल

प्रतिनिधि, चौपारण(हजारीबाग)। मंगलवारको संध्या में पुलिस अधीक्षक, हजारीवाग के द्वारा गुप्त सूचना दी गयी कि बेला निवासी मुकेश कुमार दांगी के द्वारा ग्राम-बेला चौक के पास ब्राउन सुगर एवं हेरोइन खरीद बिक्री करने की सूचना है। जिसका सत्यापन कर आवश्यक कार्रवाई हेतु आदेशित किया गया। प्राप्त आदेश के आलोक में अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, बरही सुरजीत कुमार एवं थाना प्रभारी, चौपारण दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया, इस छापामारी दल में पु0अ0नि0 विन्देश्वर महतो,पु0अ0नि0 निलेश कुमार रंजन एवं चौपारण थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। प्राप्त सूचना के आलोक में जांच-पड़ताल करने पर पाया गया कि मुकेश कुमार दांगी पिछले कुछ वर्षो से बेला चौक के पास चोरी-छीपे नवयुवकों को ब्राउन सुगर एवं हेरोईन का सप्लाई/बिकी करते आ रहा है। और आज भी कुछ युवक उससे मादक पदार्थ खरीदने हेतु पहुंचे हुए है। तत्पश्चात मुकेश कुमार दांगी को पकड़ने के लिए छापामारी दल चौक की ओर बढ़ने लगा तो मुकेश कुमार दांगी एवं उसके पास खड़े युवक पुलिसबल को आता हुआ देखकर वहां से इधर-उधर भागने का प्रयास करने लगे। जिनमें एक व्यक्ति को खदेड़कर पकड़ लिया गया। जिसने पुछताछ के क्रम में अपना नाम मुकेश कुमार दांगी पिता-सेवा महतो ग्राम-बेला थाना-चौपारण जिला-हजारीबाग बताया। जिसके पास से तलाशी के कम में बांये पॉकेट से 02 पीला रंग का छोटा-छोटा प्लास्टिक में रखा कुल 09 कागज का पुड़िया बरामद हुआ। जिसमें से 04 कागज के पुड़िया में 45 ग्रामब्राउन सुगर एवं 06 कागज के पुड़िया में 6 ग्राम हेरोईन, 2200 / रू0 नकद एवं एक ओप्पो कम्पनी का मोबाईल बरामद हुआ। इस संदर्भ में चौपारण थाना काण्ड संख्या-140/24 दिनांक- 01.05.2024 धारा - 414 भा0द0वि0, 21(c)/22(c)/29 NDPS Act के अंतर्गत मामला दर्ज का अनुसंधानभार दर्ज कर अनुसंधानभार पु0अ0नि0 निलेश कुमाररंजन को सौपा गया है। बरामद सामानों की विवरणी इस प्रकार है 4.5 ग्राम ब्राउन सुगर, 6 ग्राम हेरोईन, कुल 10.5 ग्राम मादक पदार्थ। ओप्पो कम्पनी का ग्रे रंग का स्मार्ट मोबाईल 2200/रू0 नकद है। गिरफ्तार अभियुक्त कौन न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

बोर्ड ऑफ़ स्टडीज की बैठक संपन्न

प्रतिनिधि,दुमका। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग में शुक्रवार को विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ़ स्टडीज एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विषय विशेषज्ञ के रूप में कुलपति नामित टी एम बी युनिवर्सिटी भागलपुर के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. निरंजन प्रसाद यादव वर्चुअल रूप से उपस्थित थे। इस हाईब्रिड बैठक में ÷बोर्ड ऑफ़ स्टडीज ÷ का संचालन एवम विषय प्रवेश विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने किया। सदस्यों की सहमति से यू जी एवं पी जी पाठ्यक्रम के सभी यूनिटों का बारीकी से सारगर्भित तौर पर विषय की सार्थकता को ध्यान में रखते हुए विश्विद्यालय के दिशा निर्देश में आवश्यक मोडिफिकेशन किया गया। वर्तमान समय एवम विषय की महत्ता को देखते हुए कंटेंट में आवश्यक मोडिफिकेशन किया गया। कुलमिलाकर यू जी एवम पी जी के सिलेबस को यू जी सी के मानदंडों के तहत रुचिकर, ज्ञानवर्धक, व्यवहारिक व रोजगारोन्मुखी बनाने का भरसक प्रयास किया गया। साथ ही इलेक्टिव पेपर हेल्थ साइकोलॉजी को बहुत सरल, उपयोगी व व्यवहारिक बनाने का प्रयास किया गया जहां दूसरे विषयों के विद्यार्थी मनोविज्ञान में रुचि बढ़ाने के साथ कैरियर भी बना सकते है। इलेक्टिव पेपर के रूप में फोरेंसिक साइकोलॉजी, कम्युनिटी साइकोलॉजी, क्रिमिनल साइकोलॉजी, योगा एंड मेंटल हेल्थ, साइकोलॉजिकल काउंसलिंग, पॉजिटिव एंड साइबर साइकोलॉजी जैसे विषयों से विद्यार्थी एकेडमिक लाभ उठा सकते है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन विभाग के शिक्षक डॉ. स्वतंत्र कुमार सिंह ने किया इस हाईब्रिड बैठक में साहेबगंज कॉलेज के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अनूप साह, स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग के डॉ.स्वतंत्र कुमार सिंह, संताल परगना कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कलानंद ठाकुर व रिसर्च स्कॉलर दशरथ महतो उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभाग के स्टूडेंट्स भी जुड़े थे।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों से जुड़े तथ्यों पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को दी जानकारी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गढ़वा। समाहरणालय स्थित सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर द्वारा लोकसभा आम चुनाव 2024 की तैयारी के संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा 16 मार्च 2024 को भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा लागू आदर्श आचार संहिता के पश्चात गढ़वा जिले में अब तक किए गए कार्रवाई एवं 13 पलामू लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के लिए निर्धारित संपूर्ण निर्वाचन कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रतिनिधियों के साथ साझा की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 13 पलामू लोकसभा क्षेत्र में चौथे फेज में चुनाव होना है, जिसके लिए 18 अप्रैल 2024 को अधिसूचना की तिथि है, 25 अप्रैल 2024 नाम निर्देशन करने की अंतिम तिथि है, 26 अप्रैल 2024 को नाम निर्देशनों की संवीक्षा की तिथि है, 29 अप्रैल 2024 को अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि है, 13 मई 2024 को मतदान की तिथि है एवं 4 जून 2024 को मतगणना की तिथि है। उन्होंने बताया कि डिस्पैच सेंटर के रूप में 80 गढ़वा एवं 81 भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए श्री सद्गुरु जगजीत सिंह नामधारी महाविद्यालय गढ़वा जबकि 76 डाल्टनगंज एवं 77 विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र हेतु गणेश लाल अग्रवाल महाविद्यालय डाल्टनगंज को तैयार किया गया है। सभी के लिए रिसीविंग सेंटर कृषि उत्पादन बाजार समिति पलामू को बताया गया। गढ़वा जिले में मतदाताओं कि संख्या 1041022 है, वहीं प्रथम बार मतदान करने वाले नए मतदाताओं की संख्या 30142 है। जिसमें 80 गढ़वा में 14790 एवं 81 भवनाथपुर में 15352 है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा महिला मतदान केंद्र, क्रिटिकल बूथ, यूनिक मतदान केंद्र के संबंध में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। कंपोजिट कंट्रोल रूम के बारे में उन्होंने बताया कि यह 24/7 कार्यरत है। भारत निर्वाचन आयोग के सभी गाइडलाइंस का अनुपालन करते हुए निर्वाचन से जुड़े सभी कार्यो को किया जा रहा है। एमसीसी के शतप्रतिशत अनुपालन हेतु वर्तमान में फ्लाइंग स्क्वायड टीम, स्टेटिक सर्विलांस टीम एवं वीडियो सर्विलांस टीम, वीडियो भिविंग टीम के माध्यम से असामाजिक तत्वों, अवैध शराब समेत अन्य गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने जिले में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने को लेकर स्वीप कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दिया। उन्होंने कहा कि अबकी बार 80 पार के नारे के तहत जिले में 80% से अधिक मतदान सुनिश्चित करना हमारा प्रयास है, उन्होंने मीडिया के माध्यम से आमजनों से अपील किया कि 13 मई को सुबह 7 बजे से संध्या 5 बजे के बीच मतदान के दिन लोग अपने घरों से बाहर निकल कर, मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान अवश्य करें। मतदान केंद्रों पर मतदान के दिन की जाने वाली व्यवस्थाओं, ए एम एफ सुविधाओं एवं वालेंटियर की प्रतिनियुक्ति को लेकर भी उपायुक्त ने जानकारी दिया, उन्होंने बताया कि एनएसएस/ एनसीसी समेत अन्य के तहत वालेंटियर के रूप में मतदान के दिन मतदान केंद्रों पर इनकी प्रतिनियुक्ति की जाएगी जो 85 प्लस के वृद्धि मतदाताओं, दिव्यांग मतदाताओं समेत अन्य को मतदान केंद्रों पर मतदान दिलाने हेतु सहयोग करेंगे। ऐसे मतदाताओं के लिए वाहन, व्हील चेयर की व्यवस्था को लेकर भी उपायुक्त द्वारा जानकारी दिया गया। साथ ही मतदान केंद्रों पर शेड की व्यवस्था की जा रही है। मतदान के दिन मतदान केंद्रों पर मेडिकल टीम की प्रतिनियुक्ति को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि पूर्व के चुनाव में मतदान कर्मियों को मेडिकल किट दिया जाता था परंतु इस बार से मतदान केंद्रों पर मेडिकल किट के साथ स्वास्थ्य सहिया को रखा जाएगा। जहां ओआरएस समेत अन्य व्यवस्था मतदान केंद्र पर मौजूद रहेगा, जिससे मतदान कर्मियों एवं मतदाताओं को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपरोक्त के अतिरिक्त अपर समाहर्ता मतियश विजय टोप्पो, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुशील कुमार राय, भूमि सुधार उप समाहर्ता रंका-सह-स्वीप नोडल पदाधिकारी प्रमेश कुशवाहा, जिला योजना पदाधिकारी-सह-जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अमित कुमार केसरी, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के ब्यूरो चीफ एवं प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

अभिनंदन समारोह में उमड़ी भीड़

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कार्यकर्ताओं का जताया आभार

प्रतिनिधि,रांची/बुकरू। कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के अभिनंदन समारोह में बुकरू चौक पर इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के कार्यकर्ताओं व स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी।

इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने सभी कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ होते हैं। उन्होंने छह मई को कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के नामांकन के साथ ही चुनावी तैयारियों में जुट जाने के लिए कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया।

मौके पर निलेश मिश्रा ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर महावीर मुंडा, जय मुंडा, अमन तिवारी, राजेश कुजूर, मदन गुराइत, पप्पू तिवारी, मंतोष मुंडा, पंकज गुराइत सहित काफी संख्या में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद थे।

राजद ने किया एकदिवसीय बैठक का आयोजन

प्रतिनिधि,मनिका (लातेहार)। मनिका प्रखण्ड मुख्यालय स्थित राजद नेता बली प्रसाद यादव के आवास में शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल के द्वारा प्रखण्ड स्तरीय बैठक किया गया। बैठक में राष्ट्रीय जनता दल के महासचिव संजय प्रसाद यादव ने लोगों को कहा की इंडिया गठबंधन के लिए एकजुट होकर काम करना है। मौके पर रघुपाल सिंह, जितेन्द्र यादव, देवबंश प्रसाद यादव, रामसेवक उराव, अरविन्द यादव, संतोष यादव, अनिल विश्वकर्मा, राजेश्वर यादव, रंजीत यादव, दामोदर यादव समेत कई राजद कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ऑनलाइन पढ़ाई कर प्रखण्ड टॉपर बनी प्रीती

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,मनिका (लातेहार)। कहते हैं सफलता हमेशा मेहनत करने वालों पर जान लूटा देती है। इसका उदाहरण लातेहार जिले की एक छात्रा है। बता दें की जैक द्वारा इंटर की परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया है। जिसमें लातेहार जिले की इंटर स्कूल मनिका की विज्ञान संकाय की छात्रा प्रीति कुमारी ने 404 अंक लाकर प्रखण्ड में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

दरअसल, लातेहार जिले के मनिका प्रखंड के निवासी रामलखन यादव की 18 वर्षीय पुत्री प्रीती कुमारी ने इंटर की परीक्षा में प्रखण्ड में टॉप किया है। बातचीत के दौरान प्रीती कुमारी ने बताया कि उनके पिता किसान है। वो अपने घर में ही रहकर ऑनलाइन पढ़ाई करती थीं। उन्हें ये सफलता काफी मेहनत से मिली है। इसमें कॉलेज के शिक्षक, परिवार और रिश्तेदार का भरपूर सपोर्ट मिला है।

7 मई को होगा सोशल मीडिया कैंपेन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,गढ़वा। लोकसभा आम चुनाव 2024 को हम लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मना रहे हैं। इसे लेकर मतदाताओं को जागरूक करने हेतु जिला एवं प्रखंड स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर ने कहा कि निर्वाचन में हर किसी को बराबर का अधिकार है, हम सभी को इसमें अपना योगदान देने के साथ-साथ अपने आस-पास इसके प्रति लोगों को प्रेरित भी करना है। आगे उन्होंने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग द्वारा 7 मई को अपराह्न 6 बजे से 8 बजे तक #MainBhiElectionAmbassador सोशल मीडिया कैम्पेन का आयोजन किया गया है। उक्त अभियान में गढ़वा जिले के सभी स्कूल/कॉलेज के बच्चे, इंफ्लुएंसर, सेलेब्रिटी समेत आम नागरिक अवश्य भाग लें। इस बीच हर नागरिक मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने और निर्वाचन के महापर्व को उत्साहपूर्ण ढंग से मनाने के लिए अपने निर्वाचन कार्यों के डिजिटल कंटेंट को सोशल मीडिया पर अवश्य अपलोड करें और इस मुहिम का हिस्सा बने। अभियान को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाताओं को निर्वाचन के महत्व को बताते हुए उन्हें मतदान में अपनी भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करना हमारी प्राथमिकता है। इसके साथ साथ मतदाताओं को नैतिक मतदान के लिए भी जागरूक करना एक महत्वपूर्ण कार्य है। आम लोगों को 'मैं भी इलेक्शन अम्बेसडर 'जैसे कार्यक्रमों से जोड़कर लोकतंत्र के एक जागरूक मतदाता के रूप में हम उन्हें मतदान करने हेतु प्रेरित कर सकेंगें।

जीएस महाविद्यालय पितिज में मनाया गया वार्षिक सम्मान समारोह

इंटर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को किया गया सम्मानित उज्जवल भविष्य की दी गई शुभकामनाएं

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो,इटखोरी (चतरा)। इटखोरी पितीज स्थित जीएस महाविद्यालय में शुक्रवार को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रखंड के प्रमुख प्रिया देवी एवं विशिष्ट अतिथि पंचायत के मुखिया रामदेव यादव शामिल हुए। दीप प्रज्ज्वलित कर स्मार्ट बोर्ड का उद्घाटन किया गया। प्रमुख प्रिया देवी ने कहा कि शिक्षा पाने का लक्ष्य केवल निजी या सरकारी विभाग में उच्च पदों पर आसीन होना नहीं है। बल्कि समाज की रचना में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करना है। समारोह के अध्यक्ष करते हुए विद्यालय के निदेशक सूर्यदेव प्रजापति ने कहा कि प्रतिभाओं के सम्मान से छात्र एवं छात्राए को आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है इसलिए नई प्रतिभाओं को दिशा निर्देश देने के साथ-साथ संसाधनों की पूर्ति में सहयोग देना आवश्यक है। समारोह में इस वर्ष की इंटर की परीक्षा में उत्कृत प्रदर्शन करने वाले छात्र एवं छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसमें प्रथम आने वाली छात्राए रूपा कुमारी, नाजरीन लिखत, करिश्मा कुमारी, अंजली कुमारी, सोनी कुमारी, मौसम, उषा कुमारी, रूपा कुमारी, किरण कुमारी, सुधा कुमारी, अंजू कुमारी, प्रियंका कुमारी, लक्ष्मी कुमारी शामिल है।

विस्थापितों के हक अधिकार को बचाना है तो महागठबंधन प्रत्याशी को जीत दिलाना होगा : अंबा प्रसाद

- जेपी पटेल के केरेडारी एवं पिपरवार दौरा को लेकर अंबा प्रसाद ने गठबंधन के साथियों के साथ की बैठक
- 5 मई को जयप्रकाश भाई पटेल का केरेडारी एवं पिपरवार का होगा दौरा

प्रतिनिधि,केरेडारी। आगामी 5 मई दिन रविवार को लोकसभा महागठबंधन प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल का केरेडारी एवं पिपरवार दौरा व जनसंपर्क करना सुनिश्चित हुआ है। दिन रविवार को होने वाले जनसंपर्क अभियान को लेकर केरेडारी में महागठबंधन के नेता एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक हुई। उक्त बैठक में मुख्य रूप से स्थानीय विधायक सुश्री अंबा प्रसाद मौजूद रही। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सह 20 सूत्री उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार गुप्ता एवं संचालन मो. दिलदार अंसारी ने किया।

बैठक में लोकसभा प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल को भारी मतों से विजयी बनाने एवं आगामी रविवार को होने वाले जनसंपर्क अभियान को लेकर तैयारी को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि रविवार को प्रखंड के सभी 16 पंचायत एवं पिपरवार क्षेत्र के तीन पंचायतों में जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा जिसका रूट चार्ट भी बनाया गया। विधायक अंबा प्रसाद ने संबोधित करते हुए कहा कि विस्थापितों के हक अधिकार को बचाना है तो महागठबंधन प्रत्याशी को जीत दिलाना होगा।पूरे लोकसभा क्षेत्र में जयप्रकाश भाई पटेल को सभी जाति, समुदाय का भरपूर सहयोग मिल रहा है, आने वाले 20 मई को एकजुटता का परिचय देते हुए हाथ छाप का बटन दबाकर लोकसभा प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल को विजय बनाना है। महागठबंधन के सहयोगी माले नेता पैरु प्रताप ने अनुशासन में रहकर जनसंपर्क अभियान चलाने की बात कही। वहीं झामुमो नेता विनेश पासवान ने कहा कि महागठबंधन प्रत्याशी को जीत दिलाने के लिए जो भी जिम्मेदारी मिलेगी उसका निर्वहन ईमानदारी से करूंगा।वहीं प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र गुप्ता ने महागठबंधन के घटक दलों से जनसंपर्क अभियान में शामिल होने का आह्वान किया है। रविंद्र गुप्ता ने बताया कि रविवार को सुबह 6:30 बजे से प्रखंड के राजाबागी से जनसंपर्क अभियान की शुरुआत होगी जो देवरिया, बारियातू, कंडाबेर, बेलतू, हेवई, मनातू, पांडू, बेगबरी, चट्टी बरियातू, पचड़ा, किचटो, बचरा उतरी, पताल, बुंडू, सलगा, पेटो, कराली, केरेडारी गरीकला में समाप्त होगी। विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव ने महिलाओं की बढ़ चढ़कर हिस्सेदारी की बात कही। मौके पर मुख्य रूप से प्रमुख सुनीता देवी, विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव, 20 सूत्री अध्यक्ष अर्जुन राम, प्रखंड उपाध्यक्ष रविंद्र पांडे, मंडल अध्यक्ष चंदन गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष नरेश साव, पंचायत अध्यक्ष बालेश्वर साव, दिलीप कुमार गिरी, उमेश साव, संतोष कुमार शर्मा,विनेश पासवान, अनिल कुमार तिवारी विजय देवा, झामुमो नेता गुप्तेश्वर प्रसाद महतो, संदीप कुमार नायक,प्रखंड प्रवक्ता दशरथ दुबे, माले नेता पैरू प्रताप, वरिष्ठ कांग्रेसी रामकुमार दुबे, विनोद साव, राम अवतार साव, रूपेश कुमार, लाल मोहन गिरी, दिगंबर साव, मंजू देवी, ईश्वर राम, प्रखंड महिला अध्यक्ष गीता देवी, मोहन साव, जागेश्वर साव, छकन भोक्ता, चंद्रिका रजक, रंजीत कुमार साव, गजेंद्र यादव, भागीरथ साव, मनोज साव, गणेश साव, संजीत साव, मोहम्मद तसलीम, रूपेश साव, प्रभु यादव, करमजीत यादव, सिकंदर यादव, जितेंद्र यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

भारतीय जनता पार्टी के शक्ति केंद्र की बैठक हुआ संपन्न, लिए गए कई अहम निर्णय

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो,इटखोरी (चतरा)। लोकसभा चुनाव के निमित इटखोरी मंडल के धनखेरी शक्ति केन्द्र का बैठक मंडल अध्यक्ष देव कुमार सिंह एवं लोकसभा मंडल प्रभारी शालिग्राम सिंह के नेतृत्व मे की गई । बैठक की अध्यक्षता सह संयोजक रणजीत सिंह ने की और मंच का संचालन शक्ति केंद्र संयोजक राजेश साव ने की।महामंत्री प्रीतम रॉय ने किया।बैठक के चर्चा में कहा गया की आगमी आम चुनाव को लेकर प्रत्येक बूथ पर भाजपा को पूर्ण रूप से जीता कर चतरा लोकसभा में इस बार पांच लाख पार के आंकड़ा को प्राप्त करना ही हमारा लक्ष्य होगा एवं मोदी के 400 पार के सपने को साकार करना होगा। भारतीय जनता पार्टी जिन्दाबाद। भाजपायों ने नरेंद्र मोदी जिन्दाबाद। कालीचरण सिंह जी जिंदाबाद नारा लगाया।इस मौके पर मंडल अध्यक्ष देव कुमार सिंह, लोकसभा मंडल प्रभारी शालिग्राम सिंह, मंडल महामंत्री शिवकुमार राणा, प्रीतम राय पूर्व मंडल अध्यक्ष बसंत नारायण सिंह , पेमन नायक, शक्ति केंद्र प्रभारी सुधीर रॉय,मंडल उपाध्यक्ष संतोष दांगी मंडल मंत्री काजल देवी, भाजयुमो मंडल महामंत्री आशीष मिश्रा, रणधीर सिंह, महेंद्र साहू , जागेश्वर साहू सुमन कुमार सिंह , प्रयाग साव, रामप्रसाद राणा, सुरेंद्र साव, अशोक कुमार प्रजापति, रामदेव साव,मोहम्मद इम्तियाज रघुनायक नायक ,सुमित भारतीय जनता पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इटखोरी केबी प्लस टू हाई स्कूल के जिला टॉपर विद्यार्थियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर बीडीओ ने किया सम्मानित

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो,इटखोरी (चतरा)। 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारी में स्थानीय प्रशासन जोर-जोर से लगी हुई है। बीडीओ सोमनाथ बाकिरा के नेतृत्व में इटखोरी के केबी+2 हाई स्कूल परिसर में स्वीप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान इटखोरी केबी प्लस टू हाई स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों में जिला टॉपर छात्रा पारुल कुमारी आदि को प्रशासन द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद स्कूल के नये मतदाताओं को प्रशासन द्वारा लोकसभा चुनाव के मतदान दिवस के दिन खुलकर मतदान करने की बात कही गई। साथ हीं उन्हें कहा गया कि आप लोग अगल-बगल के मतदाताओं को मतदान दिवस के दिन मतदान के लिए प्रेरित करें। मतदान अति आवश्यक है। क्योंकि मतदाताओं के एक-एक वोट से राष्ट्र का निर्माण होगा और वोट प्रतिशत में भी इजाफा होगा।

नामांकन से पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि हुए गिरफ्तार, डीसी कार्यालय परिसर में चला हाई वोल्टेज ड्रामा

- आचार संहिता उलंघन मामले में चतरा पुलिस की कार्रवाई, चतरा के पूर्व सांसद रहे हैं नागमणि
- गिरफ्तारी के बाद पुलिस से उलझना नागमणि को पड़ गया भारी

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

चतरा। लोकसभा चुनाव के नामांकन के दौरान चतरा जिला निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय परिसर में आज जमकर हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ। बसपा के टिकट पर नामांकन करने पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि को गिरफ्तार करने पहुंची सदर थाना पुलिस की टीम के साथ उनका जमकर बहस हुआ। नागमणि मीडिया को संबोधित कर रहे थे, इसी दौरान सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार ने उन्हें रोका तो नागमणि थाना प्रभारी से ही उलझ गए और उन्हें कानून का पाठ पढाने लगे। जिसके बाद न्यायालय से निर्गत वारंट के आधार पर थाना प्रभारी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। नागमणि की गिरफ्तारी 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान दर्ज चुनाव आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामले में हुई है।

मेडिकल जांच के बाद बसपा प्रत्याशी को भेजा गया

जेल : नागमणि आगामी 20 मई को होने वाले चतरा लोकसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर नामांकन करने समाहरणालय पहुंचे थे। इसके बाद थाना प्रभारी ने उनसे सहयोग की अपील करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बिहार के कद्दावर नेता नागमणि को चतरा पुलिस ने गिरफ्तार कर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में समाज कल्याण एवं सहकारिता मंत्री रहे चतरा के पूर्व सांसद नागमणि को सदर थाना पुलिस में जिला निर्वाचन कार्यालय से नामांकन के दौरान गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उन्हें सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

नहीं करेंगे पुलिस की गुंडागर्दी बर्दाश्त, ब्राह्मणवाद व भूमिहारवाद है हावी :-नागमणि

पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि की गिरफ्तारी 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता उलंघन के मामले में ईटखोरी थाना में दर्ज पुराने मामले को लेकर की गई है। कांड संख्या 20/2014 में पुलिस को इनकी तलाश थी। इस बाबत इनके विरुद्ध न्यायालय से स्थाई वारंट निर्गत था। अपनी गिरफ्तारी के बाद पुलिस के इस कार्रवाई पर सवाल खड़ा करते हुए नागमणि ने कहा है कि उन्हें बड़ी राजनीतिक षड्यंत्र के तहत चुनाव से दूर करने के नियत से गिरफ्तार किया गया है, पुलिस गुंडागर्दी दिखा रही है। ना हमसे कभी पूछताछ की गई और ना ही पूर्व में कोई नोटिस दिया गया। अचानक दो दिन पूर्व मुझे पता चला। जब मैं कार्यक्रम के लिए परमिशन मांगा। उन्होंने कहा कि नागमणि को पूरा देश जानता है, उसके बाद भी पुलिस का गुंडागर्दी इस कदर होगा।इसको हमलोग किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। जनता का प्यार और आशीर्वाद मिलता है तो पुलिस के इस गुंडागर्दी के खिलाफ मैं लड़ाई लडूंगा। नागमणि ने कहा कि सामंती, ब्राह्मणवाद और भूमिहार वाद यह दोनों मिलके गुंडागर्दी कर रहे हैं। जनता इसका मुंहतोड़ जवाब उन्हें देगी।

भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी हैं फारवर्ड, बैकवर्ड को चाहते हैं दबाना :-सुचित्रा

वहीं पति के गिरफ्तारी के बाद नागमणि की पत्नी बिहार की पूर्व मंत्री सुचित्रा सिंहा ने कहा कि उनके विरुद्ध बीजेपी और कांग्रेस दोनों मिलकर षड्यंत्र कर रही है। जनता उन्हें जीताकर सदन में भेजे, सभी विरोधियों को खुद मुंहतोड़ जवाब मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी फॉरवर्ड हैं। हम लोग बैकवर्ड है। इसलिए हम लोगों को ये सब दबाना चाहते हैं। हम लोग दबने वाले नहीं हैं। जनता हमारे साथ है, जनता सब जान रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री की गिरफ्तारी लोकतंत्र की हत्या :- बसपा जबकि बसपा के प्रदेश अध्यक्ष राजन मेहता ने कहा कि नामांकन करने पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री की गिरफ्तारी लोकतंत्र की हत्या है। यहां मनुवाद और सामंतवाद ताकत हावी है। नागमणि कुशवाहा के बढ़ती लोकप्रियता को देखकर विपक्षी अकबका गए हैं। बसपा के लोग नागमणि के साथ थे हैं और रहेंगे।

पति-पत्नी रहे हैं मंत्री, पिता विधायक तो ससुर रह चुके हैं मुख्यमंत्री विदित हो कि नागमणि अटल मंत्रिमंडल में केंद्रीय मंत्री रहने के साथ-साथ बिहार सरकार में भी मंत्री रहे हैं। वहीं इनकी पत्नी सुचित्रा सिंहा भी बिहार सरकार में मंत्री रही हैं। वहीं पिता जगदेव प्रसाद तीन बार विधायक और ससुर सतीश प्रसाद बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री रहे हैं।

दिव्यांगो ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

प्रतिनिधि,चौपारण (हजारीबाग)। झारखंड दिव्यांग जागृति महासंघ द्वारा आयोजित मतदाता जागरूकता पदयात्रा कार्यक्रम के तहत छोटानगपुर सांस्कृतिक संघ रांची के सौजन्य से जागृति प्रोडक्शन सर्विस सोसाइटी चौपारण के नेतृत्व में संस्था प्रभारी और बीएलओ पर्यवेक्षक मुकुंद साव की अध्यक्षता में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता हेतु पदयात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।यह पदयात्रा प्रखंड मुख्यालय से निकलकर जीटी रोड भ्रमण करते हुए ब्लॉक मोड चौपारण में एक सभा में तब्दील हो गई और लोगों से ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की अपील की,इस दौरान दिव्यांगों ने नारा लगाया कि ÷वोट देना पहला काम,इसके बाद कोई दूसरा काम,÷ ÷ पहले मतदान फिर जलपान, हर हाल में सभी मतदाताओं को मतदान करना है। कोई भी मतदाता छूटे नहीं,सभा को संबोधित करते हुए मुकुंद साव ने कहा कि जो दिव्यांग भाई /बहन वोट देने मतदान केंद्र तक नहीं आ सकते है उन्हे घर में बैलेट पेपर भेजकर मतदान कराने की व्यवस्था की जा रही है।यानी हर हाल में सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील की हैं,इस कार्यक्रम में छोटा नागपुर सांस्कृतिक संघ रांची के कार्यक्रम कार्यान्वयन प्रभारी,सह बीएलओ पर्यवेक्षक मुकुंद साव,कुशवाहा महासभा के जिला सचिव मिथुन दांगी,जागृति प्रोडक्शन सर्विस सोसाइटी सह झारखंड विकलांग कल्याण केन्द्र के सचिव शंकर नाथ शाही,अध्यक्ष बिनोद रजक,कोषाध्यक्ष बबलू मिस्त्री, लुकन साव,गायत्री देवी,सविना खातून,गोविंद सिंह,सिकंदर सिंह,रामकिंकर सिंह, मो सबदर,विनय सोनी,लखन साव,गीता देवी,कांति देवी,आशा देवी,सुकरी देवी,सहित कई लोग शामिल थे।

बूथ मतदाता जागरूकता अभियान से संबंधित बैठक का आयोजन

प्रतिनिधि , लातेहार। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गरिमा सिंह के निर्देश पर प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभागार में चुनाव कार्य में लगे बीएलओ और सुपरवाइजर की बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रूप से लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत में वृद्धि को लेकर विशेष तौर पर चर्चा की गई। साथ ही मतदाताओं के सुविधा को लेकर किसी प्रकार की कोई कमी न रह पाए इस पर जोर दिया गया। मतदाता पर्ची का वितरण प्रत्येक घर मे ससमय हो, मतदाता आमंत्रण पत्र वितरण एवं बूथ मतदाता जागरूकता अभियान से संबंधित चर्चा कर इन बिंदुओं पर फोकस करने का निर्णय लिया गया। बैठक में अंचल अधिकारी तृप्ति विजया कुजूर,प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव,प्रखण्ड समन्वयक पंचायती राज वकील उराँव,अरविंद प्रसाद,पवन कुमार सिंह,पंचायत सेवक सुषमा कुमारी,संगीता देवी,सुनैना देवी,अरविंद राम,समेत बीएलओ,सुपरवाइजर व अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने वार्ड पार्षदो संग बैठक कर क्षेत्रीय मतदाताओं को जागरूक करने हेतु सहयोग का किया अपील

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गढ़वा। गढ़वा जिले में मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के दृष्टिकोण से समाहरणालय गढ़वा स्थित सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर द्वारा मतदाताओं को जागरूक कर शतप्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने को लेकर सभी वार्ड पार्षद एवं प्रतिनिधियों संग बैठक किया गया। बैठक में मुख्य रूप से स्वीप कार्यक्रम के तहत चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचने में सभी जन प्रतिनिधियों को सहयोग करने को कहा गया। जिससे अधिक से अधिक मतदातओं को मतदान करने हेतु प्रेरित किया जा सके। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने 13 मई 2024 को मतदान के दिन अपने-अपने क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित कर शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने को कहा। उन्होंने क्षेत्र के मतदाताओं से उक्त मतदान की तिथि को सुबह 7:00 से संध्या 5:00 के बीच मतदान केन्द्रों पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करने का अपील किया। साथ हीं सभी वार्ड पार्षद एवं प्रतिनिधियों को मतदान के दिन अपने क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने में सहयोग करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अबकी बार 80 पार का नारा लोकसभा चुनाव 2024 के लिए दिया गया है, जिसके तहत हम मतदातओं को जागरूक कर

अधिक से अधिक मतदान कराना सुनिश्चित करें और गढ़वा जिला में एक अलग कीर्तिमान स्थापित करें। वहीं बैठक में जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से मतदान के लिए किए गए तैयारी की भी जानकारी सभी वार्ड पार्षद को दी गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर एवं आवश्यकता अनुसार वाहनों की व्यवस्था भी की जाएगी। साथ हीं मतदान केन्द्रों पर मतदान कर्मी एवं मतदाताओं के लिए स्वास्थ्य सहिया की प्रतिनियुक्ति की जाएगी, जिससे तेज धूप एवं गर्मी के बीच मतदान करने में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई जा सके। वही मतदान केन्द्रों पर पेयजल, शौचालय, विद्युत, शेड, रैंप, बैठने की व्यवस्था, महिला एवं पुरुषों का अलग-अलग कतार बनाने समेत अन्य व्यवस्थओं की जानकारी दी गई। जिससे मतदान के लिए आने वाले मतदाताओं को समस्या न हो। इस दौरान उपस्थित वार्ड परिषद एवं उनके प्रतिनिधियों द्वारा भी विभिन्न प्रकार के सुझाव दिए गए एवं अपनी बातों को रखा गया। बैठक में स्वीप नोडल पदाधिकारी द्वारा कहा गया कि आप सभी वार्ड पार्षद के वार्ड में स्वीप के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, आप अपने क्षेत्र में चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में जरूर सहभागिता दर्ज कराएं, जिससे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम और प्रभावी ढंग से क्षेत्र के मतदाताओं के बीच पहुंचे और उन्हें मतदान करने हेतु प्रेरित किया जा सके। इस बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त पशुपति नाथ मिश्रा, भूमि सुधार उप समाहर्ता रंका-सह-स्वीप नोडल पदाधिकारी प्रमेश कुशवाहा, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद सुशील कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी मंझिआंव शैलेश कुमार एवं कार्यपालक पदाधिकारी श्री बंशीधर नगर ए0 चौधरी समेत सभी वार्ड पार्षद एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

400 पार के साथ देश की जनता चाहती है फिर एक बार मोदी सरकार ः अमृत पांडे

प्रतिनिधि,पाकुड़। राजमहल लोकसभा क्षेत्र में खुलेगा ताला, खिलेगा कमल के रणनीति के साथ शुक्रवार को भाजपा पाकुड़ जिला अध्यक्ष अमृत पांडेय एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह विधानसभा सह संयोजक अनुग्राहित प्रसाद साह के गरिमामय उपस्थिति एवं भाजपा नवीनगर मंडल अध्यक्ष अरुण कुमार चौधरी की अध्यक्षता में भाजपा नवीनगर मंडल समिति की बैठक ग्राम खोट्टापाड़ा में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर हर मतदाता से सम्पर्क कर उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गरीबों, युवाओं, अन्नदाता किसानों और महिलाओं के लिए किये गये एवं आगे किये जानेवाले विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं व कार्यों के साथ मोदी के विकसित भारत बनाने के संकल्प व विपक्षियों के भ्रामक प्रचार एवं झूठे वादों से भी अवगत कराने का संकल्प लिया। जिला अध्यक्ष अमृत पांडेय ने कहा कि राजमहल लोकसभा क्षेत्र के मतदातागण भी अब सच जान चुके हैं वे भय, भूख, गरीबी और निराशा को दूर करने व विकसित भारत बनाने के लिए देश की जनता 400 पार के साथ फिर एक बार मोदी सरकार चाहते हैं। हम भरोसा दिलाते हैं कि हम उनके साथ है। भाजपा का हर एक कार्यकर्ता घर-घर जाकर हमारे ईश्वरीय स्वरूप मतदाताओं से कमल निशान पर वोट देने का विनम्र आग्रह करेगी, ताकि उन्हें विश्वास हो सके कि किसी भी भय, भूख, गरीबी और निराशा के खिलाफ हम सदैव उनके साथ है। उनके सभी जनसमस्याओं का निदान हेतु भाजपा हमेशा तैयार रहेगी। बैठक में भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष सुबोध मंडल, पाकुड़ विधानसभा विस्तारक जयप्रकाश यादव, सादेकुल आलम, मोहन मंडल, अक्षय मंडल, पारस साहा, सकल टुडू, भद्रेश्वर साहा, हारो राजवंशी, भुतू कुनाई, सुरेश मंडल, मंत्री लालकृष्ण मंडल, साधन रविदास, शिबू हेंब्रम, मुस्तफा सेख, मंगल हांसदा, सुबोध मंडल, नारायण राय, करण मंडल, रफाएल मुर्मू दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शत प्रतिशत मतदान को लेकर अभाविप ने चलाया सघन मतदाता जागरूकता अभियान

प्रतिनिधि,पाकुड़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान को लेकर सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। परिषद के सदस्य इसके लिए नुक्कड़ नाटक एवं जनसंपर्क कर मतदान के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। वहीं, शैक्षणिक संस्थानों में जाकर छात्र-छात्राओं में मतदान के लिए जोश भरने का काम कर रहे हैं। इस क्रम में ऑक्सफोर्ड इंस्टिट्यूट ऑफ़ कंप्यूटर एजुकेशन संस्थान एवं सरदार वल्लभभाई पटेल स्टेडियम में खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षको के मध्य अभाविप के सदस्यों ने मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान सभी को अपने मताधिकार के प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया। विश्वविद्यालय संयोजक बमभोला उपाध्याय ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव में युवा, बुजुर्ग, महिला एवं किसान की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो, इसके लिए परिषद डोर टू डोर कैंपेन चला कर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिले भर में 600 बैठकों के लक्ष्य के साथ प्रतिदिन विभिन्न क्षेत्रों में बैठक एवं सार्वजनिक स्थानों पर मतदाता जागरण अभियान चलाया जा रहा है। परिषद के अभियान में गांव एवं नगर के युवा भी उत्सुकता के साथ जुड़ते चले जा रहे हैं। मत का प्रयोग जरूर करें इसके लिए मतदाताओं से आग्रह भी कर रहे हैं। कैंपेन के दौरान मतदाताओं को बताया जा रहा है कि अपने मताधिकार का सही प्रयोग करें। लोकतंत्र की मतबूती के लिए यह आवश्यक है। वैसे नेता को चुनें जो सही मायने में देश और जनहित के लिए कुछ अच्छा सोचता हो।उन्होंने कहा कि इस बार के आम चुनाव में रिकॉर्ड मतदान हो इसके लिए हम सभी अभाविप कार्यकर्ता गांव-गांव तक जाकर लोगों को उनके मत के अहमियत को बता रहे हैं। नगर मंत्री हर्ष भगत ने बताया कि इस क्रम में हम नुक्कड़ सभा, नुक्कड़ नाटक, संबंधित पर्ची का वितरण कर जागरूकता अभियान चलाएंगे।वैसे युवा जिनकी आयु 18 वर्ष से ऊपर है और मतदाता सूची में नाम नहीं जुड़ा है अभाविप कार्यकर्ताओं द्वारा वैसे युवाओं का पंजीयन भी करवाया जा रहा है।

मौके पर विशाल यादव, अभिजित आनंद, पप्पू कुमार, पिंकू , बिट्टू दान ,संजीत कुमार, ओमप्रकाश आदि उपस्थित थे।

चुनावी तैयारियों को लेकर कांग्रेस नेताओं की बैठक आयोजित

- पार्टी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित कराने की रणनीति पर हुई चर्चा
- छह मई को नामांकन में शामिल होने की अपील
- इंडिया गठबंधन की होगी ऐतिहासिक जीत - दीपक लाल

वरीय संवाददाता,रांची। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी के नेतागण चुनावी तैयारियों में जोर-शोर से जुट गए हैं। इस क्रम में शुक्रवार को कचहरी रोड स्थित बिहार क्लब में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय के नेतृत्व में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में रांची संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय की जीत सुनिश्चित कराने की रणनीति पर गहन विचार-विमर्श किया गया। मौके पर श्री सहाय ने पार्टी नेताओं से चुनावी तैयारी को लेकर चर्चा की। साथ ही उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के नामांकन में अधिक से अधिक संख्या में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं को शामिल होने की अपील की। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीपक लाल ने कहा कि लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी की ऐतिहासिक जीत होगी। इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के कार्यकर्ताओं ने कमर कस लिया है। बैठक में कांग्रेस नेता दीपक लाल, विनय सिंह दीपू, कुमार राजा, राजन वर्मा, प्रिंस बट्टू, झामुमो के मो.मुश्ताक सहित अन्य उपस्थित थे।

चतरा में जमकर गरजे यूपी के उपमुख्यमंत्री, कहा टुकड़े-टुकड़े गैंग पर लगाम लगाकर भारत को बनाएंगे कांग्रेस मुक्त

- न तो संविधान और न ही लोकतंत्र पर है कोई खतरा है, खतरे में है कांग्रेस, राहुल गांधी, जेएमएम और राजद के नेताओं का राजनीतिक भविष्य*
- गोली का जवाब गोले से देंगे, अगला मिशन पीओके में लहराएगा तिरंगा

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

चतरा। आगामी 20 मई को होने वाले चतरा लोकसभा चुनाव से पूर्व भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करने उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य चतरा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पत्थलगड़ा प्रखंड मुख्यालय में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और महागठबंधन में शामिल घटक दलों को आड़े हाथों लेते हुए जमकर हमला बोला। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस और महागठबंधन को टुकड़े-टुकड़े गैंग की उपाधि देते हुए उनपर लगाम लगाने की बात कही। उन्होंने कांग्रेस और महागठबंधन के नेताओं पर देश को लूटने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की बात कही। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता में काबिज है तो जो भी जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित होती है उसका सीधा पैसा लाभुकों के खाते में पहुंच रहा है। यही कांग्रेस पार्टी और महागठबंधन के लोग होते तो मात्र 5 लाख करोड़ रूपया देश के लोगों तक पहुंचता और 29 लाख करोड़ रूपया ये लोग मिलजुल कर खा गए होते। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को विश्व में नंबर वन देश बनाने

की घोषणा की है। उनके घोषणा के बाद बौखलाई कांग्रेस पार्टी और विभिन्न विपक्षी दलों के नेता जो कभी एक दूसरे को खुलेआम गाली देते थे, आज सभी मोदी को रोकने के लिए एक हो गए हैं। ये लोग अफवाह फैला रहे हैं कि संविधान खतरे में है लोकतंत्र खतरे में है। लेकिन हकीकत यह है कि ना तो संविधान खतरे में है और ना ही लोकतंत्र खतरे में है। खतरे में है तो राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं के साथ-साथ झामुमो, राजद और विरोधी दलों के नेताओं का राजनीतिक भविष्य। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुक्त भारत हो रहा है, उनके कई प्रत्याशी पर्चा वापस ले रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि कौन खर्च करें, क्यों धूप में घूमें जब जमानत ही जप्त होने वाला है।यूपी के उपमुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दिलेरी दिखाते हुए अपने वादों को पूरा करते हुए कश्मीर से धारा 370 हटा दिया। लेकिन यही कांग्रेसी कहते फिर रहे हैं कि अगर वे जीते तो धारा 370 को पुनः वापस लाएंगे जिससे आतंकवादी गतिविधियां फिर से संचालित होगी। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी नहीं होते तो क्या रात के अंधेरे में चुपके से हमला कर हमारे जवानों का सिर कलम करने वाले बुजदिल पाकिस्तानियों के विरुद्ध एयर और सर्जिकल स्ट्राइक होता। प्रधानमंत्री मोदी पाकिस्तानी गोली का जवाब गोला से देने का हिम्मत रखते हैं। यूपी के डिप्टी सीएम ने कहा कि आपको याद ही होगा कि पाकिस्तानी फाइटर प्लेन को खदेड़ते हुए हमारे जांबाज कैप्टन अभिनंदन पाकिस्तानी सीमा में घुसकर प्लेन को मार गिराने के बाद खुद भी दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को फोन कर साफ शब्दों में चेतावनी दे दिया था कि अगर 48 घंटे के भीतर हमारा कैप्टन सही सलामत भारत नहीं पहुंचता है, तो विश्व के नक्शे से हमेशा-हमेशा के लिए पाकिस्तान को मिटा देंगे। उन्होंने लोगों से देश और राज्य में डबल इंजन की सरकार लाने की अपील की। कहा की अभी भाजपा प्रत्याशी को जिताकर दिल्ली भेजें और दिसंबर के महीने में विधानसभा चुनाव में भाजपा की ही सरकार को चुने। इसी से रांची और दिल्ली से एक साथ कमल फूल पर सवार होकर लक्ष्मी आएंगी। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेसी और महागठबंधन में शामिल घटक दलों के लोग पूछते हैं कि भाजपा को 400 पार क्यूं चाहिये। पाकिस्तान के हिस्से वाले कश्मीर में तिरंगा फहराने के लिए 400 पार चाहिए। देश के भीतर रहकर वंदे मातरम और भारत माता को गाली देने वाले टुकड़े-टुकड़े गैंग पर लगाम लगाने के लिए 400 पार चाहिए।

ट्रैक्टर और मोटर साइकिल के टक्कर में मोटर साइकिल सवार हुआ गंभीर रूप से घायल

प्रतिनिधि, पाकुड़। सदर प्रखंड के दादपुर पंचायत अंतर्गत पाकुड़ कोटालपोखर मुख्य सड़क स्थित सेजा गांव के नजदीक शुक्रवार सुबह लगभग 08 ः 45 बजे ट्रैक्टर और मोटर साइकिल के आमने सामने भिडंत होने से मोटर साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति पाकुड़ के बलिहार मोहल्ले का 32 वर्षीय विष्णु राय बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक वह निजी कार्य से बड़हरवा जा रहा था। घायल व्यक्ति के सिर पर अधिक रक्त श्राव होने से उनके परिजन बेहतर इलाज हेतु बहरमपुर ले गए। ज्ञात हो कि इसी स्थल पर तीखा मोड़ होने के कारण पहले भी कई बार दुर्घटना घट चुकी है। इस संबंध में मुफ्फसिल थाना प्रभारी संजीव झा ने बताया कि उक्त ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है। घायल के परिजनों द्वारा लिखित आवेदन देने के बाद आगे की करवाई की जाएगी। समाचार लिखे जाने तक घायल व्यक्ति की स्थिति नाजुक बताई जा रही थी।

मैं भी इलेक्शन एंबेसडर सोशल मीडिया कैम्पेन में जिलेवासी अवश्य लें भाग ः उपायुक्त

प्रतिनिधि,पाकुड़। लोकसभा आम निर्वाचन में व्यापक रूप से मतदाता जागरूकता हेतु 07 मई को संध्या 06 से 08 बजे के मध्य सभी सोशल मीडिया हैंडल्स पर हैशटैग में 8 बजे तक #MainbhiElectionAmbassador सोशल मीडिया कैंपेन संचालित किया जाएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने बताया कि स्वीप के तहत विभिन्न स्टेकहोल्डर्स यथा विद्यालय के विद्यार्थियों, सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स, मीडिया, चैंबर ऑफ कॉमर्स, लेबर यूनियन, एनयूएलएम, जेएसएलपीएस, कॉर्पोरेट्स, यूएलबी, बीएजी आदि के सहयोग से मतदाता जागरूकता

हेतु उक्त गतिविधियों का संचालन किया जाना है एवं वीडियो, फोटो 07 मई को हैशटैग में भी इलेक्शन एम्बेसडर के साथ संध्या 06 से 08 बजे के बीच अपने अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर अपलोड कराया जाना है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि इस अभियान के तहत 07 मई 2024 को संध्या 05ः00 बजे सभी मतदान केन्द्रों पर गठित बूथ अवेयरनेस ग्रुप की बैठक आयोजित करते हुए उक्त मतदाता शपथ का प्रतिज्ञापन एवं मतदाता जागरूकता संबंधी विविध गतिविधियां संचालित की जाएगी। उक्त अभियान में पाकुड़ जिले के सभी स्कूल/कॉलेज के बच्चे, इंफ्लुएंसर, सेलेब्रिटी समेत आम नागरिक अवश्य भाग लें। इस बीच हर नागरिक मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने और निर्वाचन के महापर्व को उत्साहपूर्ण ढंग से मनाने के लिए अपने निर्वाचन कार्यों के डिजिटल कंटेंट को सोशल मीडिया पर अवश्य अपलोड करें और इस मुहिम का हिस्सा बने।

मरीज की मौत का इंतजार कर रहे हैं डॉक्टर

क्या ऐसे ही होते हैं भगवान स्वरूप चिकित्सक?

प्रतिनिधि, साहिबगंज। किसी मशहूर फिल्म का एक बहुत बेहतरीन डायलॉग है! जिसमें कहा गया है कि, सरकारी नौकरी वालों को तनख्वाह भी चाहिए, ऊपरी कमाई भी चाहिए और आमजनों की जान भी चाहिए। कुछ ऐसा ही कारनामा साहिबगंज के चिकित्सक आजकल करते नजर आ रहे हैं, जिसका खुलासा जिले के कोटालपोखर की एक सहिया राबिया बेगम ने किया है।

मामले में उक्त सहिया ने बताया कि कोटालपोखर निवासी इलियास नामक व्यक्ति, जो संभवतः कुष्ठ रोगी है। उसके पैर के तलवे में एक ऐसा जख्म है, जो सूखने का नाम ही नहीं ले रहा। जिस कारण वे काफी तकलीफ़ में है। ऐसा नहीं है कि उन्होंने इसका ईलाज नहीं करवाया। दरअसल, इनकी सबसे बड़ी बीमारी गरीबी है। जिसके कारण एक छोटा सा जख्म उन्हें मौत के और करीब ले जा रहा है, और शायद सरकारी डॉक्टर भी यही चाहते हैं।

उक्त सहिया के कथन के अनुसार रोगी अपने जख्म का ईलाज करवाने अपने निवास क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद गए थे, जहाँ उनका प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर ईलाज हेतु जिला अस्पताल जाने की सलाह दी गई। साथ ही कुछ दवाइयां लिख कर दी गई। चिकित्सक द्वारा लिखी दवाई अस्पताल में उपलब्ध नही थी। रोगी ने चिकित्सक द्वारा लिखी दवा, मेडिकल स्टोर से खरीद कर खाई, तत्पश्चात वे स्थानीय सहिया से मिले। सहिया ने मानवता का परिचय देते हुए अपने खर्च पर रोगी को ईलाज हेतु जिला सदर अस्पताल तक लाया। पर जिला अस्पताल के डॉक्टर ए. गोस्वामी ने उक्त रोगी का समुचित ईलाज ना करते हुए उनके जख्म पर मात्र एक पट्टी लगाकर उनको वापस घर जाने को कह दिया। अब सवाल यह उठता है कि क्या ऐसे ही होते हैं, भगवान का दूसरा रूप माने जाने वाले चिकित्सक?

पत्रकार देवरत कुमार दास ने थैलेसीमिया पीड़ित बच्ची को किया रक्तदान

प्रतिनिधि,पाकुड़। सदर अस्पताल सोनाजोड़ी मे इलाज़रात थैलेसीमिया पीड़ित बच्ची और गर्भवती महिला के लिए फरिश्ता बने इंसानियत फाउंडेशन के तीन सदस्य। महेशपुर प्रखंड अंतर्गत रोलाग्राम के माधुरी कुमारी को बी ब्लड की आवश्यकता पड़ी जो थैलेसीमिया नामक बीमारी से ग्रसित है एवं कोटालपोखर के 27 वर्षीय गर्भवती महिला चंचला देवी को ए पॉजिटिव ब्लड की आवश्यकता पड़ी। अस्पताल के डॉक्टर ने ब्लड चढ़ाने का सलाह दिया। परिजनों ने इंसानियत फाउंडेशन के सचिव बानिज शेख से संपर्क किया। संस्था के सदस्य महेशपुर के 35 वर्षीय पत्रकार देवरत कुमार दास ने बी पॉजिटिव एवं चाचकी के 27 वर्षीय हबील शेख ने ए पॉजिटिव रक्तदान किया और मरीज का इलाज संभव हो पाया। तीसरे रक्तदाता का नाम गुप्त रखा गया है। मरीज के परिजनों ने रक्तदाताओं को ढेर सारी शुभकामनाएं दी। मौक़े पर इंसानियत फाउंडेशन के बानिज शेख, सोफिकुल शेख, अंसारुल शेख, असादुल मुल्लाह, कर्मचारी नवीन और पियूष दास मौजूद थे।

4 लोगों को टेंपो ने मारी टक्कर,एक की मौत

प्रतिनिधि,डुमरी। निमियाघाट थाना क्षेत्र के निमियाघाट स्टेशन सड़क के तालाब के निकट बीती देर शाम टहलने निकले एक ही परिवार के 4 लोगों को टेम्पू ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे चारो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी को रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के दौरान एक की मौत हो गयी। जबकि तीन को बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया गया।टेम्पू चालक नशे में धुत्त था। जिसे लोगों ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया।घटना के संबंध में बताया जाता है कि निमियाघाट निवासी चुटारी महतो की पत्नी शांति देवी,मालती कुमारी 17 पिता चुटारी महंतो,स्व सोनु महतो की पत्नी आरती देवी 25 एवं पुत्र हिमांशु कुमार शाम को टहल रहे थे। इसी क्रम में नशे में धुत टेम्पू चालक अशोक तुरी अनियंत्रित होकर पैदल चल रहे लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। वहीं इलाज के दौरान शांति देवी की मौत रेफरल अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। जबकि अन्य घायलों को धनबाद रेफर कर दिया गया।

बाल विवाह के विरुद्ध देश भर में उठाए जाएं सख्त कदम-सुरेश शक्ति

अक्षय तृतीया से पूर्व राजस्थान हाई कोर्ट के आदेश का किया स्वागत

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। बाल विवाह के बढ़ते मामले की गंभीरता और तात्कालिकता का संज्ञान लेते हुए राजस्थान हाई कोर्ट ने जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस की जनहित याचिका पर फौरी सुनवाई करते हुए आदेश जारी किया है।

प्रदेश में बाल विवाहों पर रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान हाई कोर्ट के फौरी आदेश के बाद पूरे देश में इस तरह की आवाजें उठने लगी हैं कि उनके राज्य में भी इसी तरह के सख्त कदम उठाए जाएं। गिरिडीह में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस के सहयोगी संगठन बनवासी विकास आश्रम ने राज्य सरकार से अपील की कि वह भी इस नजीर का अनुसरण करते हुए सुनिश्चित करे कि अक्षय तृतीया और विवाह लग्न के दौरान कहीं भी बाल विवाह नहीं होने पाए। हाई कोर्ट का यह फौरी आदेश 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस' की जनहित याचिका पर आया है। इन संगठनों ने अपनी याचिका में इस वर्ष 10 मई को अक्षय तृतीया के मौके पर होने वाले बाल विवाहों को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी।

न्यायमूर्ति शुभा मेहता और पंकज भंडारी की खंडपीठ ने कहा, ÷सभी बाल विवाह निषेध अफसरों से इस बात की रिपोर्ट मंगाई जानी चाहिए कि उनके अधिकार क्षेत्र में कितने बाल विवाह हुए और इनकी रोकथाम के लिए क्या प्रयास किए गए।÷ खंडपीठ का यह आदेश अक्षय तृतीया से महज 10 दिन पहले आया है।

याचियों द्वारा बंद लिफाफे में सौंपी गई अक्षय तृतीया के दिन होने वाले 54 बाल विवाहों की सूची पर

गौर करने के बाद खंडपीठ ने राज्य सरकार को इन विवाहों पर रोक लगाने के लिए 'बेहद कड़ी नजर' रखने को कहा है। यद्यपि इस सूची में शामिल नामों में कुछ विवाह पहले ही संपन्न हो चुके हैं लेकिन 46 विवाह अभी होने बाकी हैं।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा कि बाल विवाह वह घृणित अपराध है जो सर्वत्र व्याप्त है और जिसकी हमारे समाज में स्वीकार्यता है। बाल विवाह के मामलों की जानकारी देने के लिए पंचों व सरपंचों की जवाबदेही तय करने का राजस्थान हाई कोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है। पंच व सरपंच जब बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक होंगे तो इस अपराध के खिलाफ अभियान में उनकी भागीदारी और कार्रवाइयां बच्चों की सुरक्षा के लिए लोगों के नजरिए और बर्ताव में बदलाव का वाहक बनेंगी। बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम पूरी दुनिया के लिए एक सबक हैं और राजस्थान हाई कोर्ट का यह फैसला इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।÷

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस पांच गैरसरकारी संगठनों का एक गठबंधन है जिसके साथ 120 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठन सहयोगी के तौर पर जुड़े हुए हैं जो पूरे देश में बाल विवाह, बाल यौन शोषण और बाल दुर्व्यापार जैसे बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर काम कर रहे हैं।

हाई कोर्ट का यह आदेश ऐसे समय आया है जब अक्षय तृतीया के मौके पर बाल विवाह के मामलों में खासी बढ़ोतरी देखने को मिलती है और जिसे रोकने के लिए राज्य सरकारें और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर काम कर रहे तमाम गैरसरकारी संगठन हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

बनवासी विकास आश्रम के सचिव सुरेश कुमार शक्ति ने कहा, ÷राजस्थान हाई कोर्ट का यह आदेश ऐतिहासिक है जिसके दूरगामी नतीजे होंगे। देश में शायद पहली बार ऐसा हुआ है जब पंचायती राज प्रणाली को यह शक्ति दी गई है कि वह सरपंचों को अपने क्षेत्राधिकार में बाल विवाहों को रोकने में विफलता के लिए जवाबदेह ठहरा सके। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस के सहयोगी के तौर पर हम पूरे देश के जिलाधिकारियों से इसी तरह के कदम उठाने की अपील करते हैं। जमीनी स्तर पर हमारी पहलों ने यह साबित किया है कि बाल विवाह जैसे मुद्दों के समाधान में सामुदायिक भागीदारी सबसे अहम है। यह अदालती आदेश बच्चों की सुरक्षा के लिए समुदायों को लामबंद करने में स्थानीय नेतृत्व की जवाबदेही की जरूरत को रेखांकित करता है।÷

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के साथी संस्था बनवासी विकास आश्रम द्वारा गिरिडीह जिले में अब तक 250 बाल विवाह को रोका गया है।

संपादकीय

दवाओं पर सवाल

भ्रामक विज्ञापन मामले में सर्वोच्च न्यायालय का रुख कदापि नरम पड़ता नहीं दिख रहा है और उसके कड़े रुख का जमीनी असर दिखाई पड़ने लगा है। उत्तराखंड सरकार ने पंतजलि आयुर्वेद की 14 दवाओं के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। बेशक, सर्वोच्च न्यायालय की तारीफ की जा सकती है कि वह पूरे सोच-विचार के बाद ही सजा देने की ओर बढ़ रहा है। लोगों को लग सकता है कि सजा सुनाने में देरी हो रही है, लेकिन वास्तव में न्यायालय सभी पक्षों को सुनवाई का पूरा मौका देना चाहता है और यही न्यायोचित है। न्यायालय कथित औषधि के भ्रामक विज्ञापन के मामले में समाज के सामने व्यापकता में आदर्श रखना चाहता है। मंगलवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) को भी अदालत ने फिर एक बार आड़े हाथों लिया। पिछली सुनवाई के समय शीर्ष अदालत ने कहा था कि एलोपैथिक डॉक्टर गैरजरूरी और महंगी दवाइयां लिखते हैं। यह बात आईएमए अध्यक्ष आर वी अशोकन को अच्छी नहीं लगी, तो उन्होंने अदालती टिप्पणी को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार दिया था। ध्यान रहे, आईएमए ही पंतजलि आयुर्वेद के खिलाफ अदालत गया है, पर आईएमए भी बेदाग नहीं है। गौर करने की बात है कि शीर्ष अदालत ने आईएमए के वकील से कह दिया है, ज्यादा गंभीर परिणामों के लिए तैयार रहें। मतलब, भ्रामक विज्ञापन प्रकरण में न केवल आयुर्वेद, बल्कि एलोपैथी की दुनिया को भी सबक लेने की जरूरत है। एलोपैथी को सफलतम व्यावहारिक उपचार विधि माना जाता है, पर यह नहीं मानना चाहिए कि वह सोलह आना सही है। आईएमए अध्यक्ष ने अहंकार और दुस्साहस का प्रदर्शन करते हुए यहां तक कह दिया था कि न्यायालय अस्पष्ट और अप्रासंगिक टिप्पणी कर रहा है और देश के चिकित्सा पेशे के खिलाफ व्यापक रुख अपनाना सर्वोच्च न्यायालय को शोभा नहीं देता है। जाहिर है, उनकी यह टिप्पणी बड़बोलापन भी है। हमने कोविड महामारी के समय ही देखा है कि किस तरह से चिकित्सा जगत में अफरातफरी का जानलेवा माहौल था। हर सांस का सौदा किया जा रहा था, मगर किसी अस्पताल या किसी चिकित्सक पर शायद ही आंच आई। गंभीर मरीजों पर नानाविध अपुष्ट प्रयोग किए गए और न जाने कितने मरीजों को अपनी मौत मरने के लिए छोड़ दिया गया। चिकित्सा क्षेत्र की कमियों का खमियाजा स्वयं चिकित्साकर्मियों ने भी बड़ी संख्या में भुगता था। एलोपैथी स्वयं को संत-सज्जन मानकर दूसरी चिकित्सा विधाओं को निशाना न बनाए, तो बेहतर है। सर्वोच्च न्यायालय ने भ्रामक विज्ञापन मामले का यथोचित विस्तार किया है। उन सभी उत्पादों की जांच होनी चाहिए, जो भ्रामक विज्ञापन जारी करते रहे हैं और जनता को धोखा देते रहे हैं। इसी से जुड़ा एक मामला कोविड वैक्सीन का है। ब्रिटिश दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने स्वीकार किया है कि उसकी कोविड वैक्सीन दुष्प्रभाव पैदा कर सकती है। वैक्सीन निर्माता ने अदालत में कहा है कि कोविशील्ड ऐसी स्थिति पैदा कर सकता है, जिससे रक्त के थक्के जम सकते हैं और प्लेटलेट काउंट कम हो सकता है।

हर साल जलने वाले जंगलों को भला कैसे बचाया जाए

(एस पी सती, प्रोफेसर, वानिकी महाविद्यालय, रानीचौरी)

शीतलता और हरियाली के प्रतीक माने जाने वाले जंगल इन दिनों धधक रहे हैं। उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग अब इतनी विकराल हो चुकी है कि उन पर काबू पाने के लिए सेना को उतारना पड़ा है। ऐसा नहीं है कि दावानल की घटनाएं पहले नहीं होती थीं। सदियों से पहाड़ इसके गवाह रहे हैं। उत्तराखंड का इतिहास तो यह भी है कि 1920-21 में जब जंगलों पर लोगों के हक-हुकूक खत्म कर दिए गए, तब खुद लोगों ने ही आंदोलन के तहत वनों में आग लगा दिए थे। मगर अब तो हर साल दावाग्नि की समस्या विकराल रूप में सामने आने लगी है।

इसकी कुछ खास वजहें हैं।

पहली वजह, जलवायु परिवर्तन के कारण 'ड्राई पीरियड' यानी सूखे की अवधि बढ़ गई है। तापमान बढ़ रहा है, जिसके कारण नमी कम हो रही है। नतीजतन, जंगलों में सूखी पत्तियां या टहनियां आसानी से दहक उठती हैं। वन विभाग के आंकड़े बता रहे हैं कि इस साल 1 जनवरी से लेकर 14 फरवरी के बीच जंगलों में आग लगने की 100 से अधिक बड़ी घटनाएं हुई हैं, जिसकी एक बड़ी वजह ड्राई पीरियड और तापमान-वृद्धि है। पहले यह अवधि छोटी होती थी, लेकिन अब जनवरी-फरवरी से लेकर मई-जून तक हम इसका एहसास करते हैं। दूसरी वजह है, सन् 1980 में वन (संरक्षण) कानून में किया गया वह प्रावधान, जिसके तहत पहाड़ों पर 1,000 मीटर ऊंचाई से ऊपर हरे पेड़ों की व्यावसायिक रूप से कटाई प्रतिबंधित कर दी गई। इसका नुकसान यह हुआ कि चीड़ के पेड़ों की संख्या असीमित बढ़ गई। चीड़ दरअसल ऐसा पेड़ है, जो आग बढ़ाने में सहायक माना जाता है। मार्च-अप्रैल से चीड़ की पत्तियां सूखकर नीचे गिरने लगती हैं और तापमान में वृद्धि होने पर आग के फैलाव का एक बड़ा कारण बनती हैं। बेशक, हरे पेड़ों की कटाई बंद होनी चाहिए, लेकिन ऐसा कोई प्रावधान तय करते समय हमें यह भी सोचना चाहिए कि किन पेड़ों की कटाई बंद होनी चाहिए और किनकी नहीं। ऐसा इसलिए, क्योंकि हर पेड़ की प्रकृति अलग होती है। चीड़ को अन्य पेड़ों के समान देखना एक गलत नजरिया साबित हुआ है।

तीसरी वजह है, जंगलों से लोगों का रिश्ता खत्म हो जाना। पहले लोगों का अपने आसपास के जंगलों से करीबी रिश्ता होता था। वे वनोपज से अपना गुजारा करते थे, इसके बदले में जंगलों का प्रबंधन किया करते थे। मगर सरकार ने जैसे ही जंगल अपने हाथों में लिया, लोगों ने खुद को इससे अलग कर लिया। इसके कारण वन बढ़ते हुए गांवों तक पहुंच गए, जो दावानल की चौथी वजह है। पहले जंगल को रोकने के तमाम उपाय अपनाए जाते थे, लेकिन अब अव्वल तो पहाड़ी गांवों में लोग रहते नहीं, और जो रहते हैं, उनके घरों में एलपीजी गैस आदि की सुविधा बढ़ने से जंगलों पर उनकी निर्भरता खत्म हो गई है। नतीजतन, वे वनों को नियंत्रित करने में खास रुचि नहीं रखते। इसी कारण जंगल की आग अब रिहायशी इलाकों तक पहुंचने लगी है और वनाग्नि की विकरालता काफी ज्यादा बढ़ गई है।

ऐसा नहीं है कि इस समस्या का समाधान नहीं निकल सकता। इसके लिए सबसे पहले मजबूत इच्छाशक्ति की दरकार है, फिर सही दिशा में कदम बढ़ाना होगा। सबसे पहले 1980 के वन (संरक्षण) कानून के प्रावधान ठीक करने होंगे। इसमें 1,000 मीटर की ऊंचाई के ऊपर हरे पेड़ों की कटाई संबंधी प्रतिबंध तत्काल खत्म किए जाने चाहिए। विशेषकर चीड़ के संबंध में तो इसे जरूर हटाना चाहिए और ऐसा प्रावधान करना चाहिए कि चीड़ की कटाई हो सके। इसके साथ-साथ गांव बसाने की तरफ भी ध्यान देना अनिवार्य है। गांवों में आबादी को इतना जागरूक करना ही होगा कि वे पहले की तरह जंगलों का प्रबंधन अपने हाथों में ले लें।

तीसरा रास्ता है, वन विभाग को सक्रिय बनाना। पहले यह विभाग जंगलों का प्रबंधन किया करता था, फिर इस पर वन-संरक्षण की जिम्मेदारी डाल दी गई। इसको प्रबंधन का अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। अच्छी बात है कि सरकार अपने तईं कुछ प्रयास कर रही है, पर उसका खास असर नहीं पड़ रहा, इसलिए उसका बहुत फायदा नहीं दिखता। जाहिर है, हमें बुनियादी उपाय करने होंगे, तभी हम जंगलों को जलने से बचा पाएंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्कूलों में बम की सूचना से सबक

दहशतगर्दों की मानसिकता को समझने की जरूरत है, वे अपनी किसी भी कारस्तानी का बड़ा प्रभाव देखना चाहते हैं। ऐसे तत्व भीड़ भरे बाजारों को चुनते हैं, ताकि छोटे धमाके का भी बड़ा असर हो सके। रेलवे स्टेशन, बाजार या बस अड्डे निशाने पर रहते थे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को नुकसान पहुंचाकर समाज में बड़े पैमाने पर दहशत फैला सकें। कभी दिल्ली में ट्रांजिस्टर की मदद से बसों में विस्फोट की साजिश होती थी, खिलौनों का भी इस्तेमाल होता था। अब भीड़ भरे इलाकों की संख्या बढ़ती जा रही है। जैसे ऊंची-ऊंची इमारतें बन गई हैं, अनेक मॉल्स खड़े हो गए हैं, उसी हिसाब से चिंता भी बढ़ गई है। अगर ऐसी जगहों पर विस्फोट हो और भगदड़ मचे, तो बड़े पैमाने पर क्षति पहुंच सकती है, अराजक स्थिति बन सकती है। मतलब, ऐसी तमाम भीड़ भरी जगहों की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखना होगा, ताकि किसी भी तरह की हिंसक या गलत गतिविधियां ऐसी जगहों पर जाल न बिछा पाएं। भीड़ भरी जगहों की संख्या दिनों दिन बढ़ती चली जाएगी और इससे बचा नहीं जा सकता।

(दिलीप त्रिवेदी, पूर्व आईपीएस अधिकारी)

पिछले दिनों बुधवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के करीब सौ स्कूलों में बम की सूचना ने सबको चिंता में डाल दिया। बड़े पैमाने पर स्कूलों के जरिये दहशत फैलाने की साजिश हुई है। हालांकि, ज्यादातर स्कूलों में सुरक्षा चाक-चौबंद है, बाहरी लोगों को स्कूलों में जाने नहीं दिया जाता है। फिर भी स्कूलों में सुरक्षा की ज्यादा चिंता होनी चाहिए और सभी को नए सिरे से सचेत हो जाना चाहिए।

वैसे, अगर हम गौर करें, तो शायद ही कभी ऐसा होता है, जब दहशतगर्द बताकर हमले करते हैं। 9/11 का हमला हो या 26/11 का हमला, दहशतगर्दों ने घातक हमले पहले बताकर या धमकाकर नहीं किए थे। आम तौर पर हमला होने के बाद ही कोई आतंकी संगठन उसकी जिम्मेदारी लेता है। फिलहाल, स्कूलों में बम की धमकी में कोई खास दम नहीं दिखता है, पर इसका मतलब यह नहीं कि हम हाथ पर हाथ धरे बैठ जाएं। ऐसी धमकियों को भी गंभीरता से लेने की जरूरत है, क्योंकि इसमें बच्चों की सुरक्षा का सवाल शामिल है। जांच पूरी होनी चाहिए, जहां-जहां बम की आशंका बताई गई है, वहां-वहां घेराबंदी करके पुलिस की स्थापित प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए।

दहशतगर्दों की मानसिकता को समझने की जरूरत है, वे अपनी किसी भी कारस्तानी का बड़ा प्रभाव देखना चाहते हैं। ऐसे तत्व भीड़ भरे बाजारों को चुनते हैं, ताकि छोटे धमाके का भी बड़ा असर हो सके। रेलवे स्टेशन, बाजार या बस अड्डे निशाने पर रहते थे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को नुकसान पहुंचाकर समाज में बड़े पैमाने पर दहशत फैला सकें। कभी दिल्ली में ट्रांजिस्टर की मदद से बसों में विस्फोट की साजिश होती थी, खिलौनों का भी इस्तेमाल होता था। अब भीड़ भरे इलाकों की संख्या बढ़ती जा रही है। जैसे ऊंची-ऊंची इमारतें बन गई हैं, अनेक मॉल्स खड़े हो गए हैं, उसी हिसाब से चिंता भी बढ़ गई है। अगर ऐसी जगहों पर विस्फोट हो और भगदड़ मचे, तो बड़े पैमाने पर क्षति पहुंच सकती है, अराजक स्थिति बन सकती है। मतलब, ऐसी तमाम भीड़ भरी जगहों की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखना होगा, ताकि किसी भी तरह की हिंसक या गलत गतिविधियां ऐसी जगहों पर जाल न बिछा पाएं। भीड़ भरी जगहों की संख्या दिनों दिन बढ़ती चली जाएगी और इससे बचा नहीं जा सकता। मिसाल के लिए, पहले इतनी संख्या में स्कूल नहीं थे, पर अब जगह-जगह स्कूल हो गए हैं, तो चुनौतियां भी बढ़ गई हैं। छोटे शहरों में भी भीड़ बढ़ रही है, पर बड़े शहरों में ज्यादा खतरा है। बड़े शहरों में जब आतंकी घटना होती है, तो देश-दुनिया में ज्यादा चर्चा होती है। दहशतगर्दों का मकसद ही यही होता है कि ज्यादा से ज्यादा प्रचार हो सके। जब वर्ल्ड ट्रेड टावर पर हमला होता है या मुंबई जैसी व्यावसायिक राजधानी पर या दिल्ली में सीधे संसद पर, तब दहशत तेजी से फैलती है। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश के सभी आर्थिक-राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहरों की चिंता हमें होनी चाहिए।

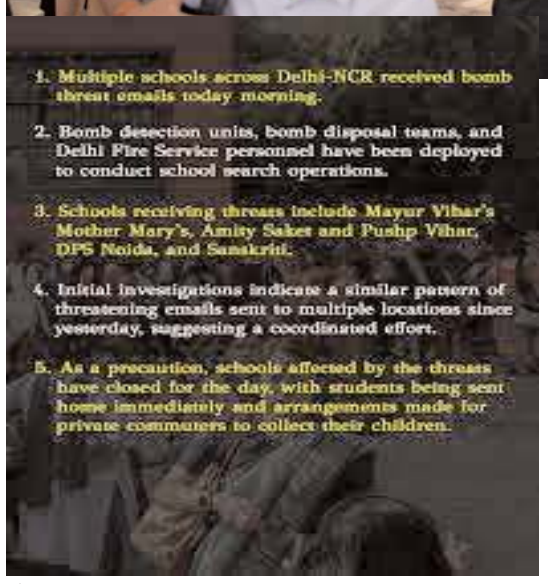

तमाम स्कूलों, भीड़ भरी जगहों, भवनों के लिए विशेष रूप से सोचना होगा। दुर्घटना होने की स्थिति में बचकर बच्चे या लोग कैसे निकलेंगे? हर भवन के पास भगदड़ से बचने की योजना होनी चाहिए। लोगों को भी जागरूक होना चाहिए। जैसे सिनेमा हॉल है, वहां जगह-जगह बाहर निकलने के आपात-रास्तों के बारे में सूचना दर्ज होती है, पर उस पर लोगों का ध्यान कम जाता है। ऐसी आपात योजनाओं के बारे में सभी लोगों को जानकारी होनी चाहिए, ताकि सुरक्षा और सावधानी के साथ लोग समय रहते अपनी जान बचाकर भवन से बाहर निकल जाएं।

इसी तरह स्कूलों की बात करें, तो स्कूलों में पहले रिहर्सल किया जाता था कि आपात स्थिति में किस कक्षा के छात्र किसी दिशा से होते हुए किस दरवाजे से बाहर निकलेंगे, सारे लोग आपात स्थिति में एक ही दरवाजे की ओर नहीं भागेंगे, कक्षाओं से निकल भागने के अधिक से अधिक या पर्याप्त रास्ते होंगे। छात्रों को बताना होगा कि आपात स्थिति होने पर किस रास्ते से भागकर कहां जाना है या कैसे स्कूल के मैदान में आना है। स्कूलों के पास बचाव की योजनाएं होनी चाहिए। आपातकालीन व्यवस्था का रिहर्सल समय-समय पर किया जाना चाहिए, इससे लोगों को सजग रहने में मदद मिलती है और समाज में लापरवाही भी घटती है।

बहरहाल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के जिन स्कूलों को धमकी मिली है, वहां पुलिस को स्कूलों का पूरा मौका-मुआयना करना चाहिए और लगे हाथ स्कूलों की बचाव व्यवस्था की भी समीक्षा करनी चाहिए। ऐसा नहीं मानना चाहिए कि धमकी में कोई सार नहीं है, ऐसी धमकी भी एक सबक है कि हम पहले की तुलना में ज्यादा सचेत हों और बचाव संबंधी अपनी योजनाओं को पुनः परखकर चुस्त-दुरुस्त कर लें। पुलिस को स्कूल प्रबंधन के साथ बैठकर देखना चाहिए कि ऐसी स्थिति बनने पर स्कूल कैसे अपना या अपने बच्चों का बचाव करेगा। जिन स्कूलों के पास बचाव की योजना नहीं है, उनकी मदद पुलिस कर सकती है।

ऐसी ही तैयारी हर सोसायटी, हर ऊंची इमारत, कार्यालय, बाजार, मॉल में भी होनी चाहिए। हवाई अड्डों और बस अड्डों की सुरक्षा भी समीक्षा के दायरे में आनी चाहिए। बचाव की स्थिति में पानी, बिजली की व्यवस्था, आपात चिकित्सा सुविधा को मुकम्मल करना चाहिए। आसपास कौन से अस्पताल हैं? बचाव के लिए किधर जाना है, इसकी पूरी योजना लोगों के ध्यान में रहनी चाहिए।

आज देश में चुनाव का समय है, तो इस धमकी का एक सियासी कोण भी हो सकता है, पर इसका मतलब यह नहीं कि पुलिस या सुरक्षा एजेंसियां धमकी को हल्के से लेते हुए नजरंदाज कर दें। राजनीति की कोई चिंता न करते हुए पुलिस को अपना रवैया पेशेवर रखना चाहिए और अपनी तैयारी में ढील नहीं देनी चाहिए। पुलिस को देखना चाहिए कि वह क्या सीख सकती है और क्या सुधार कर सकती है।

गौरतलब है, दुनिया में तकनीक का तेजी से विस्तार हो रहा है। देशद्रोही या दहशतगर्द भी इसका दुरुपयोग कर सकते हैं। पहले आतंकी गतिविधि सामान्य किस्म की होती थी कि कहीं बम लगा दिया और नुकसान पहुंचा दिया। फिर आरडीएक्स का इस्तेमाल होने लगा। अब तो दूर बैठकर भी विस्फोट को अंजाम दिया जा सकता है। ऐसे में, पुलिस को भी तकनीकी स्तर पर बहुत कुशल होना पड़ेगा, ताकि किसी भी प्रकार के आधुनिक विस्फोट या हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके। स्कूलों को मिली धमकी को समझने में कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

शिशु आहार से मसालों तक शिकायत

आजकल जैसे उत्पाद बाजार से हमारे निवाले तक पहुंच रहे हैं, उनको लेकर बड़ी चिंता जताई जा रही है। एक हालिया रिपोर्ट पर नाराजगी है कि नेस्ले कंपनी भारत और कई अन्य विकासशील देशों में ऐसे शिशु आहार बेच रही है, जिसमें यूरोप में बेचे जा रहे शिशु आहार की तुलना में शर्करा की मात्रा ज्यादा है। जब यह रिपोर्ट सामने आई, तब हांगकांग व सिंगापुर की नियामक एजेंसियों ने दो भारतीय कंपनियों के कुछ मसालों पर रोक लगा दी, इससे भी चिंता की लहर दौड़ गई।

(के श्रीनाथ रेड्डी, प्रोफेसर, जन स्वास्थ्य, पीएचएफआई)

अमेरिकी लेखक और पर्यावरणविद वेंडेल बेरी की एक तल्ख टिप्पणी आज बड़ी मौजूं है, 'लोगों को ऐसे खाद्य उद्योग द्वारा भोजन दिया जाता है, जो सेहत पर कोई ध्यान नहीं देता है ...और उनका इलाज ऐसे स्वास्थ्य उद्योग द्वारा किया जाता है, जो भोजन पर कोई ध्यान नहीं देता है।' साफ शब्दों में कहें, तो खाद्य उद्योग लोगों की सेहत के प्रति और स्वास्थ्य उद्योग लोगों के पोषण के प्रति लापरवाह है। जो लोग जन स्वास्थ्य के महत्व को समझते हैं, वे पोषण का महत्व भी अच्छी तरह जानते हैं। ऐसे विशेषज्ञ सेहत पर मंडराते खतरों और खाद्य उद्योग की भूमिका को लेकर सतर्क हैं।

आजकल जैसे उत्पाद बाजार से हमारे निवाले तक पहुंच रहे हैं, उनको लेकर बड़ी चिंता जताई जा रही है। एक हालिया रिपोर्ट पर नाराजगी है कि नेस्ले कंपनी भारत और कई अन्य विकासशील देशों में ऐसे शिशु आहार बेच रही है, जिसमें यूरोप में बेचे जा रहे शिशु आहार की तुलना में शर्करा की मात्रा ज्यादा है। जब यह रिपोर्ट सामने आई, तब हांगकांग व सिंगापुर की नियामक एजेंसियों ने दो भारतीय कंपनियों के कुछ मसालों पर रोक लगा दी, इससे भी चिंता की लहर दौड़ गई।

नेस्ले के शिशु आहार (सेरेलैक) पर रिपोर्ट एक स्विस गैर-सरकारी संगठन पब्लिक आई द्वारा जारी की गई है, जिसने इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क के साथ मिलकर यह शोध किया है। दरअसल, नेस्ले कंपनी मातृ-दूध का विकल्प पेश करने का दावा करती है। तमाम स्वास्थ्य अधिकारी जिंदगी के पहले छह महीनों तक केवल मां का दूध पिलाने की सलाह देते हैं, क्योंकि इससे आदर्श पोषक संरचना, प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले गुण और बच्चे की आंत में एक स्वस्थ माइक्रोबायोम के विकास में मदद मिलती है। जो कंपनियां मातृ-दूध के विकल्प को बढ़ावा देकर व्यावसायिक अभियान चलाती हैं, वे दरअसल मां और शिशु के स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी सोच को कमजोर करती हैं। कंपनियों ने प्रचार कर रखा है कि मां के दूध के बिना भी शिशु पोषण संभव है।

आखिर, यह शिशु आहार संबंधी विवाद क्यों है? क्या खाद्य उद्योग खाद्य पदार्थों में शर्करा की मात्रा बढ़ाते हुए स्वास्थ्य संबंधी

खतरे की ओर से अपनी आंखें बंद कर ले रहा है? यदि हां, तो वह पश्चिमी यूरोप में ऐसा न करने को लेकर क्यों सावधान है? वह भारत सहित अनेक विकासशील देशों में ऐसा करने के लिए क्यों आजाद महसूस करता है? क्या ऐसा इसलिए है, क्योंकि राष्ट्रीय नियामक एजेंसियों की क्षमता में अंतर है? यूरोप की खाद्य नियामक एजेंसियां ज्यादा सतर्क हैं। वे खाद्य पदार्थों की कड़ाई से निगरानी करती हैं और कानूनों को सही ढंग से लागू करती हैं। यूरोपीय नियामक खाद्य सामग्रियों की स्वतंत्र जांच में सक्षम हैं और कार्रवाई करने के लिए भी ज्यादा स्वतंत्र हैं।

ध्यान रहे, शिशु आहार में उच्च शर्करा मोटापे की वजह बन सकती है। उच्च शर्करा की शिकायत आगे चलकर मधुमेह में बदल सकती है। चूंकि उच्च शर्करा का सेवन एक लत में बदल जाता है, तो बच्चा अधिक आहार की मांग करता है, जिससे शरीर में वसा की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे कमजोर मांसपेशियों का विकास होता है। इससे एक चुस्त, सेहतमंद और आर्थिक रूप से उत्पादक पीढ़ी की उम्मीद धूल में मिल जाती है। यह वही पीढ़ी है, जो हमारे भविष्य की प्रगति की ध्वजवाहक बन सकती है।

यहां मसाला से जुड़ी कहानी अलग है। कथित तौर पर हांगकांग और सिंगापुर में नियामक एजेंसियों ने भारतीय मसालों में एथिलीन ऑक्साइड नाम का रासायनिक कैंसर कारक तत्व पाया है। इन दोनों देशों में प्रतिबंध के बाद, मीडिया ने बताया है कि सितंबर 2020 और अप्रैल 2024 के बीच यूरोपीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण (ईएफएसए) ने 527 भारतीय खाद्य उत्पादों में इस रसायन का पता लगाया था। इसका उपयोग मसालों को सुगंधित बनाने के लिए भी किया जाता है। एथिलीन ऑक्साइड के संपर्क में आने से लिंफोमा और ल्यूकेमिया जैसे कैंसर हो सकते हैं। वैसे, पैकेटबंद मसालों को लेकर जो शिकायत आ रही है, उसके पीछे निर्माण की गलत विधि जिम्मेदार है। मसाला प्रसंस्करण का काम जहां होता है, वहां औद्योगिक रासायनों की माजूदगी एक वजह हो सकती है। दूसरी ओर, शिशु आहार की अगर बात करें, तो इसमें जान-बूझकर ज्यादा शर्करा तत्व मिलाए जा रहे हैं।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण कथित तौर पर सेरेलैक के भारतीय और अंतरराष्ट्रीय संस्करणों पर किए गए परीक्षणों की रिपोर्ट जुटाने की कोशिश कर रहा है। यह उन भारतीय मसाला ब्रांडों के देशव्यापी नमूने भी एकत्र कर रहा है, जिन्हें कुछ विदेशी नियामकों ने लाल झंडी दिखाई है। बेशक, मसालों की जांच सक्षम भारतीय प्रयोगशालाओं में की जाएगी, पर यह देखना चाहिए कि भारत में बने खाद्य उत्पादों की जांच के लिए पहले क्या-क्या उपाय किए गए हैं? क्या हमारी नियामक एजेंसियों के पास परीक्षण की तमाम जरूरी व्यवस्था है? हमें विदेशी संगठनों के खुलासे पर ही क्यों निर्भर रहना चाहिए या विदेशी नियामकों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से सतर्क क्यों रहना चाहिए? जब हम भारत में कुछ बनाते हैं, तो क्या उसकी सही जांच यहीं नहीं करनी चाहिए? हमारी नियामक एजेंसियों को उद्योग के प्रभाव या राजनीतिक दबावों का सामना करने में सक्षम बनाने की जरूरत है। खाद्य गुणवत्ता जांचने वालों को अधिक साधन संपन्न, सतर्क और अभेद्य होने की जरूरत है।

हमें अपनी नियामक एजेंसियों की कमान खाद्य उद्योग के ही पसंदीदा उदार या लचीले व्यक्तियों के हाथों में नहीं सौंपनी चाहिए। एजेंसी का मार्गदर्शन करने वाली तकनीकी सलाहकार समितियों में लचीले लोगों को शामिल करके एजेंसी पर कब्जा देने से बचना चाहिए। हालांकि, ऐसी नियुक्तियां अक्सर राजनीतिक फैसले पर आधारित होती हैं, पर नागरिक समाज को सुनिश्चित करना चाहिए कि नियामक एजेंसियां जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहें।

वैसे, ये चिंताएं केवल भारत के हिस्से नहीं हैं। पिछले दशक में कुछ पश्चिमी देशों ने उदारवादी राजनीतिक विचारधारा और उद्योग जगत के ज्यादा प्रभाव के चलते अपनी नियामक एजेंसियों को खत्म होते देखा है। ऐसे में, विकासशील देशों को नियामक दक्षता बनाए रखते हुए ज्यादा सतर्क रहना चाहिए। सेलिब्रिटी शेफ और लेखिका जूलिया चाइल्ड की चेतावनी पर गौर कीजिए, हमने यह सीखा है कि बड़ी कंपनियां कितनी ताकतवर, दखलंदाज, प्रभावशाली व आक्रामक हैं, और हमें सतत सतर्क रहना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भगवान कार्तिकेय के नाम पर है स्कंदपुराण महापुराण

हिंदू धर्म ग्रंथों में स्कंदपुराण को महापुराण कहा जाता है। पुराणों के क्रम में इसका तेरहवां स्थान है इसके खंडात्मक और संहितात्मक उपलब्ध दो रूपों में से प्रत्येक में 81 हजार श्लोक हैं। इस पुराण का नाम भगवान शंकर के बड़े पुत्र कार्तिकेय के नाम पर है। कार्तिकेय का ही नाम स्कन्द है। इस पुराण में काशीखंड, महेश्वर खंड, रेवाखंड, अवन्तिका खण्ड, प्रभास खण्ड, ब्रह्म खण्ड और वैष्णव खण्ड आदि कुल सात खंड है। कुछ विद्वान छह खंड बताते हैं।

शंकरजी होते हैं प्रसन्न : स्कंद पुराण का पाठ करने से भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं। स्कंद पुराण की महाकाल कथा में इसका वर्णन मिलता है। इसमें 12 ज्योर्तिलिंगों की उत्पत्ति का वर्णन भी है।

प्रदोष व्रत का महत्व : स्कंद पुराण में प्रदोष व्रत के महामात्य का वर्णन मिलता है। इस व्रत को करने से सभी तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। इसमें एक विधवा ब्राह्मणी और शांडिल्य ऋषि की कथा के माध्यम से इस व्रत की महिमा का वर्णन मिलेगा।

गृहस्थ जीवन : जीवितं च धनं दारा पुत्राः क्षेत्र गृहाणि च। याति येषां धर्माकृते त भुवि मानवाः - स्कंदपुराण
अर्थात- मनुष्य जीवन में धन, स्त्री, पुत्र, घर-धर्म के काम, और खेत- ये 5 चीजें जिस मनुष्य के पास होती हैं, उसी मनुष्य का जीवन इस धरती पर सफल माना जाता है।

वैशाख मास का महत्व : स्कंद पुराण के वैष्णव खंड अध्याय 4 में वैशाख मास के महामात्य का विस्तार से वर्णन मिलता है। इसके श्लोक 34 के अनुसार इस मास में तेल लगाना, दिन में सोना, कांसे के बर्तन में भोजन करना, दो बार भोजन करना, रात में खाना आदि वर्जित माना गया है। वैशाख के माह में पवित्र नदियों में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। स्कंदपुराण में उल्लेख है कि महीरथ नाम के राजा ने केवल वैशाख स्नान से ही वैकुण्ठधाम प्राप्त किया था। इस माह में पंखा, खरबूजा, अन्य फल, अनाज, जलदान, प्रदोष व्रत, स्कंद पुराण का पाठ करने का महत्व है।

श्रद्धा एवं मेधा का महत्व : संक्षिप्त स्कन्दपुराण के वैष्णवखण्ड-कार्तिकमास-माहात्म्य के अनुसार ब्रम्हाजी कहते हैं कि इस पृथ्वी पर श्रद्धा एवं मेधा ये दो वस्तुएं ऐसी हैं जो काम, क्रोध आदि का नाश करती हैं।

चंद्र कथा : इस पुराण में सोमदेव, तारा, उनके पुत्र बुध की उत्पत्ति की कथा, 27 नक्षत्रों का वर्णन भी मिलती है। इस कथा के श्रवण से पाप और रोगों का नाश होता है।

तारकासुर वध कथा : यह शैव संप्रदाय का पुराण है जिसमें शिवपुत्र स्कन्द द्वारा तारकासुर के वध की कथा का वर्णन मिलता है। इस कथा के श्रवण और भगवान स्कद की पूजा से सभी क्षेत्र में विजयी प्राप्त होती है।

समुद्र मंथन कथा : इस पुराण में समुद्र मंथन की कथा भी है। कहते हैं जो यह कथा सुनता है उसे आयोग्य और लक्ष्मी की प्राप्त होती है।

गंगा अवतरण कथा : इस पुराण में 18 नदियों सहित गंगा अवतरण की कथा का वर्णन भी है। मोक्षदायीनी गंगा की कथा सुनने से व्यक्ति के सारे पापों का नाश हो जाता है।

4 मई को वरूथिनी एकादशी, जानिए महत्व पूजाविधि और कथा

एकादशी तिथि सृष्टि के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु को समर्पित है। शास्त्रों में वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरुथिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। वैशाख माह और एकादशी तिथि दोनों ही भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय हैं, इसलिए भी इस एकादशी का और भी महत्व बढ़ जाता है। इस बार यह पुण्यदायी एकादशी 04 मई को है। इस दिन साधक जीवन में सुख और शांति के लिए भगवान विष्णु के संग मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं और व्रत भी रखते हैं। मान्यता है कि एकादशी के दिन ऐसा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

वरुथिनी एकादशी व्रत का महत्व

पदम पुराण के अनुसार वरुथिनी एकादशी का व्रत करने से मनुष्य सब पापों से मुक्त होकर विष्णुलोक में प्रतिष्ठित होता है। मान्यता है कि जितना पुण्य कन्यादान और अनेक वर्षों तक तप करने पर मिलता है, उतना ही पुण्य वरुथिनी एकादशी का व्रत करने से मिलता है। मनुष्य वरूथनी एकादशी का व्रत करके साधक विद्यादान का फल भी प्राप्त कर लेता है। यह एकादशी सौभाग्य देने वाली, सब पापों को नष्ट करने वाली तथा अंत में मोक्ष देने वाली है एवं दरिद्रता का नाश करने वाली और कष्टों से मुक्ति दिलाने वाली भी मानी गई है।

पूजाविधि

इस दिन शंख, चक्र, कमल, गदा एवं पीताम्बरधारी भगवान विष्णु की रोली, मोली, पीले चन्दन,अक्षत, पीले पुष्प, ऋतुफल, मिष्ठान आदि अर्पित कर धूप-दीप से आरती उतारकर दीप दान करना चाहिए और साथ ही यथाशक्ति श्री विष्णु के मंत्र - ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय का जाप करते रहना चाहिए। इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना बहुत फलदायी है। भक्तों को परनिंदा, छल-कपट,लालच,द्वेष की भावनाओं से दूर रहकर,श्री नारायण को ध्यान में रखते हुए भक्तिभाव से उनका भजन करना चाहिए। द्वादशी के दिन ब्राह्मणों को भोजन करवाने के बाद स्वयं भोजन करें।

पौराणिक कथा

कथा के अनुसार, प्राचीन समय में नर्मदा नदी के तट पर मान्धाता नाम के तपस्वी राजा राज्य करते थे। एक बार राजा जब तपस्या कर रहे थे तभी वहां एक जंगली भालू आया और राजा का पैर चबाने लगा, लेकिन राजा तपस्या में लीन थे। भालू राजा को घसीट कर जंगल में ले गया। भालू को देख राजा बहुत डर गए। इस दौरान उन्होंने भगवान विष्णु से जीवन की रक्षा के लिए प्रार्थना की। उसकी पुकार सुन प्रभु वहां प्रकट हुए और भालू को मारकर राजा के प्राण बचाए। तब तक भालू ने राजा का पैर खा लिया था। इसकी वजह वह बेहद दुखी था। राजा को इस परिस्थिति में देख भगवान विष्णु ने उसको एक उपाय बताया। प्रभु ने राजा को वरूथिनी एकादशी करने के लिए कहा। राजा ने प्रभु की बात को मानकर वरूथिनी एकादशी व्रत किया और उसने वराह अवतार मूर्ति की पूजा की। इसके बाद इस व्रत के प्रभाव से राजा फिर से सुंदर शरीर वाला हो गया। मृत्यु के पश्चात राजा को भगवान् विष्णु के धाम,वैकुण्ठ लोक की प्राप्ति हुई।

वरुथिनी एकादशी पर नौकरी में तरक्की और बिजनेस में धन लाभ के लिए करें ये विशेष उपाय

हिन्दू धर्म में वरुथिनी एकादशी का बहुत महत्व माना जाता है। इस दिन विधि-विधान के साथ पूजा करने के साथ कुछ विशेष उपाय करने से भी जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। वरुथिनी एकादशी को पूरे श्रद्धा भाव से करने वाले व्रती को सभी भौतिक सुखों की प्राप्ति होने के बाद अंत में मोक्ष मिलता है। आप अगर किसी कारण से वरुथिनी एकादशी का व्रत नहीं रख पा रहे हैं, तो आप इस शुभ दिन कुछ उपाय करके भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

नौकरी में तरक्की पाने के लिए उपाय

आपको अगर नौकरी में तरक्की नहीं मिल पा रही है, तो आपको वरुथिनी एकादशी पर यह उपाय जरूर करना चाहिए। एक घड़े में जल भरकर घर की उत्तर दिशा में रख दें। इसके बाद इस पानी का छिड़काव पूरे घर में कर दें। आपको घर के कोने-कोने में इस पानी का छिड़काव करना चाहिए।

बिजनेस में सफलता पाने के लिए

आपको अगर बिजनेस में तरक्की नहीं मिल पा रही है, तो आपको वरुथिनी एकादशी पर यह उपाय भी करना चाहिए। आपको बिजनेस में लाभ के लिए पीले रंग के 7 फूल भगवान विष्णु को अर्पित करना चाहिए। साथ ही हर फूल को चढ़ाते समय ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप जरूर करें।

मान-सम्मान प्राप्त करने के लिए

व्यक्ति के जीवन में केवल पैसे और आपके नाम का ही महत्व नहीं होता बल्कि जीवन में सुख के साथ जीने के लिए मान-सम्मान का भी बहुत महत्व होता है, लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि व्यक्ति का समय अच्छा नहीं चलता और उसे अच्छे कर्मों क बावजूद हमेशा अपमान ही मिलता है। ऐसे में आप मान-सम्मान पाने के लिए वरुथिनी एकादशी के दिन एक उपाय भी कर सकते है। वरुथिनी एकादशी पर पीले कपड़े में पीले फूल और नारियल को बांधकर भगवान विष्णु को अर्पित करें। इसके पास इसे अपने पास रख लें।

धन लाभ के लिए उपाय

वरुथिनी एकादशी पर आप नारियल को लाल कपड़े में लपेटकर पूजा स्थल पर रख दें। इसके बाद धन की देवी मां लक्ष्मी को इस नारियल को अर्पित करें। फिर इस नारियल को पानी माता लक्ष्मी का प्रसाद मानकर रोजाना खा लें। इससे धन से जुड़ी हुई आपकी सारी परेशानियां दूर हो जाएंगी और आपको धन लाभ होगा।

मनोकामना पूरी करने के लिए उपाय

वरुथिनी एकादशी के दिन आप भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए एक विशेष उपाय करना चाहिए। आपको शंख में जल भरकर भगवान विष्णु की प्रतिमा को विधि-विधान के साथ स्नान कराना चाहिए। इसके बाद भगवान विष्णु को भोग लगाकर अपनी मनोकामना मांगे।

वरुथिनी एकादशी पर न करें ये गलतियां

हिंदू पंचांग के अनुसार हर माह में दो एकादशी तिथि पड़ती होती है. एक कृष्ण पक्ष में और एक शुक्ल पक्ष में वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को वरुथिनी एकादशी कहा जाता है. शास्त्रों में एकादशी व्रत को बेहद महत्वपूर्ण और खास माना गया है. यह व्रत भगवान विष्णु के वराह अवतार को समर्पित हेता है. इस व्रत के पुण्य से सभी प्रकार के भय से मुक्ति मिलती है और शुभ फलों की प्राप्ति होती है. ऐसी मान्यता है कि जो भी व्यक्ति वरुथिनी एकादशी व्रत रखता है और विधि-विधान से पूजा करता है, उसे बैकुंठ धाम की प्राप्ति होती है. हालांकि एकादशी व्रत से कुछ जरूरी नियम होते हैं जिनके बारे में हर किसी को पता होना चाहिए. इसके अलावा, कुछ ऐसे कार्य भी हैं जो इस दिन हमें भूल से भी नहीं करने चाहिए.

वरुथिनी एकादशी पर क्या करें और क्या नहीं?

- इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करना चाहिए. साफ कपड़े पहनें और भगवान विष्णु के सामने व्रत रखने का संकल्प लें.
- वरुथिनी एकादशी व्रत के दौरान व्रती को सोने, दूसरों को गाली देने और झूठ बोलने से बचना चाहिए.
- एकादशी के दिन मांस मदिरा के अलावा किसी भी प्रकार की नशीली या तामसिक चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए.
- एकादशी के दिन गुस्सा करने से बचें. साथ ही इस दिन किसी के लिए भी अपशब्दों का इस्तेमाल न करें.
- एकादशी तिथि के दिन तुलसी के पत्ते भूलकर भी न तोड़ें. एकादशी के दिन तुलसी तोड़ना भी अशुभ माना गया है, इसलिए एक दिन पहले ही इसके पत्ते तोड़कर रख लें.
- एकादशी तिथि के दिन देसी घी का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है. इस दिन अपने बाल धोने से बचें. दशमी तिथि के दिन ही बाल धो लेने चाहिए.
- व्रती को एकादशी व्रत के दिन श्रीमद्भागवतम् या श्रीमद्भागवत गीता का पाठ जरूर करना चाहिए और साथ ही भगवान विष्णु के मंत्रों का जप करना चाहिए.
- साथ ही एकादशी के दिन चावल का सेवन करना वर्जित माना गया है, इसलिए इस दिन अगर व्रत नहीं भी रखा तो भी चावल खाने से बचना चाहिए.

वरुथिनी एकादशी पर क्या करना चाहिए?

- इस दिन भगवान विष्णु की पूजा में तुलसी का भोग जरूर अर्पित करें. विष्णु जी को तुलसी बेहद प्रिय है. अगर आपने एकादशी व्रत नहीं भी रखा है तब भी इस दिन सात्विक चीजों का ही सेवन करें.
- एकादशी व्रत का पारण द्वादशी तिथि के समाप्त होने से पहले कर लेना चाहिए. इसके अलावा, एकादशी के दिन दान-पुण्य करने का खास महत्व है, इसलिए एकादशी तिथि को दान देना न भूलें.
- वरुथिनी एकादशी के दिन जगत के पालनहार श्रीहरि विष्णु के साथ ही धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा करें और पूरे दिन ईश्वर का ध्यान करते हुए व्रत का पालन करें. एकादशी व्रत का पारण द्वादशी तिथि यानी एकादशी के अगले दिन तक किया जाता है.

वरुथिनी एकादशी पर भूलकर भी न करें ये काम

वरुथिनी एकादश के खास दिन मांस, मछली, लहसुन, प्याज, अंडे और शराब आदि चीजों से दूर रहें और इनका सेवन करने से बचना चाहिए. इसके साथ ही अगर आप इस दिन उपवास रख रहे हैं तो अनाज और फलियां न खाएं. कोशिश करें कि इस दिन तेल में बना खाना न खाएं.

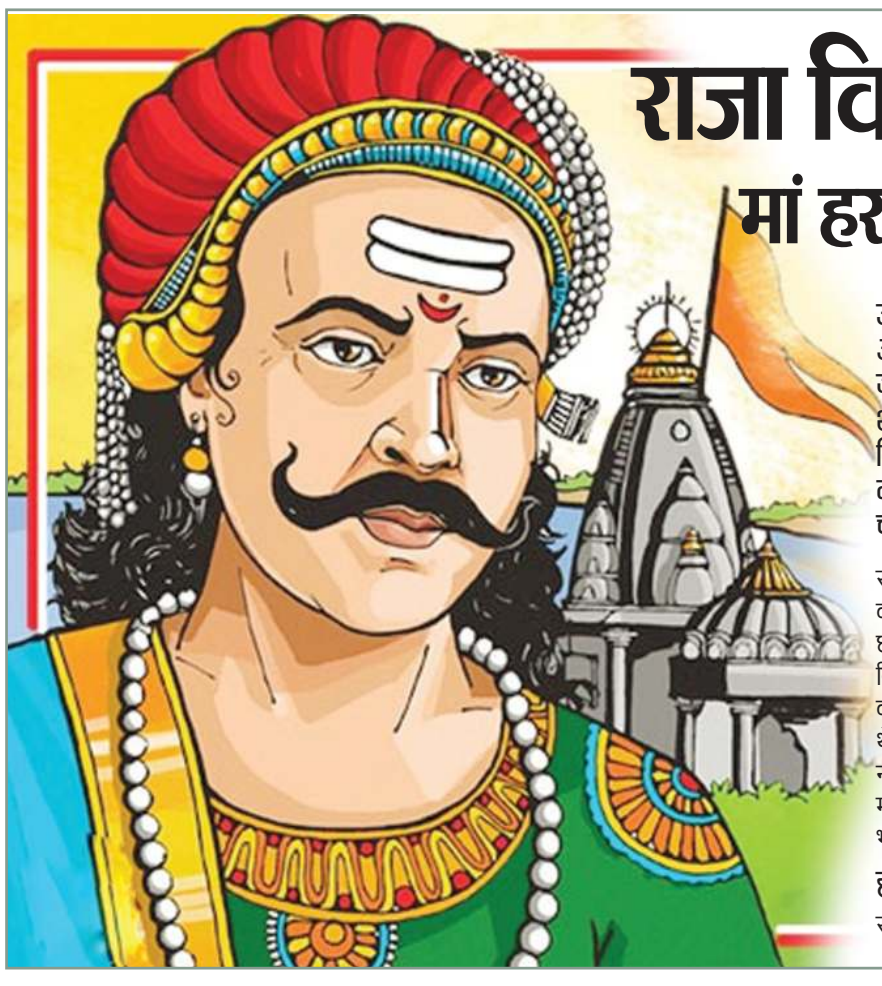

राजा विक्रमादित्य को दिए थे मां हरसिद्धि और बगलामुखी ने दर्शन

उज्जैन का प्राचीन नाम अवंतिका है। अवंतिका की गणना सप्तपुरियों में की जाती है। यहां ज्योतिर्लिंग के साथ ही शक्तिपीठ भी स्थापित है। पुण्य पवित्र नदी क्षिप्रा के तट पर बसी इन नगरी में कई महान राजा हुए हैं उन्हीं में से एक हैं चक्रवर्ती सम्राट विक्रमादित्य।

सम्राट विक्रमादित्य अपने राज्य की जनता के कष्टों और उनके हालचाल जानने के लिए छद्मवेष धारण कर नगर भ्रमण करते थे। राजा विक्रमादित्य अपने राज्य में न्याय व्यवस्था कायम रखने के लिए हर संभव कार्य करते थे। इतिहास में वे सबसे लोकप्रिय और न्यायप्रीय राजाओं में से एक माने गए हैं। महाराजा विक्रमादित्य का सविस्तार वर्णन भविष्य पुराण और स्कंद पुराण में मिलता है।

हरसिद्धि देवी

सम्राट विक्रमादित्य के जीवन से ही सिंहासन बत्तीसी और विक्रम वेताल नामक कथाएं जुड़ी हुई है। कहते हैं कि अवंतिका नगरी की रक्षा नगर के चारों और स्थित देवियां करती थीं, जो आज भी करती हैं। विक्रमादित्य को माता हरसिद्धि और माता बगलामुखी ने साक्षात दर्शन देकर उन्हें आशीर्वाद दिया था। अवन्तिकापुरी की रक्षा के लिए आस-पास देवियों का पहरा है, उनमें से एक हरसिद्धि देवी भी हैं। उज्जैन के प्राचीनतम स्थानों में भगवती श्री हरसिद्धिजी का स्थान विशेषतापूर्ण है। सती के शरीर का अंश अर्थात हाथ की कोहनी मात्र है, जो शिवजी द्वारा छिन्न-भिन्न किए जाने के समय वहां आकर गिर गई है। कहा जाता है कि हरसिद्धि देवीजी सम्राट विक्रमादित्य की आराध्या रही हैं। इस स्थान पर विक्रम ने अनेक वर्षपर्यंत तप किया है। मंदिर के पीछे एक कोने में कुछ सिर सिन्दूर चढ़े हुए रखे हैं। ये विक्रमादित्य के सिर बतलाए जाते हैं। विक्रम ने देवी की प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए 11 बार अपने हाथों से अपने मस्तक की बलि की, पर बार-बार सिर आ जाता था। 12वीं बार सिर नहीं आया। यहां शासन संपूर्ण हो गया। इस तरह की पूजा प्रति 12 वर्ष में एक बार की जाती थी।

बगलामुखी ने दिए दर्शन

कहते हैं कि डोंगरगढ़ (छत्तीसगढ़) जिला मुख्यालय से 38 किमी दूर पहाड़ों में विराजित है मां बम्लेश्वरी के दो मंदिर। पहला मंदिर ऊंची पहाड़ी पर और दूसरा मंदिर के प्रवेश द्वार से पश्चिम दिशा में स्थित है। पहाड़ वाली मां बम्लेश्वरी देवी के गर्भगृह के चारों ओर गुफाएं हैं। अंचल के लोग नीचे मंदिर में स्थापित माता को छोटी बम्लाई और पहाड़ावाली मां को बड़ी बम्लाई कहते हैं। मां बम्लेश्वरी मंदिर की स्थापना की एक रोचक कथा है। प्राचीनकाल में डोंगरगढ़ को कामाख्या नगरी के नाम से जाना जाता है, वहां पहले राजा वीरसेन का शासन था। राजा वीरसेन की कोई संतान नहीं थी। जिसके कारण उन्होंने शिवजी और मां दुर्गा की उपासना की। उपासना के एक वर्ष बाद रानी ने एक पुत्र को जन्म दिया जिसका नाम मदनसेन रखा गया। मां दुर्गा और भगवान शिव का उपासक होने के कारण वीरसेन ने यहां कामाख्या नगरी में मां बम्लेश्वरी का मंदिर बनवाया। इसके बाद राजा मदनसेन के पुत्र कामसेन ने यहां शासन किया। कामसेन के दरबार में नृत्यकला में प्रवीण कामकंदला व अलौकिक संगीतज्ञ और मधुर गायक माधवनल थे। दोनों के बीच अथाह प्रेम था। परिस्थतिवश माधवनल को कामाख्या नगरी का त्याग करना पड़ा। माधवनल कामख्या नगरी से सीधे उज्जैन के राजा विक्रमादित्य के पास पहुंचा और उन्हें अपनी करुण कथा सुनाई। कथा सुनकर राजा विक्रमादित्य ने कामाख्या नगरी पर आक्रमण कर दिया। कामसेन और विक्रमादित्य के बीच भयंकर युद्ध हुआ। युद्ध में राजा विक्रमादित्य विजयी हुए। युद्ध में कामख्या नगरी पूरी तरह तबाह हो गई। नगर में सिर्फ डोंगर बचा और माता का मंदिर। युद्ध के बाद विक्रमादित्य ने माधवनल और कामकंदला की प्रेम की परीक्षा लेने के लिए यह अफवाह फैला दी कि युद्ध में माधवनल वीरगति को प्राप्त हो गया है। जैसे ही यह समाचार कामकंदला को मिला उसने एक तालाब में कूदकर अपने प्राण त्याग दिए। यह तालाब आज भी मंदिर के पास पहाड़ी के नीचे स्थित है। कामकंदला की मृत्यु का समाचार पाकर माधवनल ने भी अपना जीवन समाप्त कर लिया। राजा विक्रमादित्य को जब यह समाचार मिला तो उन्हें गहरा पश्चाताप हुआ। उन्होंने मां बगलामुखी की आराधना शुरू कर दी। लेकिन माता ने दर्शन नहीं दिए। इसके बाद राजा विक्रमादित्य भी अपने प्राण त्यागने के लिए तत्पर हो गए। इसी समय मां बगलामुखी ने राजा को दर्शन दिए। वरदान मांगने पर राजा ने कामकंदला और माधवनल का जीवन और मां बगलामुखी के कामाख्या में ही निवास करने का वर मांगा। तभी मां बगलामुखी साक्षात् रूप में यहां है। ऐसा कहा जाता है बगलामुखी का ही परिवर्तित नाम बम्लेश्वरी है।

संक्षिप्त समाचार

गाजा में युद्धविराम को लेकर इजरायल-हमास के बीच खींचतान जारी, इजरायली सेना ने रफाह को घेरा

यरुशलम एजेंसी। गाजा में युद्धविराम को लेकर इजरायल और हमास के बीच खींचतान जारी है। इजरायल जहां अपने 129 बंधकों की रिहाई चाहता है और बदले में फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और अस्थायी युद्धविराम की बात कह रहा है, वहीं हमास गाजा में स्थायी युद्धविराम से कम पर तैयार नहीं है। बंधकों की रिहाई के लिए दबाव बनाने के लिए इजरायली सेना ने रफाह को घेर रखा है, जहां करीब 14 लाख शरणार्थी हैं। इजरायल ने चेतावनी दी है कि लाचार 33 बंधकों की जल्द रिहाई न हुई तो वह रफाह में जमीनी सैन्य कार्रवाई शुरू कर देगा। इस कार्रवाई में बड़े पैमाने पर खूनखराबा होने की आशंका है। गाजा पट्टी में इजरायली सेना के हमले गुरुवार को भी जारी रहे। इन हमलों में कई लोग मारे गए जिन्हें मिलाकर अभी तक मारे गए कुल लोगों की संख्या 34,596 हो गई है। इस बीच कोलंबिया ने गाजा में निर्दोष फलस्तीनियों के मारे जाने के विरोध में इजरायल के साथ कूटनीतिक संबंध तोड़ लिए हैं। जबकि तुर्किये ने इजरायल के साथ सभी तरह का व्यापार बंद कर दिया है।

पाकिस्तान में बम विस्फोट में एक की मौत, 20 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गुरुवार को हुए दोहरे विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। प्रांत के पुलिस सूत्रों ने सिन्हुआ को बताया कि पहला विस्फोट तब हुआ जब कोयले से लदा एक ट्रक प्रांत के डुक्की जिले में एक बारूदी सुरंग से टकरा गया। दूसरा विस्फोट रिमोट-कंट्रोल से किया गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस सूत्रों ने कहा कि घायलों में पुलिस के आतंकवाद-रोधी विभाग (सीटीडी) के कई अधिकारी और खदान कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पहले विस्फोट के बाद सीटीडी कर्मी क्षेत्र का निरीक्षण करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कई की हालत गंभीर है। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी और तलाशी अभियान शुरू कर दिया। किसी भी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

बाइडन के जेनोफोबिक वाले बयान पर व्हाइट हाउस ने दी सफाई, कहा- सभी साझेदारों का सम्मान करते हैं राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत, जापान, चीन और रूस के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन के जेनोफोबिक वाले बयान का व्हाइट हाउस ने बचाव किया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन पियरे ने कहा, हमारे सहयोगी और साझेदार अच्छी तरह से जानते हैं कि राष्ट्रपति बाइडन उनका कितना सम्मान करते हैं। वह इस बारे में टिप्पणी कर रहे थे कि आप्रवासियों का देश में होना कितना जरूरी है और यह हमारे देश को कैसे मजबूत बनाते हैं। वह इस बारे में इसलिए बात कर रहे थे क्योंकि यह हमारे सहयोगियों के साथ हमारे संबंधों से जुड़ा है। हमारे निश्चित तौर पर जापान और भारत के साथ मजबूत संबंध हैं। राष्ट्रपति ने बीते तीन वर्षों में इन देशों के साथ राजनयिक संबंधों को मजबूत करने पर फोकस किया है। दरअसल, बाइडन ने कहा था कि भारत, चीन, जापा और रूस जैसे देश जेनोफोबिक हैं। इसके चलते उनकी अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। जेनोफोबिक का अर्थ एक प्रकार के डर से होता है, जो बाहरी लोगों को आने से रोकता है। राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि भारत जैसे देश बाहरी लोगों का स्वागत नहीं करते। यही वजह है उनकी अर्थव्यवस्था ज्यादा नहीं बढ़ पाई। वहीं, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर से जब पूछा गया कि भारत सरकार ट्विटर, फेसबकु जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से आलोचना करने वाले कंटेंट को हटा रही है और चैनल्स को ब्लॉक कर रही है, तो इस पर उन्होंने कहा कि हम निश्चित तौर पर दुनियाभर में अभिव्यक्ति की आजादी का समर्थन करते हैं।

फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन में 2000 गिरफ्तार, पुलिस को करनी पड़ी फायरिंग

कैलिफोर्निया , एजेंसी। पुलिस ने हाल के हफ्तों में अमेरिका के कॉलेज परिसरों में फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन के दौरान 2000 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया। एसोसिएटेड प्रेस टेली ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अमेरिका के करीब हर कोने में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन हुए और गिरफ्तारियां हुईं। बीते चौबीस घंटों में लॉस एजिंल्स के प्रदर्शन ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है, जहां गुरुवार की सुबह अधिकारी प्रदर्शनकारियों की भीड़ पर टूट पड़े। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने जगह खाली करने के आदेश का उल्लंघन किया। कुछ लोगों ने मानव श्रृंखला बनाई। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए फ्लैश ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। लॉस एजिंल्स काउंटी शेरिफ विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए कैलिफोर्निया राजमार्ग गश्ती दल के सार्जेंट एलेजांद्रो रुबियो ने बताया कि कम से कम 200 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

यूएन में पाकिस्तान ने फिर मुंह की खाई, भारत ने दिया करारा जवाब

न्यूयॉर्क , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान पर परोक्ष हमला करते हुए भारत ने कहा कि इस्लामाबाद सभी पहलुओं में सबसे संदिग्ध ट्रैक रिकॉर्ड रखता है। इसके पहले संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि ने भारत को लेकर टिप्पणी की थी।

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि मुनीर अकरम ने भारत के खिलाफ टिप्पणी करते हुए कश्मीर, भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय मुसलमानों का जिक्र किया था, जिसके बाद भारत की यह टिप्पणी प्रतिक्रयिा स्वरूप आई।

यूएन जनरल असेम्बली की मीटिंग में एजेंडा आइटम शांति की संस्कृति पर अपने संबोधन में रुचिरा कंबोज ने कहा कि शांति की संस्कृति भारत के समृद्ध इतिहास, विविध परंपराओं और गहन दार्शनिक सिद्धांतों में गहराई से समाहित है। उन्होंने अहिंसा के सिद्धांत को शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का आधार बताया।

रुचिरा कंबोज ने कहा, इस सभा में जैसा कि हम इस चुनौतीपूर्ण समय के बीच शांति की संस्कृति विकसित करने का प्रयास करते हैं, हमारा ध्यान रचनात्मक बातचीत पर स्थिर रहता है। इस प्रकार हमने

एक निश्चित प्रतिनिधिमंडल की टिप्पणियों को अलग रखने का फैसला किया है, जिसमें न केवल शिष्टाचार की कमी है, बल्कि उनकी विनाशकारी और हानिकारक प्रकृति के कारण हमारे सामूहिक प्रयासों में भी बाधा आती है।

बिना नाम लिए पाकिस्तान को घेरा; कहा, हम उस प्रतिनिधिमंडल को सम्मान और कूटनीति के आवश्यक सिद्धांतों के साथ जुड़ने के लिए दृढ़ता से प्रोत्साहित करेंगे, जिन्हें हमेशा हमारी चर्चाओं का मार्गदर्शन करना चाहिए या यह उस देश से पूछने के लिए बहुत ज्यादा है, जो अपने आप में सभी पहलुओं पर सबसे संदिग्ध ट्रैक रिकॉर्ड रखता है।

कंबोज ने अपनी टिप्पणी में कहा कि भारत चर्चों, मठों, गुरुद्वारों, मस्जिदों, मंदिरों और सभास्थलों पर बढ़ते हमलों से चिंतित है और कहा कि इन कृत्यों के लिए वैश्विक समुदाय से तेज और एकजुट प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर रखा पक्ष

इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि हमारी चर्चाएं राजनीतिक जरूरतों का विरोध करते हुए इन मुद्दों पर स्पष्टता से विचार करें। हमें इन चुनौतियों से सीधे निपटना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका समाधान हो। हमारी नीति, संवाद और अंतर्राष्ट्रीय संलग्नताओं का केंद्र है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के दूत ने कहा कि आतंकवाद शांति की संस्कृति के सीधे विरोध में है और कलह पैदा करता है तथा शत्रुता को जन्म देता है। उन्होंने सदस्य देशों के लिए शांति की वास्तविक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना आवश्यक बताया। उन्होंने कहा, मैं यह भी कहूंगी कि आतंकवाद शांति की संस्कृति और सभी धर्मों की मूल शिक्षाओं के सीधे विरोध में है, जो करुणा, समझ और सह-अस्तित्व की वकालत करते हैं।

यह कलह, शत्रुता पैदा करता है और सम्मान और सद्भाव के सार्वभौमिक मूल्यों को कमजोर करता है, जो दुनिया भर में सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को रेखांकित करते हैं।

सदस्य देशों के लिए शांति की वास्तविक संस्कृति को बढ़ावा देने और दुनिया को एक एकजुट परिवार के रूप में देखने के लिए सक्रिय रूप से मिलकर काम करना आवश्यक है, जैसा कि मेरा देश दृढ़ता से मानता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज के वैश्विक परिदृश्य में शांति का महत्व सर्वोपरि है। उन्होंने आगे कहा, यह कलह पर बातचीत का समर्थन करता है, राष्ट्रों से टकराव या युद्ध से ऊपर कूटनीति और संचार को बढ़ावा देने का आग्रह करता है।

गाजा के पुनर्निर्माण में आएगी करीब 30 से 40 अरब डॉलर की लागत

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक एजेंसी ने गुरुवार को कहा कि युद्ध से तबाह गाजा को फिर से खड़ा करने में अनुमानित 30 से 40 अरब डॉलर की लागत आएगी। एजेंसी ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार होगा जब इतने बड़े पैमाने पर कोशिश होगी।

यूएन के सहायक महासचिव अब्दुल्ला अल-दरदारी ने कहा, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम का शुरुआती अनुमान है कि गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए लागत 30 से 40 अरब डॉलर को पार कर सकती है। जॉर्डन की राजधानी अम्मान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, विनाश का पैमाना बहुत बड़ा और अभूतपूर्व है। यह एक ऐसा मिशन है जिसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से वैश्विक समुदाय ने नहीं निपटाया है।

उन्होंने कहा, अगर गाजा का पुनर्निर्माण सामान्य प्रक्रिया के जरिए किया जाता है, तो इसमें दशकों लग सकते हैं और फलस्तीन लोगों के पास दशकों तक इंतजार करने की सुविधा नहीं है। इस लिए यह जरूरी है कि हम लोगों का घर फिर से बसाने और स्वास्थ्य, शिक्षा के मामले में आर्थिक, सामाजिक रूप से उनके जीवन को सामान्य करने के लिए शीघ्रता से काम करें। उन्होंने कहा, यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसे शत्रुता खत्म होने के बाद पहले तीन वर्षों के भीतर हासिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने अनुमान लगाया कि बमबारी और विस्फटों से कुल 37 मिलियन टन मलबा होगा। अल-दरदारी ने कहा, हम एक विशाल आंकड़े के बारे में बात कर रहे हैं। यह आंकड़ा हर दिन बढ़ रहा है। ताजा आंकड़े इस ओर इशारा कर रहे हैं कि यह पहले से ही 40 मिलियन टन के करीब पहुंच रहा है। उन्होंने कहा, सभी आवासीय भवनों का 72 फीसदी पूरी तरह से या आंशिक रूप से नष्ट हो गया है।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद हो सकती है उथल-पुथल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। इस दौड़ में राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। एक दूसरे पर आरोप लगाने का दौर जारी है। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ ऐसा कह दिया है, जिससे चुनाव के बाद उथल-पुथल होने का संकेत मिला है। उन्होंने दावा किया कि शायद वह (बाइडन) विस्कॉन्सिन में इस साल के चुनाव परिणामों को स्वीकार नहीं कर सकें।

देश के अधिकार के लिए लड़ना होगा

डोनाल्ड ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर वह नवंबर में होने वाले चुनाव के नतीजों को सही नहीं मानते हैं तो आपको देश के अधिकार के लिए लड़ना होगा। उन्होंने आगे कहा, अगर सब कुछ ईमानदार रहा तो मैं परिणामों को पूरी तरह

स्वीकार करूंगा। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब उन्होंने चुनाव के आसपास राजनीतिक हिंसा की आशंका से इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया की निष्पक्षता पर निर्भर करता है। वहीं, उत्तरी कैरोलिना के शारलोट में गुरुवार को एक कार्यक्रम में जाने के दौरान बाइडन से पूछा गया कि क्या वह परेशान हैं कि ट्रंप चुनाव परिणामों को स्वीकार नहीं करेंगे। इस पर राष्ट्रपति ने कहा कि वह (ट्रंप) क्या कह रहे हैं यह सुनिए।

ट्रंप ने इंटरव्यू में एक बार फिर अपने दावे को दोहराया कि उन्होंने साल 2020 में विस्कॉन्सिन का चुनाव जीता था। हालांकि, तब करीब 21 हजार वोटों से बाइडन जीते थे। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यदि आप पीछे जाएं और सामने आई सभी चीजों को देखें, तो इससे पता चलता है कि मैंने विस्कॉन्सिन में चुनाव जीता था। ट्रंप ने एक अखबार को दिए साक्षात्कार में कहा कि अगर उन्हें लगता है कि नतीजों में कुछ गड़बड़ है तो वह चुनाव को लेकर संदेह जताने से नहीं हिचकिचाएंगे। उन्होंने कहा, अगर मैंने कुछ और कहा तो यह देश के हित में नहीं होगा।

मोटा कहकर 6 साल के बच्चे को ट्रेडमिल पर इतना दौड़ाया हो गई मौत

पिता की हैवानियत देख जज भी स्तब्ध

न्यू जर्सी, एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी में कलयुगी पिता की हैवानियत सामने आई है। उसने अपने छह साल के बेटे को ट्रेडमिल पर इतना दौड़ाया कि उसकी मौत हो गई। आरोपी की घिनौनी वारदात सीसीटीवी में कैद हुई, जिसे सुनवाई के दौरान कोर्टरूम में चलाया गया। फुटेज बेहद परेशान करने वाले थे, जिसमें आरोपी अपने मासूम बेटे को ट्रेडमिल पर देर तक दौड़ाते रहा। इस दौरान वह बार-बार गिरता रहा और चोटिल होता रहा लेकिन, हर बार उसका पिता उसे उठाकर फिर ट्रेडमिल पर दौड़ने के लिए खड़ा कर देता। घटना को देखकर जज भी हैरान रह गए। बच्चे की मां रोने लगी। जज ने आरोपी की वारदात को संगीन और बेहद क्रूर बताते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

मेल ऑनलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, घटना 2021 की है और अपने 6 साल के बेटे कोरी की हत्या के मामले में आरोपी

क्रिस्टोफर ग्रेगर को बीते मंगलवार के दिन दोषी ठहराया गया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। मिली जानकारी के अनुसार, घटना 20 मार्च 2021 की है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान जब कोर्ट रूम में क्रिस्टोफर की हैवानियत सीसीटीवी के जरिए दिखाई गई तो उसकी दरिंदगी देखकर हर कोई स्तब्ध रह गया। जज भी हैरान रह गए और कोर्टरूम में मां ब्रीना मिकसिओलो यह नजारा देखकर रोने लगी। बच्चे की मां मुकदमे के दौरान अपने पति के खिलाफ गवाही देने वाली पहली गवाह थी। जिम के वीडियो परेशान करने वाले थे और वह फुटेज देखकर रोने लगी। बच्चे के पिता को लगता था कि वह काफी मोटा है और अपने बेटे को पतला करने के लिए जिम में जबरन ट्रेडमिल करवाया। जिम में उसे बार-बार गिरकर कई बार चोट लगी। जब बच्चे की मां ने उसकी हालत देखी तो 2 अप्रैल, 2021 को वह बेटे को डॉक्टर के पास ले गई, जहां लड़के ने कहा कि उसके पिता ने उसे ट्रेडमिल पर दौड़ने के लिए मजबूर किया क्योंकि वह बहुत मोटा है। अगले दिन, क्रिस्टोफर बेटे को फिर अस्पताल लेकर आया। उसे सांस लेने में तकलीफ और मतली की शिकायत थी। स्कैन के दौरान उसे दौरे पड़ने लगे और उसकी मौत हो गई।

हर साल अय्याशी के लिए 25 लड़कियां चुनते हैं किम जोंग

प्योंगयांग, एजेंसी। अक्सर चर्चाओं में रहने वाले उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन को लेकर एक सनसनीखेज खुलासा हुआ है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि किम जोंग हर साल 25 वर्जिन लड़कियों को अपने प्लेजर स्क्वॉड के लिए चुनते हैं। इन लड़कियों का चुनाव उनके आकर्षण और राजनीतिक निष्ठा के आधार पर किया जाता है।

30 वर्षीय लेखिका योनमी पार्क ने किम जोंग को लेकर यह दावा किया है। बता दें कि पार्क 13 साल की उम्र में उत्तर कोरिया से भाग गईं थीं। इसके बाद वह दक्षिण कोरिया और फिर अमेरिका चली गईं थीं। योनमी ने खुलासा किया कि उन्हें भी प्लेजर स्क्वॉड के लिए दो बार चुना गया था, लेकिन उनकी पारिवारिक स्थिति के कारण उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों की तलाश करने के लिए अधिकारियों द्वारा कक्षाओं और स्कूल परिसरों का दौरा किया जाता है। जब अधिकारियों को कुछ सुंदर लड़कियां मिल जाती हैं, तो सबसे पहले उनकी पारिवारिक और राजनीतिक स्थिति की जांच की जाती है।

योनमी पार्क ने दावा किया है कि प्लेजर स्क्वॉड के लिए जब लड़कियां चुन ली जाती हैं, तो सबसे पहले उनकी वर्जिनिटी चेक करने के लिए मेडिकल जांच कराई जाती है। जांच के दौरान शरीर पर मामूली निशान जैसी मामूली सी खामियां पाए जाने पर भी लड़कियों को बाहर कर दिया जाता है। परीक्षण के बाद चुनी गई लड़कियों को प्योंगयांग भेजा जाता है। प्लेजर स्क्वॉड का

मुख्य उद्देश्य तानाशाह की इच्छाओं को पूरा करना होता है।

पार्क के अनुसार प्लेजर स्क्वॉड को तीन अलग-अलग समूहों में बांटा जाता है। एक समूह को शरीर की मालिश के लिए तैयार करवाया जाता है। दूसरे समूह से किम जोंग-उन और उनके सहयोगियों के लिए मनोरंजन के लिए गाने और डांस की ट्रेनिंग दी जाती है। इसके अलावा तीसरे समूह की लड़कियों को किम जोंग और अन्य अधिकारियों के साथ यौन संबंध बनाने के लिए तैयार किया जाता है। पार्क ने यह भी बताया कि भुखमरी से बचने के लिए माता-पिता भी अपनी बेटियों को प्लेजर स्क्वॉड में शामिल करने के लिए सहमति दे देते हैं। जब स्क्वॉड की लड़कियां अपने बीसवें वर्ष तक पहुंचती हैं तो उनकी शादी नेता के अंगरक्षकों से कर दी जाती है। पार्क अनुसार इस प्लेजर स्काड की शुरुआत 1970 के दशक में किम जोंग-उन के पिता किम जोंग-इल के शासनकाल में हुई थी। यह भी दावा किया गया कि किम जोंग-इल लंबी महिलाओं को पसंद करते थे।

महिला अधिकार कार्यकर्ता को 11 साल की जेल, जनवरी में सुनाई गई थी सजा

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब में एक महिला अधिकार कार्यकर्ता मनाहेल अल-ओतैबी को महिलाओं के अधिकारों और उनके पहनावे की वकालत करने के लिए 11 साल की सजा सुनाई गई। सीएनएन ने मानवाधिकार संगठनों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। एमनेस्टी इंटरनेशनल और लंदन स्थित सऊदी अधिकार समूह एएलक्यूएसटी के मुताबिक, अल-ओतैबी को 9 जनवरी 2024 को सऊदी अरब के विशेष आपराधिक न्यायालय द्वारा गोपनीय सुनवाई में सजा सुनाई गई, जिसका खुलासा संयुक्त राष्ट्र की जांच के कुछ हफ्तों बाद ही हुआ। सीएनएन के मुताबिक, इन मानवाधिकार संगठनों ने साझा बयान में बताया कि अल-ओतैबी (29 वर्षीय) पर लगे आरोप कथित तौर पर उनके कपड़ों की पसंद और ऑनलाइन सक्रियता से जुड़े हैं, जिसमें सऊदी अरब की पुरुष अभिभावकता वाली प्रणाली को समाप्त करना, खुद के वीडियो साझा करना और बिना अबाया पहने बाहर जाना शामिल है। अल-ओतैबी की बहन फौजिया अल-ओतैबी को भी इसी तरह के आरोपों का सामना करना पड़ा था।

अमेरिकी विश्वविद्यालयों में प्रदर्शनों से मस्क ने जताई नाराजगी, एडवर्ड स्नोडेन ने दिया करारा जवाब

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हो रहे फलस्तीन समर्थित विरोध प्रदर्शनों के मुद्दे पर एलन मस्क ने एक ऐसा पोस्ट किया, जिस पर अमेरिकी व्हिसल ब्लोअर एडवर्ड स्नोडेन ने करारा जवाब दिया है। दरअसल मस्क ने सोशल मीडिया पर एक पोल साझा किया, जिसमें अमेरिकी झंडे का अपमान करने वाले को देश से बाहर भेजने पर लोगों की राय मांगी गई थी। इस पर स्नोडेन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश में अभिव्यक्ति की आजादी है।

अमेरिकी विश्वविद्यालयों में जारी फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों पर एलन मस्क ने एक ट्वीट किया। जिसमें मस्क ने लिखा, प्रस्तावित कानूनः अगर कोई अमेरिकी झंडे का फाड़ता है और उसकी जगह कोई दूसरा झंडा लगाता है तो उस व्यक्ति को अनिवार्य रूप से उस देश भेज देना चाहिए, जहां का झंडा उसने लगाया है। मस्क ने इस पोस्ट पर लोगों से हां और नहीं में जवाब भी मांगा था।

मस्क के इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी व्हिसल ब्लोअर एडवर्ड स्नोडेन ने लिखा कि पहली बात अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी है, जिसमें सभी झंडों को फाड़ने और उनके साथ कुछ भी करने की आजादी है और किन्हीं कारणों से इस अधिकार को संविधान में सुरक्षित किया गया है। दूसरी बात तब आप क्या करेंगे, जब वे लोग इस झंडे से अमेरिकी झंडे को बदल दें इसके साथ ही स्नोडेन ने फास्ट फूड चेन मैक्डोनाल्ड के झंडे की तस्वीर साझा की। दरअसल अमेरिका के कई संस्थानों में इन दिनों फलस्तीन के समर्थन में धरने प्रदर्शन हो रहे हैं। इसके चलते कई छात्रों को गिरफ्तार किया गया है और कई पर शैक्षिक प्रतिबंध लगा दिए गए हैं।

गाजा में मानवीय संकट को लेकर तुर्किये ने इस्राइल के साथ रोका व्यापार, विदेश मंत्रालय ने किया एलान

अंकारा, एजेंसी। इस्राइल और हमास के बीच बीते 200 से ज्यादा दिनों से जारी भीषण जंग थमने का नाम नहीं ले रही। इस बीच, तुर्किये ने गाजा की मानवीय स्थिति का हवाला देते हुए तेल अवीव से सभी आयात और निर्यात रोक दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया की खबरों के मुताबिक तुर्किये के व्यापार मंत्रालय ने इसकी घोषणा की।

मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा, इस्राइल से जुड़े आयात और निर्यात को रोक दिया गया है, जिसमें सभी उत्पाद शामिल हैं। तुर्किये इन नए उपायों को सख्ती से और निर्णायक रूप से लागू करेगा, जब तक इस्राइल सरकार गाजा को मानवीय मदद के निर्बाध और पर्याप्त प्रवाह को अनुमति नहीं देती है।

तुर्किये की ओर से यह घोषणा तब की गई है, जब इस्राइली विदेश मंत्री इस्राइल काट्ज ने हाल ही में तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तईप अर्दोगान पर बंदरगाहों से इस्राइल के आयात और निर्यात में बाधा डालकर समझौतों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। काट्ज ने एक्स पर लिखा था, एक तानाशाह कैसे व्यवहार करता है। तुर्किये के लोगों और व्यापारियों के हितों की अवहेलना करता है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों की अनदेखी करता है।

काट्ज ने खुलासा किया था कि उन्होंने विदेश मंत्रालय को तुर्किये के साथ वैकल्पिक व्यापार के विकल्पों का पता लगाने का निर्देश दिया है। मंत्रालय घरेलू उत्पादन और अन्य देशों से आयात पर फोकस कर रहा है। 2023 में दोनों देशों के बीच 6.8 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार था। पिछले साल तुर्किये ने इस्राइल पर व्यापार प्रतिबंध लगाए थे और इस्राइल पर गाजाज में हवाई मदद भेजने से रोकने और क्षेत्र में सैन्य कार्रवाइयों का आरोप लगाया था।

इस्राइल के साथ तुर्किये के व्यापार संबंधों के बारे में पूछे जाने पर पिछले महीने राष्ट्रपति अर्दोगान ने जवाब दिया था कि तुर्किये अब इस्राइल के साथ भारी व्यापार में शामिल नहीं है। हालांकि, स्पष्ट रूप से यह नहीं कहा था कि अंकारा ने इस्राइल के साथ सभी व्यापार को पूरी तरह से बंद कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

स्लोन इंफोसिस्टम्स लिमिटेड का आईपीओ 3 मई 2024 को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। स्लोन इंफोसिस्टम्स लिमिटेड आईटी हार्डवेयर उपकरणों और सॉल्यूशंस की एक प्रमुख प्रदाता, कंपनी ने 3 मई 2024 को इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत 79 प्रति शेयर मूल्य पर 11.06 करोड एकत्र करना है. कंपनी के शेयर्स सेट एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे. आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग उसके रेंटल बिजनेस के लिए लैपटॉप्स, डेस्कटॉप्स, एसएसडी और अन्य उपकरण जैसे आईटी उपकरणों की खरीदी के पूंजी खर्च का वित्त पोषण करने,कंपनी द्वारा लिए गए कुछ कर्ज का रीपेमेंट करने और आम कॉरपोरेट खर्चों को पूरा करने के लिए किया जाएगा. इश्यू 3 मई, 2024 को खुलेगा और 7 मई, 2024 को बंद होगा. इश्यू की लीड मैनेजर जावा कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के पास अनेक वर्षों का अनुभव होने के साथ उद्योग की एक्सपर्टीज का व्यापक रेंज है. उनका अनुभव ज्ञान और व्यापक पृष्ठभूमि इश्यू की जटिलताओं का समाधान करने में निपुण मार्गदर्शक के रूप में उन्हें स्थापित करती है. इश्यू की रजिस्ट्रार कैफिन टेक्नोलॉजिस लिमिटेड है. हमारे वर्षों के व्यापक अनुभव और विभिन्न पोर्टफोलियो के साथ हमने हमारे ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध बनाया है. इस आईपीओ की धनराशि से ना सिर्फ हमारी प्रोडक्ट आफरिंग बढ़ेगी और समृद्ध होगी बल्कि ग्राहक आधार में भी इजाफा होगा. हम इस सुअवसर के बारे में रोमांचित है और हमारी कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं.

एसके फाइनेंस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई, एजेंसी। वर्ष 1994 में स्थापित एसके फाइनेंस लिमिटेड ('कंपनी') वाहन फाइनेंसिंग सेगमेंट और एमएसएमई फाइनेंसिंग सेगमेंट में अपनी समकक्ष कंपनियों के मुकाबले सबसे तेजी से बढ़ने वाली कंपनी है, जिसका विश्लेषण वित्तीय वर्ष 2021 और वित्तीय वर्ष 2023 के बीच की अवधि के लिए संबंधित सेगमेंट में प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों ('एयूएम') सीएजीआर के आधार पर किया गया है (स्रोत- क्रिसिल रिपोर्ट)। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना 2,200 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों (प्रत्येक का अंकित मूल्य 1 रुपये) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के जरिए धन जुटाने की है। कंपनी के प्रमोटर राजेंद्र कुमार सेतिया, यश सेतिया और राजेंद्र कुमार सेतिया एचयूएफ हैं। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम में 1 रुपये प्रत्येक इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य के साथ 500 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम और विक्रेता शेयरधारक की ओर से 1700 करोड़ रुपये तक के शेयरों का 'ऑफर फॉर सेल' (ओएफएस) शामिल है। बिक्री के लिए प्रस्ताव में राजेंद्र कुमार सेतिया द्वारा 180 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर, राजेंद्र कुमार सेतिया एचयूएफ (प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर) द्वारा 20 करोड़ रुपये तक, इवॉल्वेंस कोइन्वेस्ट फर्स्ट द्वारा 75 करोड़ रुपये तक, इवॉल्वेंस इंडिया फंड थ्री लिमिटेड द्वारा 25 करोड़ रुपये तक, नॉरवेस्ट वेंचर पार्टनर्स एक्स - मॉरीशस द्वारा 700 करोड़ रुपये तक और टीपीजी ग्रोथ फोर्थ एसएफ पीटीई लिमिटेड द्वारा 700 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर शामिल हैं ('निवेशक विक्रय शेयरधारक')। कंपनी एक नॉन-डिपॉजिट लेने वाली गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी मिडिल लेयर ('एनबीएफसी एमएल') है, जो भारतीय रिजर्व बैंक ('आरबीआई') के साथ भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45आईए के तहत पंजीकृत है।

सस्ते कर्ज के लिए अक्टूबर तक करना होगा इंतजार

तीसरी तिमाही तक रेपो दर में कटौती की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। सस्ता कर्ज पाने के लिए लोगों को अक्तूबर तक इंतजार करना पड़ सकता है। महंगाई के जोखिम और अमेरिकी केंद्रीय बैंक के दरों में कोई बदलाव नहीं करने के कारण आरबीआई तीसरी तिमाही तक रेपो दर में कटौती का फैसला टाल सकता है। अर्थशास्त्रियों का पहले

मानना था कि जून की बैठक में आरबीआई दरों में कटौती कर सकता है। अब महंगाई के जोखिम को देखते हुए यह फैसला अक्तूबर से दिसंबर के बीच हो सकता है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इस पूरे साल में रेपो दर में 0.50 फीसदी की कटौती की उम्मीद है।फिलहाल रेपो दर 6.5 फीसदी पर बनी हुई है। आरबीआई ने सात बार से दरों को यथावत रखा है। महंगाई आरबीआई के दायरे से अब भी ऊपर है।

गर्मी बढ़ा सकती है आरबीआई की चिंता

अर्थशास्त्रियों ने दिसंबर तक के लिए अपने तिमाही महंगाई पूर्वानुमान को थोड़ा कम कर दिया है। आरबीएल बैंक की अर्थशास्त्री अचला जेठमलानी ने कहा, भारत की विकास दर अच्छी है। महंगाई नियंत्रण में है। लेकिन, गर्मी में खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ीं तो महंगाई आरबीआई की चिंता बढ़ा सकती है। इसके साथही, वैश्विक विकास पर नजर रखना महत्वपूर्ण है। अमेरिका समेत दुनियाभर के केंद्रीय बैंक ब्याज दर के मामले में जिस तरह के फैसले लेंगे, आरबीआई भी उसी आधार पर रणनीति बनाएगा।

कई देश ब्याज दर घटाने में कर सकते हैं विलंब

मॉर्गन स्टेनली का कहना कि एशिया के अधिकांश केंद्रीय बैंक दरों में कटौती में देरी करेंगे। भारत में भी इस साल कटौती की उम्मीद नहीं है। डीबीएस ग्रुप होल्डिंग्स की अर्थशास्त्री राधिका राव ने कहा, भारत दर में कटौती को अप्रैल, 2025 में शुरू होने वाले वित्त वर्ष तक टाल सकता है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक भी इस साल के अंत तक कटौती कर सकता है या टाल भी सकता है। भारत जैसे उभरते बाजारों में केंद्रीय बैंक दरों में कटौती कर अपनी मुद्राओं को और कमजोर करने से सावधान रहेंगे।

इंडिगो ने कर्मचारियों को दिया बड़ा तोहफा, स्पेशल बोनस का किया ऐलान

मुंबई एजेंसी। इंडिगो ने अपने कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। एयरलाइन ने घोषणा की है कि वह अपने कर्मचारियों को विशेष बोनस देगी। यह फैसला चौथी तिमाही और पूरे साल के वित्तीय परिणामों की घोषणा से पहले आया है। यह कर्मचारियों के लिए खुशी की बात है, खासकर जब कुछ दिनों पहले ही इंडिगो ने 30 चौड़े आकार के 350 विमानों का बड़ा ऑर्डर दिया था।

सूत्रों के मुताबिक, कर्मचारियों को एक संदेश भेजा गया है। इसमें एयरलाइन ने कहा कि वह 'डेढ़ महीने के मूल वेतन' के बराबर एकमुश्त विशेष बोनस देगी। बोनस राशि कर्मचारियों के मई के वेतन के साथ अनुग्रह राशि के रूप में दी जाएगी।

घरेलू विमानन बाजार में 60 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली इंडिगो कंपनी के वास्तविक परिचालन और वित्तीय परिणामों के आधार पर सालाना बोनस देती है। एयरलाइन लगातार पांच तिमाहियों से लाभ कमा रही है। अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में इसका शुद्ध लाभ दोगुने से अधिक होकर 2,998.1 करोड़ रुपए रहा था।

इसकी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2023 के अंत में एयरलाइन के 33,045 कर्मचारी थे। इंडिगो को अपनी किफायती कीमतों, सुविधाजनक उड़ानों और बेहतरीन ग्राहक सेवा के लिए जाना जाता है। एयरलाइन ने कई पुरस्कार जीते हैं। इनमें स्काईट्रैक्स की ओर से वर्ल्ड्स बेस्ट लो-कॉस्ट एयरलाइन का पुरस्कार भी शामिल है। इंडिगो का मुख्यालय हरियाणा के गुरुग्राम में है। यह स्पष्ट है कि इंडिगो आने वाले वर्षों में बड़ी योजनाएं बना रहा है।

पोको ने मई सेल के लिए अपने सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोंस पर आकर्षक डील्स पेश कीं

मुंबई, एजेंसी। भारत में सबसे तेजी से विकसित होते हुए कंज़्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक, पोको ने मई सेल के लिए अपने सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोंस पर आकर्षक डील्स पेश की हैं, जो 1 मई से 10 मई तक केवल फ्लिपकार्ट और एमेज़ॉन पर उपलब्ध होंगी। इस सेल में ग्राहक अपने पसंदीदा उत्पाद आकर्षक ऑफरों के साथ शानदार मूल्य में खरीद सकेंगे।

पोको एक्स6 प्रो

पोको एक्स6 प्रो मीडियाटेक डायमेंसिटी 8300 - अल्ट्रा एसओसी द्वारा पॉवर्ड है, जिसका मूल्य 22,999 रुपये है। इसमें 5000 वर्ग मिमी. का वीसी कूलिंग सिस्टम और वाईल्डबूस्ट 2.0 दिया गया है, ताकि गेमिंग के दौरान बेहतरीन परफॉर्मेंस

मिले। इसमें 6.67 इंच का एमोलेड डिस्प्ले है, जो 120 हर्ट्ज के रिफ्रेश रेट के साथ डॉल्बी विज़न को सपोर्ट करता है, जो बेहतर कलर एवं कॉन्ट्रैस्ट के साथ व्यूईंग का शानदार अनुभव प्रदान करता है। इसमें 64 मेगापिक्सल का ओआईएस ट्रिपल रियर कैमरा और एचडीआर वीडियो रिकॉर्डिंग सपोर्ट है, जिसकी मदद से यह प्रेसिज़न के साथ शानदार विज़्युअल्स कैप्चर कर सकता है।

पोको एक्स6- यह 17,999 रुपये में उपलब्ध है। पोको एक्स6 अपने 6.67'' के एमोलेड डिस्प्ले और 1.5च्य रिज़ॉल्यूशन के साथ बहुत शानदार विज़्युल्स एवं बेहतरीन व्यूईंग अनुभव प्रदान करता है। यह 20,000 रुपये से कम मूल्य में ये विशेषताएं प्रदान करने वाली एकमात्र डिवाईस है। इस स्मार्टफोन में स्नैपड्रैगन 7एस जेन 2 मोबाईल प्लेटफॉर्म है और यह कोर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस द्वारा सुरक्षित है, जो इसे टिकाऊपन और खरोंच से सुरक्षा प्रदान करता है।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया 'एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड'

मुंबई, एजेंसी। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में नजर आने वाली गतिशील वृद्धि का लाभ उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक न्यू फंड ऑफर (एनएफओ)- 'एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड' की घोषणा की है। निफ्टी बैंक टीआरआई को ट्रैक करने वाला यह फंड एक ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड है। इस फंड का उद्देश्य निफ्टी बैंक टीआरआई को ट्रैक करना है, जिससे निवेशकों को अग्रणी भारतीय बैंकों की विकास यात्रा में सीधे भाग लेने के लिए एक मैकेनिज्म प्रदान किया जा सके।

एक्सिस एएमसी के एमडी और सीईओ बी. गोपकुमार ने इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा, ''हमारे देश की आर्थिक प्रगति के पीछे अनेक कारण सक्रिय हैं और अगर प्रभावी ढंग से प्रगति की इस रफ्तार को समझा जाए, तो हमारी विकास कहानी में देश को एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ाने की क्षमता है। इस पृष्ठभूमि में ही देश का बैंकिंग क्षेत्र विकास और लचीलापन प्रदर्शित करना जारी रखता है। एक मजबूत नियामक ढांचे और डिजिटल बैंकिंग को तेजी से अपनाने से प्रेरित होकर, यह क्षेत्र निरंतर विस्तार के लिए अच्छी स्थिति में है। एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड निवेशकों को इस विकास अवसर का लाभ उठाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

ओईसीडी ने बढ़ाया भारत की एफवा24 जीडीपी ग्रोथ का अनुमान, कहा ग्लोबल मार्केट में बढ़ेगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन ने वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान 40 आधार अंक बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। सार्वजनिक निवेश तेज बने रहने और कारोबारी विश्वास में सुधार की वजह से ओईसीडी ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में तेजी का अनुमान लगाया है।

उच्च आय वाली 38 अर्थव्यवस्थाओं के अंतर सरकारी समूह ने अपने ताजा आर्थिक परिदृश्य में कहा है, 'घरेलू मांग सकल पूंजी सृजन, खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के निवेश से संचालित होगी। वहीं निजी खपत में वृद्धि की रफ्तार सुस्त बनी हुई है। निर्यात में वृद्धि जारी रहेगी। खासकर सेवाओं और सूचना तकनीक व परामर्श क्षेत्र में तेजी रहेगी और भारत की वैश्विक बाजार में हिस्सेदारी में वृद्धि जारी रहेगी और इसे विदेशी निवेश से समर्थन मिलेगा।'

हालांकि एजेंसी ने यह भी कहा है कि निजी खपत कमजोर रहा है, जो ताजा घरेलू उपभोग व्यय सर्वे के शुरुआती निष्कर्षों की पुष्टि करता है। इसमें कहा गया है, 'ईवे बिल, टोल संग्रह और नए वाहन व स्कूटर की बिक्री जैसे कुछ

उच्च आवर्ती संकेतकों से गतिविधियों में तेजी के संकेत मिल रहे हैं। अन्य संकेतकों जैसे डिजिटल भुगतान संबंधी लेनदेन और सीमेंट का उत्पादन पूर्ववत बने हुए हैं।'

ओईसीडी ने कहा है कि राजस्व बढ़ाने में ऋण पर निर्भरता कम करने, व्यय दक्षता में सुधार और मजबूत राजकोषीय नियम जैसे क्षेत्रों में और ज्यादा काम किए जाने की जरूरत है। परिदृश्य में यह भी कहा गया है कि बहुत उच्च स्तर के सार्वजनिक ऋण को देखते हुए मौजूदा हिसाब से वित्तीय समेकन उचित है, जिससे निजी निवेश में रुकावट है।

परिदृश्य में कहा गया है, 'राजकोषीय समेकन जरूरी है, जिसका असर सार्वजनिक निवेश पर पड़ेगा। इसका निजी निवेश की मजबूती पर सिर्फ आंशिक असर पड़ेगा क्योंकि कारोबारी विश्वास सुधरा है। परिवारों के व्यय (खासकर ग्राहकों की विवेकाधीन मांग) में तेजी आने की उम्मीद नहीं है क्योंकि नौकरियों का सृजन निराशाजनक है और ग्रामीण इलाकों में प्रदर्शन सुस्त है और अभी भी वित्तीय स्थिति कमजोर है।'

ऐपल ने बनाया कमाई का रेकॉर्ड, एक दिन में मुकेश अंबानी की नेटवर्थ से ज्यादा बढ़ गया मार्केट कैप

नई दिल्ली, एजेंसी। आईफोन बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज कंपनी ऐपल ने अपना पहली तिमाही का रिजल्ट जारी कर दिया है। मार्च तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले चार फीसदी गिरावट के साथ 90.8 अरब डॉलर रहा। कंपनी को खासकर चीन में कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान आईफोन की बिक्री में 10 फीसदी गिरावट आई है। रिजल्ट जारी करने के साथ ही कंपनी ने 110 अरब डॉलर के शेयर बायबैक प्रोग्राम की घोषणा की है। ऐपल के इतिहास में यह सबसे बड़ा शेयर बायबैक है। इस घोषणा के साथ ही कंपनी के शेयरों में करीब सात फीसदी तेजी देखने को मिली और उसका मार्केट कैप 180 अरब डॉलर बढ़ गया। यह भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की नेटवर्थ से कहीं ज्यादा है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अंबानी की नेटवर्थ 113 अरब डॉलर है।

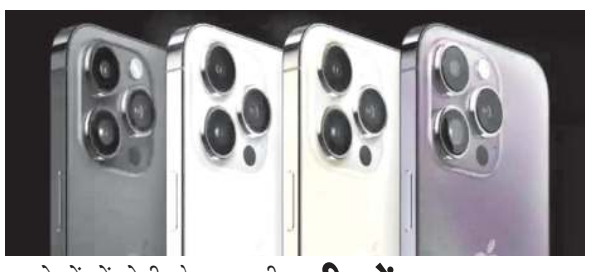

शेयरों में तेजी के साथ ही ऐपल का मार्केट कैप 2.671 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। माइक्रोसॉफ्ट (2.956 ट्रिलियन डॉलर) के बाद ऐपल दुनिया की दूसरे सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। मार्च तिमाही में आईफोन की बिक्री 45.96 अरब डॉलर रही जो अनुमानों से कम है। इस दौरान कंपनी की नेट इनकम भी एक साल पहले की तुलना में गिरकर 23.6 अरब डॉलर रही। कंपनी का कहना है कि मार्च तिमाही में बिक्री चार फीसदी बढ़कर 7.5 अरब डॉलर रही जबकि सर्विसेज का रेवेन्यू 23.9 अरब डॉलर रहा। ऐपल का आइपेड रेवेन्यू एक साल पहले की तुलना में 17 फीसदी गिरकर 5.6 अरब डॉलर रहा।

चीन में समस्या, भारत से गुडन्यूज

चीन में बढ़ते राष्ट्रवाद, इकॉनमी की चुनौतियों और बढ़ती प्रतिस्पर्धा से कंपनी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। चीन की कंपनियां हेवई और शायोमी तेजी से ऐपल के बाजार पर कब्जा कर रही हैं। मार्केट रिसर्च फर्म आइडीसी के मुताबिक पहली तिमाही में ऐपल के शिपमेंट में 10 फीसदी गिरावट आई है। हालांकि कंपनी के सीईओ टिम कुक ने कहा कि कंपनी ने एक दर्जन से अधिक इलाकों में रेवेन्यू का रेकॉर्ड बनाया है। इनमें भारत भी शामिल है। भारत में ऐपल का मार्केट तेजी से बढ़ रहा है।

अडानी ग्रुप की छह कंपनियों को सेबी ने भेजा कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की छह कंपनियों को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। इन कंपनियों पर संबंधित पक्ष लेनदेन के कथित उल्लंघन, लिस्टिंग नियमों का पालन न करने और ऑडिटर सर्टिफिकेट्स की वैधता के संबंध में आरोप हैं। इन कंपनियों ने स्टॉक एक्सचेंजे को दी गई रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की अगुवाई वाले इस ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने गुरुवार को कहा कि उसे 31 मार्च को समाप्त तिमाही में दो कारण बताओ नोटिस मिले हैं। साथ ही ग्रुप की अन्य कंपनियों अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, अडानी पावर, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी विल्मर और अडानी टोटल गैस को भी कारण बताओ नोटिस मिले हैं।

इन कंपनियों का कहना है कि उन्हें जो कानूनी राय मिली है, उसके मुताबिक सेबी

क्या है आरोप

अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड ने बताया कि आरोप है कि कंपनी ने अपेक्षित मंजूरी नहीं ली है और वित्तीय विवरणों/वार्षिक रिपोर्ट में अपेक्षित खुलासा नहीं किया है। समाप्त किए गए अनुबंधों के लिए सुरक्षा जमा को वापस नहीं लेने के कारण कंपनी के मुख्य व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए धन का उपयोग नहीं किया गया और इस प्रकार कंपनी की आचार संहिता का अनुपालन नहीं किया गया। अडानी पावर ने कहा कि उसने सेबी के नोटिस का जवाब दे दिया है। सेबी ने कंपनी पर आरोप लगाया है कि कुछ लेन-देन को संबंधित वर्षों के वित्तीय विवरणों में रिपोर्ट नहीं किया गया था और ऐसे लेन-देन के लिए अपेक्षित मंजूरी नहीं ली गई थी। सेबी ने अगस्त में सुप्रीम कोर्ट को सौंपी अपनी रिपोर्ट में कहा था कि उसने 13 रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन की पहचान की है, जिसकी जांच की जा रही है। जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट में 6,000 से अधिक संबंधित पक्ष लेनदेन पर सवाल उठाए थे।

अमेरिका दो दशक का रेकॉर्ड तोड़ने के करीब, चीन की हालत हुई खस्ता, भारत बन रहा दुनिया की फैक्ट्री!

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। ग्लोबल इकॉनमी में उसकी हिस्सेदारी दो दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंचने की राह पर है। आईएमएफ के मुताबिक ग्लोबल इकॉनमी में अमेरिका की हिस्सेदारी 26 फीसदी पहुंचने का अनुमान है। यह दो दशक में सबसे ज्यादा है। एक दशक पहले देश की हिस्सेदारी यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन के कंबाइंड कंट्रीब्यूशन से ऊपर पहुंची थी। आज वर्ल्ड इकॉनमी में अमेरिका का योगदान यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन के कंबाइंड कंट्रीब्यूशन से पांच फीसदी अधिक हो चुका है। इस बीच ग्लोबल इकॉनमी में चीन की हिस्सेदारी 2021 से लगातार घट रही है। 2024 में इसके 17 फीसदी रहने का अनुमान है।

भारत का हिस्सा

साल 2006 में ग्लोबल इकॉनमी में यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन की हिस्सेदारी 30 फीसदी थी जो अब करीब 21 फीसदी रह गई है। चीन की हिस्सेदारी 2006 में पांच फीसदी थी जो 2020 में 19 फीसदी के करीब पहुंच गई थी। लेकिन 2021 से इसमें लगातार गिरावट आई है और इस साल उसके 17 फीसदी रहने का अनुमान है। इस दौरान जापान की हिस्सेदारी भी घटकर चार फीसदी रहने का अनुमान है। साल 2006 में ग्लोबल इकॉनमी में जापान की हिस्सेदारी करीब आठ फीसदी थी।

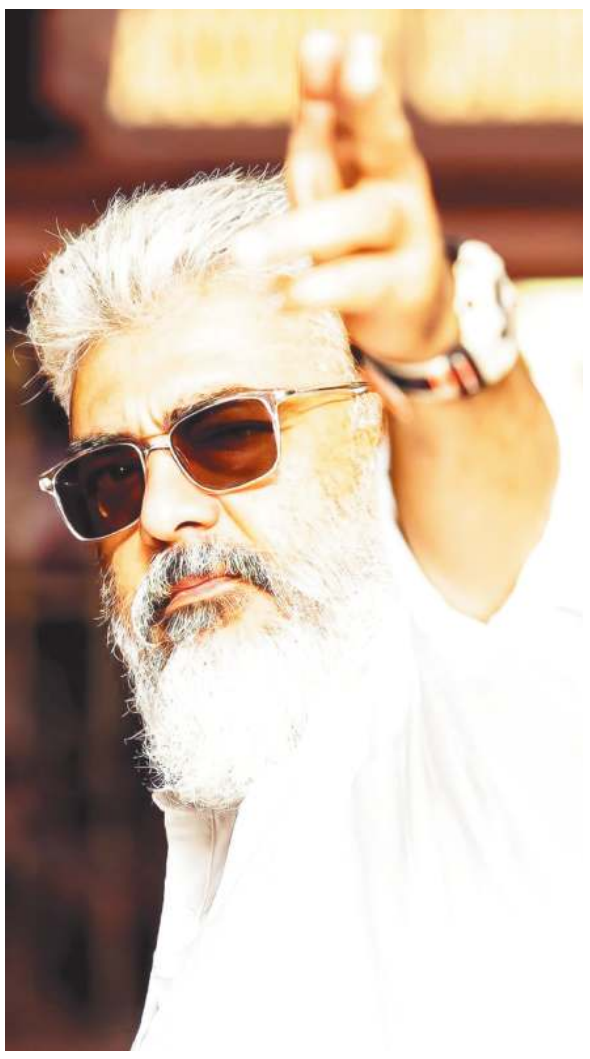

गुड बैड अग्ली में तीन अलग-अलग लुक में धमाल मचाने को तैयार अजित

साउथ सुपरस्टार अजित कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म विदा मुयार्ची के निर्माण में व्यस्त हैं। बीते कुछ समय पहले अभिनेता ने अपनी अगली फिल्म गुड बैड अग्ली की जानकारी साझा की थी। अभिनेता अपनी नई फिल्म के लिए निर्देशक अधिक रविचंद्रन के साथ सहयोग कर रहे हैं। वे जल्द ही अपने दूसरे प्रोजेक्ट गुड बैड अग्ली पर काम शुरू करेंगे।

अब इस फिल्म से अभिनेता के लुक पर बड़ी जानकारी सामने आई है। निर्माताओं ने कुछ समय पहले फिल्म का पहला पोस्टर और शीर्षक जारी किया था, जिसके बाद से फैंस के बीच उत्साह बढ़ गया था। प्रशंसक इस परियोजना के बारे में अधिक जानने के लिए उत्सुक हैं। वहीं अब फिल्म में अभिनेता के किरदार को लेकर नई जानकारियां सामने आईं। इससे पहले खबर आई थी कि अजित अधिक रविचंद्रन की फिल्म गुड बैड अग्ली में ट्रिपल रोल निभाएंगे।

अजित तीन किरदार निभाएंगे, इस पर चर्चा पहले से ही है, लेकिन अब वे तीनों किरदार कैसे होंगे, इसका खुलासा हो चुका है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित फिल्म में तीन अलग-अलग लुक में होंगे। नमक और काली मिर्च वाले लुक के अलावा अजित कथित तौर पर काले बालों के साथ एक युवा लुक में नजर आएंगे और कुछ हिस्सों में वे पोनीटेल के साथ नजर आएंगे।

कहा जा रहा है कि निर्देशक अधिक रविचंद्रन ने अजित के लिए एक ठोस चरित्र-चित्रण तैयार किया है। मुख्य महिला किरदार के बारे में विवरण अभी तक सामने नहीं आया है। कुछ दिन पहले अफवाह उड़ी थी कि श्रीलीला इस बड़ी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, लेकिन अभी तक कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है। कहा जा रहा है कि फिल्म का नाम अभिनेता के किरदारों का परिचय देता है। गुड बैड अग्ली अभिनेता के तीन किरदार की झलक है। तीनों किरदारों में खरा उतरने के लिए अभिनेता पूरी मेहनत कर रहे हैं और तैयारी में लगे हुए हैं। यह 18 साल बाद होगा, जब अभिनेता का दर्शकों को ट्रिपल रोल देखने को मिलेगा। अजित को तीन अलग-अलग भूमिकाओं में देखने की खबर ने इस बीच आगामी फिल्म के लिए प्रत्याशा बढ़ा दी है।

यामी गौतम ने अपनी

फिल्मों को लेकर बयां किया सच

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने अपनी फिल्मों से जुड़ा एक ऐसा सच बताया है, जिसे सुनकर आप भी चौंक जाएंगे। यामी की इन बातों को जानकर आपको यही लगेगा कि क्या कोई शख्स ऐसा भी कर सकता है।

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों नन्हें मेहमान की खुशी के स्वागत में बेहद खुश हैं और लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। उनकी प्रेग्नेंसी से जुड़ी कोई ना कोई खबर उन्हें चर्चा में बनाए रखती है। आर्टिकल 370 की दमदार सफलता का पूरा श्रेय यामी को जाता है। इस फिल्म ने दर्शकों के साथ क्रिटिक्स की वाहवाही भी बटोरी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की। फिल्मों को लेकर यामी ने एक इंटरव्यू में ऐसी बात कही जिसे सुनकर आप भी दंग रह जाएंगे।

यामी के दिल की बात

एक इंटरव्यू के दौरान यामी ने सिनेमाघरों और ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों और वेब सीरीज को लेकर कहा, मैंने कभी भी कोई फिल्म या सीरीज यह सोच कर नहीं कि वह ओटीटी या फिर सिनेमाघरों में अच्छी चलेगी। मैंने यह इसलिए चुनी है क्योंकि वो ऐसी फिल्में थीं, जिनमें मुझे मेरा रोल अच्छा लगता था।

खुदको फिल्मों में देखना अच्छा लगता है

यामी ने अपनी फिल्मों को लेकर एक और खुलासा किया है। उन्होंने कहा, खुदको फिल्मों में देखना शुरू से मेरा पहला प्यार रहा है। ओएमजी 2 , उरी द सर्जिकल स्ट्राइक, सनम रे, विक्की डोनर या फिर आर्टिकल 370, यामी गौतम ने बड़े पर्दे पर हमेशा अपनी काबिलियत साबित की है। वह भले ही ज्यादा लाइमलाइट में न रहती हों, लेकिन जब भी पर्दे पर आती हैं अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लेती हैं।

बहरहाल, यामी गौतम इन दिनों अपनी किसी फिल्म के लिए नहीं बल्कि प्रेग्नेंसी के लिए सुर्खियों में रहती हैं। वह जल्द ही मां बनने वाली हैं। मां बनने के बाद कुछ एक्ट्रेसेज फिल्मों से ब्रेक ले लेती हैं, लेकिन यामी बी-टाउन की वर्किंग मदर्स में शुमार होने वालों में से हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में यामी ने कहा था कि वह मां बनने के बाद भी काम जारी रखेंगी और मैटरनिटी ब्रेक के दौरान भी फिल्मों में बिजी रहेंगी।

बिग बी के 4,999वें ट्वीट पर शुरू हुई सियासत

बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के एक ट्वीट के बाद महाराष्ट्र की सियासत गरमा गई है। दरअसल, उन्होंने मुंबई की कोस्टल रोड़ की तारीफ में एक ट्वीट किया था। बिग बी का ट्वीट वायरल होते ही नेतागिरी भी शुरू हो गई। उद्धव ठाकरे के गुट वाली शिवसेना और बीजेपी के बीच इस सड़क के निर्माण का श्रेय लेने की होड़ मच गई है।

बिग बी ने क्या किया था ट्वीट

नेताओं की बयानबाजी के पहले यह जान लेते हैं कि जिस ट्वीट से मामले की शुरूआत हुई उसमें ऐसा क्या लिखा था। अमिताभ बच्चन ने अपने 4,999वें ट्वीट में मुंबई कोस्टल रोड की तारीफ करते हुए लिखा कि जेवीपीडी, जुहू से मरीन ड्राइव का सफर करने में 30 मिनट लगे। उन्होंने इसे साफ सुथरी और बढ़िया सड़क करार दिया।

नेटफ्लिक्स को कपिल शर्मा ने दिया 25 करोड़ का फटका

गिरती साख के चलते बंद हो गया शो

नेटफ्लिक्स के नए शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' के पहले एपिसोड के रिव्यू में ही बता दिया था, कपिल शर्मा का जादू ओटीटी पर कतई नहीं चल पाया है। नेटफ्लिक्स ने इस शो को पहले एपिसोड के प्रसारण के पांच हफ्तों में ही बंद करने का फैसला किया है। शो के आखिरी एपिसोड की शूटिंग हो चुकी हैं और जानकारी के मुताबिक इन पांच एपिसोड में ही नेटफ्लिक्स ने कपिल शर्मा पर करीब 25 करोड़ रुपये बहा दिए हैं। कपिल शर्मा इन दिनों कलर्स टीवी के एक अंत्याक्षरी कार्यक्रम का मेजबान बनने की कोशिश में भी हैं, लेकिन उनकी घटती ब्रांड वैल्यू को देखते हुए इस कार्यक्रम के लिए प्रायोजक मिलने की बड़ी चुनौती सामने आ रही है।

स्टैंड अप कॉमेडियन से शो होस्ट और फिर कार्यक्रम निर्माता बने कपिल शर्मा का ओटीटी गेम प्लान पूरा हो चुका है। उनके नए शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' को नेटफ्लिक्स ने बंद करने का फैसला किया। ओटीटी के सूत्रों के मुताबिक इसका आखिरी एपिसोड शूट हो चुका है और उसके बाद ही शो के सेट को हटाना शुरू कर दिया गया।

सूत्र बताते हैं कि इस शो के लिए कपिल शर्मा को करीब पांच करोड़ रुपये प्रति शो के हिसाब से भुगतान किया गया है, जबकि शो में जिस अभिनेता सुनी ग्रोवर की सबसे ज्यादा तारीफ हुई, उन्हें सिर्फ 25 लाख रुपये प्रति एपिसोड मिले हैं। शो को लेकर नेटफ्लिक्स ने किस कदर पैसे बांटे हैं, इसका अंदाजा लगाने के लिए सिर्फ इतना जानना काफी है कि सिर्फ सोफे पर बैठकर हंसने के लिए अर्चना पूरण सिंह को 10 लाख रुपये प्रति एपिसोड दिए जाने के खुलासे ने नेटफ्लिक्स में हंगामा कर दिया है।

गौर करने लायक बात यहां ये है कि नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज टीम ने अपनी बॉस बेला बजरिया के हफ्ते भर पहले भारत आने पर कपिल शर्मा शो की टीम से उनकी खासतौर से मुलाकात कराई थी। लेकिन, बताते हैं कि बेला बजरिया ने ही शो के भारी भरकम बजट के बावजूद दर्शकों में शो को लेकर सकारात्मक माहौल न होने के चलते इसे बंद करने का फैसला भारत से जाते जाते सुना दिया था।

बेला बजरिया के आने से तब नेटफ्लिक्स के मुंबई दफ्तर में काफी जोशीला माहौल देखा गया था रहा। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के कलाकारों में शो के होस्ट कपिल शर्मा के साथ साथ उनके साथी कलाकारों सुनील ग्रोवर, अर्चना पूरण सिंह और राजीव ठाकुर को भी बेला से मिलने का मौका मिला। इस दौरान भारत में नेटफ्लिक्स की वाइस प्रेसीडेंट (कंटेंट) मोनिका शेरगिल और सीरीज हेड तान्या बामी भी इस जश्न में शामिल रहीं।

नेटफ्लिक्स ने तब जाहिर यही किया था कि 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' ऐसी पहली भारतीय वेब सीरीज बन गई है जिसने उसकी ग्लोबल लिस्ट के अंग्रेजी से इतर कार्यक्रमों की टॉप 10 सूची में चार हफ्तों से लगातार जगह बनाई हुई है। दावा किया गया कि कि शो के समर्पित प्रशंसकों ने इसे खूब प्यार दिया है। जबकि, सच यही था कि शो के पहले तीन एपिसोड कपिल शर्मा का टीवी पर शो देखते रहे दर्शकों ने पूरी तरह नकार दिए हैं और शो से लोगों को जोड़ने के लिए कपिल शर्मा, कृष्णा अभिषेक और सुनील ग्रोवर उत्तर भारत में घर घर घूमते रहे, वह भी एक प्रायोजक कंपनी के पैसे पर।

भारत और पाकिस्तान को एक मानते हैं भंसाली

संजय लीला भंसाली के हर एक काम में उनके सेट की तारीफ जरुर होती है। इन दिनों उनकी पहली वेब सीरीज हीरामंडी चर्चा में हैं। नेटफ्लिक्स पर इसकी स्ट्रीमिंग शुरू हो चुकी है। लोग इसके सेट की भी जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। इसे दर्शकों की और आलोचकों की भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही हैं। अब हाल ही में, अपने एक बयान को लेकर भंसाली विवादों में आ गए हैं। निर्माता ने कहा है कि उन्होंने पाकिस्तानी दर्शकों से मिले प्यार और सम्मान को भी स्वीकार किया और कहा कि यह शो हम सभी को एक साथ लाता है। हाल ही में, एक इंटरव्यू में भंसाली ने फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली ने अपनी पहली स्ट्रीमिंग सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार में लाहौर में मुस्लिम पात्रों के बारे में एक कहानी बताने के निर्णय के बारे में बात की। भंसाली ने कहा, मुझे पाकिस्तान से बहुत प्यार मिला, लोग उत्सुकता से इसका इंतजार कर रहे थे, इसके बताए जाने का इंतजार कर रहे थे। यह एक ऐसी सीरीज है जो किसी तरह हम सभी को एक साथ लाता है।

भंसाली ने आगे कहा, यह लोग जितने अपने हैं उतने ही हमारे भी हैं। मुझे लगता है कि वे हम दोनों के हैं और दोनों देश आखिरकार बन रहे शो के लिए बहुत प्यार दिखा रहे हैं। मुझे अब भी लगता है कि हम सब एक हैं, मुझे अब भी लगता है कि हम सभी कई मायनों में जुड़े हुए हैं। दोनों तरफ के लोगों में बहुत प्यार है, कुछ लोगों को छोड़ दें तो वे मुद्दे पैदा करना चाहेंगे,लेकिन वे कम महत्वपूर्ण हैं।

भंसाली ने आगे इंटरव्यू में बताया कि हीरामंडी बनाते समय उन्हें किसी भी तरह के विरोध का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा, पात्रों में ऐसी चीजें हैं, जो मेरे काम द्वारा लोगों से जुड़ती हैं। यही कारण है कि वे इसके बारे में बात करते हैं। बहुत से लोग इसे पसंद करते हैं, बहुत से लोग इसे पसंद नहीं करते हैं। यह दर्शकों और फिल्म निर्माता के साथ लेन-देन का एक हिस्सा है।

मालूम हो कि संजय लीला भंसाली की हीरामंडी वेब सीरीज के अभी तक आठ एपिसोड ही नेटफ्लिक्स पर जारी किए गए हैं। इसमें मनीषा कोइराला ने मल्लिका जान, ऋचा चड्ढा ने लज्जो का किरदार, सोनाक्षी सिन्हा ने फरदीन, शर्मिन सहगल ने आलमजेब और अदिति राव हैदरी ने बिब्बो जान का किरदार बखूबी निभाया है।

- साभार एजेंसी

बिग बॉस ओटीटी 3 में नजर आ सकती हैं पांड्या स्टोर की मायरा धरती

बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 को लेकर बीच में खबर आई थी कि ये इस साल नहीं आएगा। लेकिन बाद में खुद मेकर्स ने खुलासा किया कि जून के पहले हफ्ते से इसकी शुरुआत हो जाएगी। अब इसमें कौन कंटेस्टेंट्स आएंगे, धीरे-धीरे पर्दा उठया जा रहा है। एक ने तो खुद ही इंटरव्यू दिया है और बताया कि वह इस शो का हिस्सा बनने पर विचार कर रही हैं।

मायरा धरती ने खास बातचीत में बताया कि वह बिग बॉस का हिस्सा बनने के बारे में सोच रही हैं। उन्होंने कहा कि वह इस शो का अनुभव करना चाहती हैं, इसलिए इसमें जा सकती हैं। उनकी मां भी उन्हें वहां देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। एक्ट्रेस ने कहा, क्यों नहीं? मुझे नहीं पता कि मैं बिग बॉस पर्सन हूं या नहीं। मेरे अंदर बहुत एनर्जी है। लेकिन कभी-कभी मैं परेशान भी रहती हूं।

मायरा धरती ने कहा कि अगर उन्हें सामने वाली की वाइब्स पसंद हो तो वह खूब बातें कर सकती हैं। लेकिन कभी-कभी वह बहुत शांत रहती हैं। कभी-कभी उन्हें बहुत अजीब महसूस होता है। कई बार वह बातूनी हो जाती हैं। लेकिन जब मन नहीं होता तो वह बात नहीं कर सकती और ना बहस कर सकती हैं। मायरा ने कहा, मैंने ऐसी बातें सुनी हैं कि लोग ऐसा दिखने के लिए किया करते हैं। इसलिए मुझे नहीं पता कि मैं क्या करूंगी लेकिन शायद मैं जाना चाहती हूं और इसका एक्सपीरियंस करना चाहती हूं कि वास्तव में मैं वहां क्या करूंगी। मेरी मां ज्यादा एक्साइटेड हैं क्योंकि मुझे खाना बनाना नहीं आता। अकेले नहीं रह सकती तो मां कहती हैं कि तुम वहां करने क्या जा रही हो? एक बार जब मैं चंडीगढ़ भी गई थी तो मेर लिए अकेले रहना और बिना मां के रहना बहुत मुश्किल हो गया था।

भाजपा की लोकसभा उम्मीदवार कंगना रणौत की बढ़ीं मुश्किलें

कंगना रणौत बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर हैं। वे राजनीति में आने से पहले भी लगभग हर राजनीतिक मुद्दे पर अपनी राय रखती आई हैं। आज यानी गुरुवार को संयुक्त किसान मंच के संयोजक हरीश चौहान ने कहा, कंगना किसानों से कैसे वोट मांग सकती हैं। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री और हिमाचल के मंडी से भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी कंगना रणौत की मुश्किलें आसान होती नजर नहीं आ रही हैं। जब से भाजपा ने उन्हें अपना लोकसभा प्रत्याशी चुना है तब से लेकर अब तक हर दिन कोई न कोई नया मामला उनके खिलाफ निकल ही रहा है। हाल ही में खबर आई है कि संयुक्त किसान मंच ने कंगना से कथित रूप से उनपर अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए माफी की मांग की है। आइए आपको बताते हैं क्या है पूरा मामला।

कंगना ने किया किसानों का अपमान

कंगना रणौत बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर हैं। वे राजनीति में आने से पहले भी लगभग हर राजनीतिक मुद्दे पर अपनी राय रखती आई हैं। आज यानी गुरुवार को संयुक्त किसान मंच के संयोजक हरीश चौहान ने कहा, कंगना किसानों से कैसे वोट मांग सकती हैं। वे कैसे उम्मीद कर सकती है कि हम उनका समर्थन करेंगे। उन्होंने हमारा अपमान किया था।

नहीं करेंगे कंगना का समर्थन

संयुक्त किसान मंच के संयोजक हरीश चौहान आगे कहते हैं, कंगना ने किसानों का अपमान किया है। हम उनका समर्थन नहीं करेंगे। उन्होंने हमारे लिए क्या किया है। हम उन्हें वोट देंगे जो हमारे हित के बारे में बात करेगा और सोचेगा। हम मंडी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह को समर्थन देंगे क्योंकि वे एसकेएम का हिस्सा रहे हैं और उन्होंने विधानसभा में हमारे लिए मुद्दे उठाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

बैडमिंटन

न थॉमस बैडमिंटन और न ही उबेर कप में भारत को मिला कोई पदक

चेंगदू (चीन), एजेंसी। दो साल पहले थॉमस कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम के एच एस प्रणय को दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी यू की के खिलाफ 66 मिनट के मुकाबले में 21-15, 11-21, 14-21 से हार मिली। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम थॉमस कप बैडमिंटन टीम अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाई और क्वार्टर फाइनल में चीन से 1-3 से हार के साथ बाहर हो गई। महिला टीम का अभियान उबेर कप में जापान के हाथों 0-3 से हार के साथ समाप्त हो गया। दो साल पहले थॉमस कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम के एच एस प्रणय को दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी यू की के खिलाफ 66 मिनट के मुकाबले में 21-15, 11-21, 14-21 से हार मिली। सात्विक-चिराग की जोड़ी को दुनिया की नंबर जोड़ी लियांग वेई केंग और वांग चांग के हाथों 15-21, 21-11, 12-21 से हार मिली।

युगल में जीत से चीन को 2-0 से बढ़त मिल गई। उसके बाद निगाह लक्ष्य पर थी, जिन्होंने निराश नहीं किया। अल्मोढ़ा के 22 साल के सेन ने दुनिया के छठे नंबर के ली शी फेंग को 13-21, 21-8, 21-14 से हराकर स्कोर 1-2 कर दिया लेकिन युगल में ध्रुव और साई की दुनिया की 11वें नंबर की रेन जियांग यू और ही जी टिंग से 10-21, 10-21 की हार के साथ भारत की उम्मीदें खत्म हो गईं।

उबेर कप में जापान ने 3-0 से हराया

इससे पहले उबेर कप में अश्मिता चालिहा और ईशारानी बरुआ के संघर्षपूर्ण खेल के बावजूद भारत की युवा महिला टीम को जापान के हाथों 0-3 से हार मिली। इस टूर्नामेंट में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू ने हिस्सा नहीं लिया था। बावजूद इसके भारत ने ग्रुप मैचों में कनाडा और सिंगापुर को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

क्रिकेटर डेवोन थॉमस पर लगा 5 साल का बैन

फिक्सिंग के चलते आईसीसी ने सजा दी, वेस्टइंडीज के लिए तीनों फॉर्मेट खेल चुके

नईदिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने वेस्टइंडीज के डेवोन थॉमस को 5 साल के लिए क्रिकेट से बैन कर दिया है। उन पर श्रीलंका, यूएई और वेस्टइंडीज की क्रिकेट लीग में फिक्सिंग के आरोप लगे थे। जिसे उन्होंने कबूल कर लिया, जिस कारण आईसीसी ने उन्हें सजा दी। आईसीसी ने बताया कि 34 साल के थॉमस पर श्रीलंका क्रिकेट एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड और कैरेबियन प्रीमियर लीग ने करप्शन के 7 आरोप लगाए थे। थॉमस ने अपने ऊपर लगे आरोपों को कबूल किया, जिस कारण उनकी सजा को 18 महीने कम किया गया। उनकी सजा 23 मई 2023 को शुरू हुई, यहां से 22 मई 2028 तक वह इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट नहीं खेल सकेंगे।

वेस्टइंडीज के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके हैं थॉमस

विकेटकीपर डेवोन थॉमस वेस्टइंडीज के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके हैं। उन्होंने एक टेस्ट, 21 वनडे और 12 टी-20 खेले हैं। उनके नाम 300 से ज्यादा रन हैं। वह पार्ट टाइम बॉलिंग भी कर लेते हैं, उनके नाम 4 विकेट हैं।

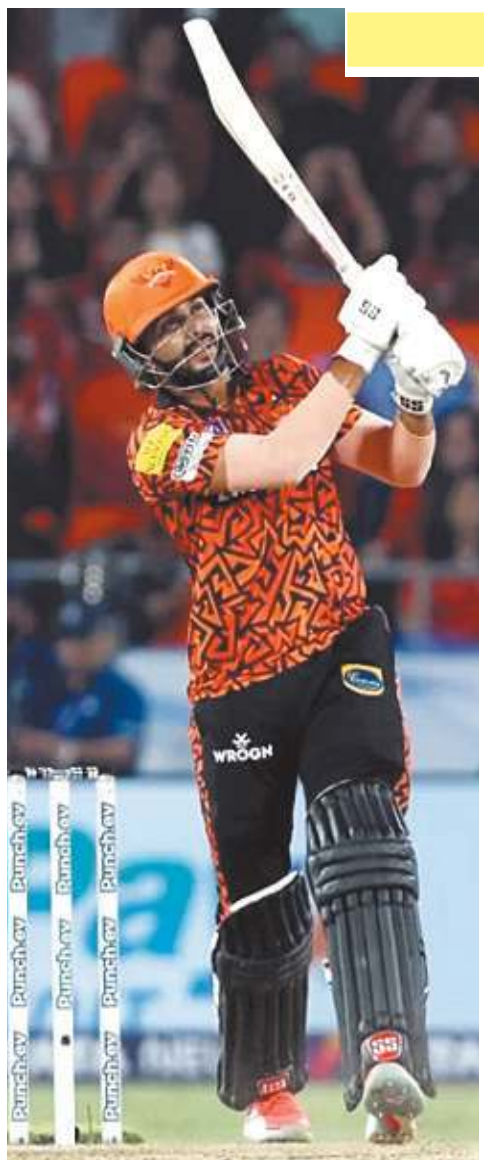

टीम प्रबंधन द्वारा दिया गया

मौका बर्बाद नहीं करना चाहता था : नितीश रेड्डी

हैदराबाद, एजेंसी। नीतीश कुमार रेड्डी, जिन्होंने आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) पर एक रन से रोमांचक जीत हासिल करने में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए 42 गेंदों में नाबाद 76 रन की शानदार पारी खेली, ने कहा कि टीम प्रबंधन ने उन्हें अंतिम एकादश में शामिल होने का मौका दिया, एक ऐसा मौका जिसे वह कभी गंवाना नहीं चाहते थे। गुरुवार शाम को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में, रेड्डी ने तीन चौके और आठ छक्के लगाकर सबको चकित कर दिया, जो कि उनकी सर्वोच्च टी20 पारी भी है, जिसमें उनके कुछ छक्के मैदान पर सीधे और कवर के ऊपर से लगे, जिससे घरेलू प्रशंसक रोमांचित हो गए।

उन्होंने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं कहूंगा कि मैं एक वास्तविक ऑलराउंडर हूं जो गेंदबाजी कर सकता है, जो बल्लेबाजी कर सकता है, जो क्षेत्ररक्षण भी कर सकता है। इसलिए, मैं हरफनमौला प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा था। मैं वास्तव में पिछले कुछ समय से इस बल्लेबाजी अवसर का इंतजार कर रहा था। इस साल टीम प्रबंधन ने मुझे मौका दिया और मैं इसे गंवाना नहीं चाहता था।

हैदराबाद के मध्यक्रम में अपनी भूमिका पर विचार करते हुए, रेड्डी ने कहा, पिछले दो मैचों से, यह ऐसा ही रहा है। मेरी भूमिका हेनरिक क्लासेन को धमाका करने का लाइसेंस देने के लिए 14वें या 13वें ओवर तक खेलने की थी।अगर क्लासेन और समद को शुरुआती ओवरों में बल्लेबाजी करने का मौका मिले तो कोई फायदा नहीं, वे स्वतंत्र रूप से रन नहीं बना सकते। मैं सिर्फ यह सुनिश्चित करना चाहता था कि मुझे दबाव महसूस नहीं हो। मैं बस उसी तरह पारी खेलना चाहता था जैसी मैंने पंजाब के खिलाफ खेली थी और एक ओवर में आक्रमण करने और गति बदलने की योजना बना रहा था। जब मैंने (युजवेंद्र) को देखा तो बिल्कुल यही हुआ। मैं खुद का समर्थन कर रहा था कि मुझे उसके पीछे जाना है (14वें ओवर में) और यह काफी अच्छा रहा (उससे 21 रन लेकर)। तालिका में शीर्ष पर मौजूद रॉयल्स को हराने से वास्तव में टीम का मनोबल बढ़ेगा । रेड्डी ने यह भी खुलासा किया कि थिंक-टैंक को अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार पर भरोसा था, जो अंतिम ओवर में 12 रनों का बचाव करके उन्हें जीत दिलाएंगे।

देखिए, टी20 पूरी तरह से गति को बदलने के बारे में है। इसलिए, हमें वास्तव में विश्वास था कि हम किसी तरह एक या दो विकेट ले लेंगे जो हमें अच्छी तरह से सेट यशस्वी जयसवाल और रियान पराग के रूप में मिले। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, जब वह (भुवनेश्वर) प्राइम टाइम में थे, तो वह इन मैचों को खींचने जैसी चीजें करते थे। अगर हम हार भी जाते, तो भी हमें खुशी होती, भले ही हम मैच हार जाते, क्योंकि हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ अच्छा खेला और मैच को आखिरी गेंद तक ले गए, इसलिए हम जीत की ओर अग्रसर होकर खुश हैं।

जसप्रीत बुमराह को पछाड़कर टी नटराजन ने आईपीएल में कब्जाई पर्पल कैप

हैदराबाद, एजेंसी। मैदान में बेहद शांत दिखने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज टी नटराजन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में पर्पल कैप पर कब्जा कर लिया है. दरअसल, नटराजन ने पर्पल कैप होल्डर की रेस में दिग्गज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पछाड़ा है. मौजूदा आईपीएल का 50वां मैच हैदराबाद में 2 मई को खेला गया.

इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने आखिरी गेंद पर राजस्थान रॉयल्स को 1 रन से मात दी. हैदराबाद की जीत के हीरो भुवनेश्नर कुमार रहे, जिन्होंने आखिरी गेंद पर रोवमैन पॉवेल को आउट कर राजसथान को जीत दिलाई. सनराइजर्स हैदराबाद के लिए टी नटराजन ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवरों में 35 रन देते हुए 2 विकेट हासिल किए. इसके साथ ही नटराजन इस आईपीएल में फिलहाल सबसे ज्यादा 15 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं. नटराजन ने 8 मैचों में 19.13 के एवरेज और 8.96 की इकोनॉमी रेट से ये विकेट लिए हैं. नटराजन के बाद जसप्रीत बुमराह (14 विकेट), मुस्ताफिजुर रहमान (14 विकेट) हैं. वहीं, हर्षल पटेल, मथीशा , युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, गेराल्ड कोएत्जे, मुकेश कुमार हैं, जिनके संयुक्त रूप से 13 विकेट हैं.

हममें से किसी ने अपना विकेट जानबूझकर नहीं गंवाया: रियान पराग

हैदराबाद, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से एक रन से हार का सामना करने के बाद, इन-फॉर्म बल्लेबाज रियान पराग ने इस बात से इनकार किया कि कुछ बल्लेबाजों ने, जिनमें वह भी शामिल हैं, निर्णायक मोड़ पर अपने विकेट जानबूझकर गंवाए। शुरुआती ओवर में जोस बटलर और संजू सैमसन को खोने के बाद, पराग और यशस्वी जायसवाल ने जवाबी हमले में तीसरे विकेट के लिए 134 रन जोड़े और एक प्रभावशाली जीत की ओर अग्रसर थे। लेकिन जायसवाल 40 गेंदों में 67 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पराग 49 गेंदों में 77 रन बनाकर आउट हुए और वहां से आरआर को इस सीजन की दूसरी हार झेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

पराग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे नहीं लगता कि हममें से किसी ने भी अपना विकेट फेंका है। जायसवाल ने उस स्कूप की कोशिश की क्योंकि नटराजन अच्छी धीमी बाउंसर फेंक रहे थे इसलिए उन्होंने अगली गेंद यॉर्कर समझकर यह शॉट खेला। मैंने भी सिक्स लगाने की कोशिश की और गेंद मिस हुई लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमने अपने विकेट फेंके, अंत तक टिके रहना अच्छा होता। हम दोनों की भी योजना यह थी। पराग ने यह भी कहा कि भुवनेश्वर कुमार, पैट कमिंस और नटराजन ने आखिरी पांच ओवरों में अच्छी गेंदबाजी करके आरआर को जीत से वंचित कर दिया। पराग ने कहा, मैं काफी आश्वस्त था लेकिन आपको उन्हें इसका श्रेय देना होगा कि उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की। यह उनका घरेलू मैदान है, उन्होंने ऐसी गेंदबाजी की जैसे उन्हें पता हो कि विकेट कैसे रिएक्ट करेगी। आपको इसका श्रेय भुवनेश्वर कुमार, नटराजन और कमिंस को देना होगा। आईपीएल 2024 की दस पारियों में, पराग ने 159.14 की स्ट्राइक-रेट के साथ 58.43 के औसत से 409 रन बनाए और प्रतियोगिता में चौथे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। कुछ लोगों ने उनका नाम पुरुष टी20 विश्व कप के लिए भारत की टीम में दावेदार के रूप में भी लिया था, लेकिन पराग को लगता है कि उनका सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है। पराग ने आगे कहा, मुझे सुधार करने के लिए बहुत से क्षेत्र मिले हैं। मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हूं, अन्यथा मैं मैच समाप्त कर देता। मुझे बहुत सारे क्षेत्रों में सुधार करना है। मैं अपनी गलतियों से सीखने की कोशिश करता हूं और उन्हें दोहराता नहीं हूं। पिछले साल मैं आईपीएल खेलने की दौड़ में भी नहीं था। अब मैंने कुछ अफवाहें सुनी हैं, मैं अब सोशल मीडिया पर नहीं हूं, मैंने यहां-वहां कुछ शोर सुना है। मुझे खुशी है कि वे अब सही कारणों से मेरा नाम ले रहे हैं। मैं वास्तव में किसी भी चीज़ के बारे में नहीं सोच रहा था। मैं अपनी टीम के लड़कों, खासकर संजू भैया (संजू सैमसन) को विश्व कप टीम में शामिल किए जाने से खुश हूं। यह हमारे देश के लिए बहुत अच्छा होने वाला है और हमें उम्मीद है कि हम इस बार विश्व कप घर ला सकते हैं।

आरआर पर एक रन से जीत के बाद कमिंस ने कहा, मैं सुपर ओवर के बारे में सोच रहा था

हैदराबाद, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने गुरुवार को आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को सांस रोक देने वाले मुकाबले में 1 रन से मात दी। मैच के बाद एसआरएच के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि उनकी टीम सुपर ओवर के लिए मानसिक रूप से तैयार हो गई थी।

एसआरएच को अंतिम ओवर में 12 रनों का बचाव करना था, राजस्थान को आखिरी गेंद पर दो रन चाहिए थे। इसके अलावा, वो धीमी ओवर गति के दंड के कारण केवल चार फील्डर को 30-यार्ड सर्कल के बाहर रख सकते थे। हालांकि, भुवनेश्वर कुमार एसआरएच की जीत के हीरो रहे जिन्होंने आखिरी ओवर में राजस्थान रॉयल्स को 13 रन बनाने से रोक दिया। भुवनेश्वर कुमार ने रोवमैन पॉवेल को मिडल और लेग पर लो फुल टॉस के साथ एलबीडब्ल्यू आउट करके (3-41) के साथ अपना स्पैल पूरा किया। इसके साथ ही एसआरएच के लिए टेबल-टॉपर्स पर शानदार जीत हासिल की, जो अब उनकी टीम को अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंचाती है। कमिंस ने कहा, शानदार मैच। हमने आखिरी गेंद तक नहीं सोचा था कि मैच हमारे पक्ष में आएगा। यह टी20 क्रिकेट है। आपको आदत डालनी पड़ती है कि बल्लेबाज आप पर हावी रहेंगे।

बॉक्सिंग चैंपियनशिप

युवा मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी, चार भारतीय सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजों मांदेंगबाम जादुमणि सिंह, निखिल, अजय कुमार और अंकुश ने गुरुवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पुरुष अंडर-22 सेमीफाइनल में जगह बनाई।

जादुमणि ने 51 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में भूटान के फुंटशो किनले को 5-0 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। निखिल (57 किग्रा) ने भी इसी तरह का दबदबा बनाया और उज्बेकिस्तान के बख्तियोरोव अयूबखोन को 4-0 से शिकस्त दी। अजय (63.5 किग्रा) और अंकुश (71 किग्रा) ने रेफरी के मुकाबले रोकने (आरएससी) पर अपने-अपने मुकाबले जीते। अजय ने मंगोलिया के दमदिंडोरज पी के खिलाफ पहले दौर में ही मुकाबला जीता, जबकि अंकुश ने कोरिया के ली जू सांग के खिलाफ तीसरे दौर में जीत दर्ज की।

आशीष हालांकि पुरुषों के 54 किग्रा क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया के ओयुन एर्डेन ई के खिलाफ 2-3 से हार गए। बुधवार देर रात आर्यन (92 किग्रा), निशा (52 किग्रा), आकांक्षा फलसवाल (70 किग्रा) और रुद्रिका (75 किग्रा) ने युवा वर्ग में अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज की थी।

जन्मदिन से पहले इंग्लैंड के घातक स्पिनर ने तोड़ा दम, 20 की उम्र में हुई मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के घातक स्पिनर जोश बेकर का निधन हो गया। उन्होंने 20 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। बेकर की मौत की पुष्टि वॉर्सेस्टरशायर की तरफ से की गई।

इंग्लैंड के घातक स्पिनर जोश बेकर का निधन हो गया। उन्होंने 20 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। बेकर की मौत की पुष्टि वॉर्सेस्टरशायर की तरफ से की गई। हालांकि, अब तक उनकी मौत का कारण सामने नहीं आया है। इस घटना से क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। हैरानी की बात यह है कि बेकर का निधन उनके जन्मदिन से ठीक 14 दिन पहले हुआ है। 16 मई को वह अपना 21वां जन्मदिन मनाने वाले थे।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने जताया दुख

वॉर्सेस्टरशायर काउंटी क्रिकेट क्लब की तरफ से कहा गया कि जोश बेकर के असामयिक निधन ने सभी को हैरान कर दिया है। क्लब के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एशले जाइल्स ने दुख व्यक्त करते हुए कहा, ÷जोश के निधन की खबर ने हम सभी को दुखी कर दिया है। जोश एक टीम के साथी से कहीं अधिक थे, वह हमारे क्रिकेट परिवार के अभिन्न अंग थे। हम सभी उसे बहुत याद करेंगे।

भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

- 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-0 की बढ़त
- भारत-बांग्लादेश के बीच 6 मई को सीरीज का चौथा टी-20 मैच सिलहट में ही खेला जाएगा।

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय विमेंस टीम ने शेफाली वर्मा तथा स्मृति मंधाना की 91 रन की साझेदारी की बदौलत सिलहट में तीसरे टी-20 मैच में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया। इसके साथ ही भारत ने 3-0 की बढ़त बना ली है और सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया है। शेफाली ने 51 और स्मृति ने 47 रन की पारी खेली। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 118 रन का लक्ष्य दिया था। भारत ने 121 रन बनाकर मैच जीता।

टॉस जीत कर भारत ने फील्डिंग चुनी

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया।

भारतीय गेंदबाजों ने कप्तान के फैसले को सही साबित करते हुए 6.3 ओवर में बांग्लादेश को 46 रन के स्कोर पर पहला झटका दिया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने 55 रन पर दूसरा और 85 के स्कोर पर तीसरा और चौथा विकेट लेकर बांग्लादेश के को बड़ा स्कोर करने से रोक दिया। बांग्लादेश की पूरी टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 117 रन ही बना सकी। बांग्लादेश के लिए सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर ने 27 गेंदों पर 39 रन और कप्तान निगार सुल्ताना ने 28 रनों की पारी खेली। भारत के लिए राधा यादव ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए, जबकि रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर और श्रेयांका पाटिल ने एक-एक विकेट लिए।

शेफाली-स्मृति ने भारत को दिलाई अच्छी शुरुआत

शेफाली और स्मृति ने पावरप्ले में बिना कोई विकेट गंवाए 59 रन जोड़े। 118 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शेफाली और स्मृति मंधाना ने शानदार शुरुआत दिलाई।

दोनों बल्लेबाजों ने पावरप्ले में बिना कोई विकेट गंवाए 59 रन जोड़े। दोनों ने पहले विकेट के लिए 12.1 ओवर में 91 रन की साझेदारी की। शेफाली ने 38 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 51 रन बना, जबकि स्मृति मंधाना ने 42 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्का की मदद से 47 रनों की पारी खेली। शेफाली को उनके प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। दोनों टीमों के बीच 6 मई को सीरीज का चौथा टी-20 मैच सिलहट में ही खेला जाएगा।

श्मशान घाट लाशों से भरे पड़े थे और भाजपा भ्रष्टाचार के खेल में डूबी थी, आप का

नईदिल्ली, एजेंसी।
आम आदमी पार्टी नेता और सांसद संजय सिंह ने कोरोना महामारी के दौरान लोगों को कोविशील्ड वैक्सीन लगाने को लेकर गुरुवार को भाजपा और केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने सरकार पर जानबूझकर लोगों की जान से खिलवाड़ करने और वैक्सीन खरीदी में बड़ा भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिए 52 करोड़ रुपए की रिश्वत ली। सांसद ने कहा कि भाजपा को मौत के बदले भी भ्रष्टाचार मंजूर है।

संजय सिंह ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, भाजपा और उसकी केंद्र सरकार को देश की जनता से कोई लेनादेना नहीं है। कोरोना महामारी के वक्त जब पूरा देश पीड़ित था। लाखों लोगों ने अपनी जान गंवाई। श्मशान में अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं थी, लोग अपने घरवालों के शवों को जलाए बगैर उनको छोड़कर जा रहे थे। भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार के खेल में डुबी हुई थी।

दूसरे देशों में बैन हुई, हमारे यहां करोड़ों का ऑर्डर दिया: आप नेता ने आगे कहा, केंद्र सरकार ने कोविशील्ड नामक एक कंपनी को वैक्सीन का ठेका दिया। जनवरी 2021 में यह ठेका दिया गया और कंपनी से 1 करोड़ 10 लाख डोज मांगी गई। इसका दाम 150 रुपए रखा गया। इसके बाद जब यह वैक्सीन बाजार में आई, तो दुनिया के कई हिस्सों में हाहाकार

मच गया। क्योंकि इस वैक्सीन को लगाने से वहां दुष्प्रभाव सामने आए, लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ गईं। जिसके बाद मार्च 2021 में दुनिया के कई देशों ने इस पर वैक्सीन पर बैन लगा दिया। इस दौरान जर्मनी, इटली, फ्रांस, स्पेन, नीदरलैंड्स, आयरलैंड्स, डेनमार्क, नॉर्वे, आइसलैंड और ऑस्ट्रिया जैसे देशों ने कोविशील्ड वैक्सीन को बैन कर दिया। मार्च 2021 में जब दुनिया के तमाम देश इस वैक्सीन पर बैन लगा रहे थे तब हमारे देश के प्रधानमंत्री और भारत सरकार ने फिर से इसी कंपनी को 10 करोड़ डोज का ठेका दे दिया। संजय सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि वैक्सीन का दाम पहले 150 रुपए था, फिर दाम बढ़ाया गया और रिश्वत ली गई। वैक्सीन का दाम 600 रुपए कर दिया गया और बदले में 52 करोड़ रुपए का चुनावी चंदा लिया गया। जब ब्रिटेन में कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी पर केस हुआ, तो 1,000 करोड़ हर्जाने का मुकदमा किया गया, तब पता चला कि इसके दुष्प्रभाव के कारण लोगों की जानें जा रही हैं। इस वैक्सीन पर बैन लगाने वाले देशों को इस वैक्सीन के दुष्प्रभाव के बारे में मार्च 2021 में ही पता चल गया था। लेकिन नरेंद्र मोदी ने मार्च 2021 में ही इस वैक्सीन की 10 करोड़ डोज का ऑर्डर दिया। इन्होंने धन्यवाद मोदी जी के पोस्टर लगाने पर 6,000 करोड़ रुपए खर्च किए। कम्पनी पर जिम्मेदारी तय होना चाहिए

आप सांसद ने वैक्सीन से हो रही मौतों की जिम्मेदारी तय करने की बात कहते हुए कहा, जिन लोगों की जान गई है, उनके परिवार की मदद के लिए क्यों इस वैक्सीन को बनाने वाली कम्पनी की जिम्मेदारी तय की गई। क्योंकि गंदा है पर धंधा है ये, बीजेपी का चंदा है ये। भाजपा ने इस कम्पनी से रिश्वत खाई है। आगे संजय सिंह ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से मांग करता हूं कि वे इस जानलेवा वैक्सीन को लगवाने के लिए देश की जनता से हाथ जोड़कर माफी मांगे। 150 रुपए की वैक्सीन का दाम 600 रुपए करने के लिए जनता से माफी मांगे।

भाजपा ने दाम बढ़ाने के बदले चंदा लिया

देश की बेटियां हार गईं, बृजभूषण के बेटे को टिकट मिला तो भड़के रेसलर

कैसरगंज, एजेंसी। भाजपा ने उत्तर प्रदेश की कैसरगंज सीट से इस बार पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की जगह उनके बेटे करण सिंह को टिकट दे दिया है। बीते साल बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए महिला रेसलर्स ने दिल्ली में महीने भर प्रदर्शन किया था। इसके बाद उन्हें भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई)के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। अब उनके बेटे को जब भाजपा ने चुनावी मैदान में उतार दिया है तो खिलाड़ियों ने एक बार फिर गुस्सा जाहिर किया है।

बता दें कि फरवरी महीने में ही बृजभूषण के छोटे बेटे करण सिंह उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष भी चुने गए थे। रियो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली साक्षी मलिक ने एक्स पर लिखा, बृजभूषण जीत गए और भारत की बेटियां हार गईं। उन्होंने कहा, हम सभी ने अपने करियर को दांव पर लगाया और कई दिनों तक सड़क पर बैठी रही। इसके बावजूद बृजभूषण की गिरफ्तारी नहीं हुई। हमने न्याय की मांग की। अब गिरफ्तारी तो छोड़िए उनके बेटे को भाजपा ने टिकट दे दिया है। देश की करोड़ों बेटियों का दिल टूट गया। अब भी टिकट उनके परिवार में ही है।

उन्होंने आगे कहा, आखिर सरकार एक व्यक्ति के आगे क्यों कमजोर है? आप सभी राम के नाम पर वोट चाहते हैं, लेकिन उनके आदर्शों का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं। बता दें कि बीते साल बृजभूषण के करीबी संजय सिंह को WFI का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद साक्षी मलिक ने खेलना बंद कर दिया था। मलिक की मां ने कहा, हम बहुत ही निराश और दुखी हैं। करण सिंह को टिकट मिलना दिखाता है कि हमारी परवाह किसी को नहीं है। विरोध प्रदर्शन में ही हमारी बेटी ने खेलना बंद कर दिया। बजरंग और विनेश ने अपने पुरस्कार लौटा दिए। ऐसा लगता है यह सब बेकार हो गया।

बता दें कि जून 2023 में दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 1000 पेज की चार्जशीट फाइल की थी। उनपर आईपीसी की धारा 354, 354डी, 345ए के तहत केस दर्ज किया गया था। दिल्ली की राउज अवेन्यू कोर्ट में मामले की सुनवाई चल रही है। 7 मई को मामले की अगली सुनवाई होनी है। रेसलर जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह हमारी पीठ पर छुरा भोंका गया है। क्या इसी के लिए हम सड़कों पर सोते थे? बृजभूषण के लोग डब्ल्यूएफआई में भी बैठे है और उनका बेटा अब चुनाव भी लड़ रहा है। बड़े शर्म की बात है। तोक्यो ओलंपिक में पदक विजेता बजरंग पुनिया ने इसे देश का दुर्भाग्य बताया है। उन्होंने कहा, भाजपा खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बताती है लेकिन लाखों कार्यकर्ताओं में उसे सिर्फ टिकट देने के लिए एक ही व्यक्ति मिला। पार्टी प्रज्वल रेवन्ना को लेकर भी घिरी हुई है। यह देश का दुर्भाग्य है कि देश की बेटियों को सड़क पर घसीटा गया और एक यौन उत्पीड़न के आरोपी के बेटे को चुनाव का टिकट दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के मतदाताओं के लिए व्यापारी संगठनों का बंपर ऑफर

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए व्यापारी संगठनों ने सराहनीय पहल की है। व्यापारी संगठनों ने मतदाताओं को बूथ तक लाने के लिए मतदान करो और छूट पाओ मुहिम शुरू की है। 7 तारीख को तीसरे चरण के दौरान मतदान करने के बाद मतदाता 8 से 12 मई के बीच अंगुली में मतदान की सियाही दिखाकर विभिन्न वस्तुओं पर 5 से 15 प्रतिशत की छूट पा सकते हैं। छत्तीसगढ़ में आखिरी चरण के चुनावों के लिए 7 मई को सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर-चंपा, कोरबा, बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर में वोटिंग होने वाली है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जहां चुनाव आयोग अपनी तरफ से भरपूर कोशिश कर रही है वहीं, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स ने मतदान करो और छूट पाओ की घोषणा की है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अमर परवानी ने बताया कि 100 से ज्यादा एसोसिएशन हमसे जुड़े हैं। हमने एक बैठक बुलाई थी जिसमें कलेक्टर समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। व्यापारी संघ ने शपथ ली कि वे वोट करेंगे और साथ ही मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए व्यापारियों ने छूट देने की बात कही। कोई 8 से 12 तक तो कोई 8 से दस प्रतिशत तक छूट देगा। वहीं, सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश भंसाली ने कहा कि मतदान करने के बाद जो भी अपनी अंगुली पर स्याही दिखाएगा।

उसे 7 तारीख से 12 तारीख तक पूरे रायपुर सराफा व्यापारी की तरफ से मेकिंग चार्ज में 15 प्रतिशत का छूट दिया जाएगा। हम डिस्काउंट इसलिए दे रहे हैं ताकि हमारा देश मजबूत हो और मतदाता अपने अधिकार को समझें।

मंडी में किसानों ने कंगना रनौत के खिलाफ खोला मोर्चा, पुराने बयानों की दिलाई याद

मंडी, एजेंसी। किसानों ने हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कैंडिडेट और फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत से उनकी कथित अपमानजनक टिपण्णी के लिए माफी की मांग की है। संयुक्त किसान मंच ने गुरुवार को कंगना को कृषि विरोधी कानूनों के खिलाफ चले आंदोलन के दौरान किसानों के खिलाफ उनके द्वारा दिए गए कथित बयानों की याद दिलाई है। साथ ही माफी की मांग की है। एसकेएम संयोजक हरीश चौहान ने कहा, कंगना किसानों के वोट कैसे मांग सकती हैं और हमारे समर्थन की उम्मीद कैसे कर सकती हैं? उन्होंने किसान समुदाय का अपमान किया है। उन्हें पहले माफी मांगनी चाहिए। आपको बता दें कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ 2020-2021 में हुए किसान आंदोलन के दौरान बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना ने कथित तौर पर पंजाब की एक महिला किसान की गलत पहचान की थी और उसे बिलकिस बानो कहा था। हालांकि वह एक 80 साल की महिला थी। उस महिला ने पहले दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में सीएए विरोधी विरोध प्रदर्शन के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरी थीं।कंगना ने अपने एक ट्वीट में आरोप लगाया गया था कि शाहीन बाग दादी भी कृषि कानूनों को लेकर चल रहे किसानों के आंदोलन में शामिल हुई थीं। उन्होंने बिलकिस बानो सहित दो बुजुर्ग महिलाओं की तस्वीरों के साथ पोस्ट को रीट्वीट किया और लिखा कि वही दादी जो टाइम मैगज़ीन में छपी थीं और 100 रुपये में उपलब्ध थीं। हालांकि, ट्वीटर पर लोगों ने बताया कि दोनों महिलाएं अलग-अलग हैं तो कंगना ने अपना ट्वीट हटा लिया। चौहान ने कहा कि राज्य में 70 प्रतिशत मतदाता किसान हैं। पिछले 10 वर्षों के दौरान राज्य के सांसदों द्वारा उनके मुद्दों को कभी नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि एसकेएम मौजूदा चुनावों में उन उम्मीदवारों का समर्थन करेगा जो किसानों के हित की वकालत करेंगे। चौहान ने कहा, हम मंडी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह को समर्थन देंगे क्योंकि वह एसकेएम का हिस्सा रहे हैं और उन्होंने विधानसभा में हमारे मुद्दे उठाए हैं।

रविंद्र सिंह भाटी को धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार, बाड़मेर पुलिस की पकड़ में ऐसे आया

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के बाड़मेर जिले से शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी को सोशल मीडिया पर धमकी देने के मामले में पुलिस ने मैसेज भेजने वाले व्यक्ति मगाराम निवासी सारणों का तला, आडेल थाना रागेश्वरी को नामजद कर गिरफ्तार कर लिया है। जिला पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सोशल मीडिया पर भ्रामक या गलत एवं आपसी सौहार्द बिगाड़ने जैसी टिप्पणी करने से बचे, अन्यथा कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी को फेसबुक पर गैंगस्टर रोहित गोदारा कपूरीसर के नाम से धमकी भरी पोस्ट की गई थी। वायरल होने पर सूचना मिलते ही सोशल मीडिया सेल द्वारा इस संबंध में जानकारी करते हुए आरोपी मगाराम को नामजद किया गया। इस पर बालोतरा पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी को दस्तयाब किया। जिसे पूछताछ के बाद थाना रागेश्वरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसपी मीना ने बताया कि आरोपी मगाराम से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसने अपने अपने मोबाइल में फेसबुक व इंस्टाग्राम की तीन आईडी मगाराम 04, रोहित गोदारा कपूरीसर व मुकेश उर्फ मगाराम 123 के नाम से बना रखी है। रोहित गोदारा के नाम से उसने करीब 45 दिन पहले ही आईडी बना गूगल से फोटो लेकर प्रोफाइल व कवर फोटो पर लगाई थी। एसपी मीना ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने आगे बताया कि फेसबुक व इंस्टाग्राम पर विधायक रविंद्र सिंह भाटी व उमेदाराम बेनीवाल के बारे में उसने कमेंट देखे तो आवेश में आकर फर्जी आईडी से सिणधरी व बालोतरा के बीच बस में सफर के दौरान 27 अप्रेल को एक पोस्ट विधायक रविंद्र सिंह की आईडी तथा एक पोस्ट समाचार चैनल राजस्थान तक पर पोस्ट कर धमकी भरा कमेंट कर दिया।

झारखण्ड सरकार
कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
उष्म लहर (Heat Wave) से बचाव हेतु परामर्श

कृषि :–
क्या करें –
- खड़ी फसलों में हल्की एवं बार–बार सिंचाई करें।
- नर्सरी अवस्था वाली सब्जियों को पुआल से ढकें।
- फसलों के नाजुक स्थिति में आवश्यकतानुसार सिंचाई की आवृत्ति को बढ़ाएँ।
- मिट्टी की नमी को बनाए रखने के लिए फसलों के अवशेष जैसे–पुआल तथा पॉलिथिन आदि से ढ़कें, जिससे मिट्टी में नमी बरकरार रहे।
- खड़ी फसलों में सिंचाई सुबह एवं शाम के समय ही करें।
- सिंचाई के लिए स्प्रिंकलर एवं टपक सिंचाई (Drip Irrigation) का प्रयोग करें।
- आम, नींबु, पपीता आदि के बागों में शाम के समय सिंचाई की जाय, ताकि बागों में पर्याप्त नमी बनी रहे।
- यदि आपके क्षेत्र में लू का प्रकोप हो तो हवादार एवं छायादार स्थानों में आश्रय लें।

पशुपालन :–
क्या करें :–
- **पर्याप्त आश्रय प्रदान करना** :– जानवरों को पूरे दिन छायादार जगहों पर रखें। पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों से अस्थायी आश्रयों (झाला) का निर्माण करें या उन्हें सीधे सूर्य की रौशनी से बचाने के लिए पेड़ों या अन्य संरचनाओं से प्राकृतिक छाया प्रदान करें।
- **पानी के कटोरे और बर्तन रखना** :– जलसंचय योजना गर्मी के तनाव से निपटने की कुँजी है। पानी के कटोरे में साफ, ताजा पानी नियमित रूप से भरें और अधिक गर्मी से बचने के लिए उन्हें छायादार क्षेत्रों में रखें, साथ ही कुओं/हैंडपंप आदि के पास चौड़े खुले वाले बड़े मिट्टी के बर्तनों या ऐसे कंटेनरों का उपयोग करना चाहिए, जिन्हें जानवर आसानी से पलट न सकें।
- **गर्मी से तनाव के लक्षणों की निगरानी करें** :– गर्मी की थकावट या हीटस्ट्रोक (लू) के लक्षणों के प्रति सतर्क रहें, जिनमें अत्यधिक हांफना, सुस्ती, लार टपकना, तेजी से दिल की धड़कन और पतन आदि शामिल है। यदि संकट के कोई भी लक्षण दिखाई दें तो **ओ0आर0एस0** का उपयोग करें एवं तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करें।
- **जागरूकता** :– अपने समुदाय के भीतर जानवरों को अत्यधिक गर्मी से बचाने और सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाएं। यदि आवश्यक हो तो सहायता प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पशु क्रुरता की रोकथाम के अधिनियम **1965** के नियम **06** के उप–नियम **03** में कहा गया है कि जहाँ तापमान **37** डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो वहाँ दोपहर **12:00** बजे से **3:00** बजे के बीच कोई भी व्यक्ति उन क्षेत्रों में वाहन खींचने या भार ढ़ोने के लिए किसी जानवर का उपयोग नहीं करेंगे।

सभी पशुपालकों से अपील किया जाता है कि अत्यधिक गर्मी के प्रतीकूल प्रभावों से बचाने के लिए अपने जानवरों को गर्मी से संबंधित बीमारियों और संकटों से बचाने के लिए सक्रिय उपाय करें, ताकि अत्यधिक गर्मी की स्थिति के कारण जनवरों को कोई अनावश्यक दर्द या पीड़ा न हो। किसी भी आकस्मिक स्थिति में निकटम पशु चिकित्सालय में संपर्क करें।

क्या न करें :–
- दोपहर के समय मवेशियों/पशुओं को चराने या चारा देने से बचें।

PR - 324396 (Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department) 2024-25

झारखण्ड सरकार
कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
-:अति आवश्यक सूचना:-

पशुपालन निदेशालय, झारखण्ड, राँची के पत्रांक–521 नि0 दिनांक–23.04.2024 के अनुसार क्षेत्रीय कुक्कुट प्रक्षेत्र, होटवार, राँची में H5N1 Avian Influenza की पुष्टि की गई है। पक्षियों में संभवतः बर्ड फ्लू नामक बीमारी के कारण अधिक संख्या में असामान्य मृत्यु होती है। बर्ड फ्लू मुर्गी, बत्तख एवं अन्य पक्षियों में होनेवाली एक जानलेवा बीमारी है जो कि पक्षियों से मनुष्यों में भी फैल सकती है। अतएव हमें सजग एवं सतर्क रहना अति आवश्यक है।

पक्षियों में बर्ड फ्लू के लक्षण	बर्ड फ्लू संक्रमण रोकने के उपाय
➤ बहुत अधिक संख्या में अचानक मृत्यु होना।	➤ मृत पक्षियों को देखने पर उसे छुएं नहीं, ना ही नजदीक जाए।
➤ कलगी फूल जाना।	➤ आस–पास रहने वाले व्यक्ति मास्क का इस्तेमाल करें।
➤ कलगी, बाली एवं पैरों का रंग नीला हो जाना।	➤ कुक्कुट फार्म में यदि कुक्कुट की अत्यधिक संख्या में आकस्मिक मृत्यु होती है तो अविलम्ब स्थानीय पशु चिकित्सा पदाधिकारी से सम्पर्क कर उनके निर्देशानुसार कार्य करें।
➤ नाक से पानी आना।	➤ जब तक उनके फार्म में बर्ड फ्लू की पुष्टि नहीं हो जाती है कुक्कुटपालक घबराऐं नहीं।
➤ पतला दस्त होना।	
➤ सांस लेने में लकलीफ होना।	
➤ चलने में लड़खड़ाना	

यदि पक्षियों में असामान्य मृत्यु अधिक संख्या में हो रही है तो अपने निकटतम पशु चिकित्सालय या प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी से अविलम्ब सम्पर्क करें।
साथ ही पशु चिकित्सा पदाधिकारियों को जाँच हेतु पक्षियों के Cloacal, Tracheal Swab लेने में सहयोग करें।

PR - 324397 (Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department) 2024-25

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)